जबलपुर सोमवार 31 अगस्त 2026 > शक संवत 1948, भाद्रपद कृष्ण पक्ष, तृतीया

वर्ष 32 अंक 63 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम

अधिकतम तापमान 27.9°C

न्यूनतम तापमान 23.9°C

सूर्योदय - 5.52 | सूर्यास्त - 6.29

बिठली धान खरीदी केंद्र में घोटाला 13.18 लाख... ⏩ 4

शिवराजकुमार ने सलमान खान की 'मॉन्स्टर' ... ⏩ 7

कैलाश मानसरोवर मुक्ति संकल्प यात्रा का प्रथम ... ⏩ 9

76 साल से सुप्रीम कोर्ट में 'विशिष्ट विधिवेत्ता' का इंतजार

जस्टिस भुइयां बोले- कानून के विद्वानों को बेंच में जगह मिलने से न्यायपालिका में बढ़ेगी विविधता

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्जल भुइयां ने शीर्ष अदालत में 'विशिष्ट विधिवेत्ताओं' को जज बनाए जाने की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि संविधान में इस संबंध में स्पष्ट प्रावधान होने के बावजूद पिछले 76 वर्षों से अधिक समय में एक भी विशिष्ट विधिवेत्ता सुप्रीम कोर्ट का जज नहीं बन पाया है। उन्होंने इसे संविधान के ऐसे प्रावधान के रूप में बताया, जिसका अब तक इस्तेमाल नहीं किया गया। जस्टिस भुइयां रविवार को दिल्ली स्थित नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एनएलयू) के पोस्टग्रेजुएट छात्रों के 13वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में कई प्रतिभाशाली कानून विशेषज्ञ और शिक्षाविद मौजूद हैं, लेकिन उन्हें वह पहचान और अवसर नहीं मिल पाया जिसके वे हकदार हैं। ऐसे विशेषज्ञों को सुप्रीम कोर्ट की बेंच में शामिल करने से कानून के विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिल सकता है।

जस्टिस भुइयां ने संविधान के अनुच्छेद 124(3)(ब) का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके तहत राष्ट्रपति की नजर में 'विशिष्ट विधिवेत्ता' माने जाने वाले व्यक्ति को सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया जा सकता है। इसके बावजूद अब तक शीर्ष अदालत में नियुक्तियां मुख्य रूप से हाईकोर्ट

के जजों या अदालतों में प्रैक्टिस करने वाले वकीलों के माध्यम से हुई हैं।

उन्होंने कहा कि इस प्रावधान का अब तक इस्तेमाल न होना चिंताजनक है। इसके पीछे दो संभावित कारण हो सकते हैं। पहला, केंद्र सरकार और कॉलेजियम को लगता हो कि भारतीय अकादमिक क्षेत्र में पर्याप्त गहराई और विशेषज्ञता वाले कानूनविद उपलब्ध नहीं हैं। दूसरा, संभव है कि इस संवैधानिक प्रावधान पर अब तक गंभीरता से विचार ही नहीं किया गया।

जस्टिस भुइयां ने उन तर्कों को भी खारिज किया कि विश्वविद्यालयों में कानून पढ़ाने वाले शिक्षाविदों के पास अदालत में काम करने का पर्याप्त व्यावहारिक अनुभव नहीं होता। उन्होंने इसे 'बहुत सतही आपत्ति' बताया। उनके अनुसार, जज बनने की योग्यता का आधार केवल अदालत में प्रैक्टिस का अनुभव नहीं होना चाहिए। जस्टिस भुइयां ने कहा कि दुनिया के कई देशों में प्रतिष्ठित कानूनी शिक्षाविदों और विद्वानों को संवैधानिक अदालतों में जज नियुक्त किया जाता है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और केन्या जैसे देशों में इसका उदाहरण मिलता है। उन्होंने कहा कि भारत में भी कानून के क्षेत्र के प्रतिभाशाली शिक्षाविदों को न्यायपालिका में अवसर देने पर विचार किया जाना चाहिए। इससे न्यायपालिका में विशेषज्ञता और विविधता दोनों बढ़ सकती हैं।

खड़गे के मंच के 'शुद्धिकरण' के दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित करें मोदी: प्रियंका

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उत्तराखंड में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद उनके मंच के कथित 'शुद्धिकरण' की घटना में शामिल लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने और अनुसूचित जाति-जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। श्रीमती वाड्रा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर रविवार को लिखा कि हल्द्वानी में श्री खड़गे की रैली के बाद भारतीय जनता पार्टी-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोगों ने उनके मंच का 'शुद्धिकरण' किया।

भाई को डूबता देख कुंड में कूदीं तीन बहनें, चारों की मौत

धौलपुर। राजस्थान के धौलपुर जिले में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में चार भाई-बहनों की मौत हो गई। आंगई थाना क्षेत्र के बिरजा इलाके में कुंड में नहाते समय एक युवक गहरे पानी में चला गया। भाई को डूबता देख उसकी तीन बहनें उसे बचाने के लिए कुंड में उतर गईं, लेकिन तेज गहराई और पानी के कारण चारों डूब गए।

नेपाल में फंसे नागपुर के 102 तीर्थयात्री सुरक्षित लौटे

नागपुर (वार्ता)। नेपाल में हाल ही में अचानक आयी बाढ़ के कारण काठमांडू में फंसे नागपुर के 102 तीर्थयात्रियों का एक समूह रविवार को सुरक्षित यहां पहुंच गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। इससे पहले इस इलाके के चार तीर्थयात्री, जिनमें तीन महिलाएं शामिल थीं, शनिवार को सुरक्षित नागपुर पहुंचे थे। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ प्रभावित नेपाल में कुल 106 लोग फंसे हुए थे। तीर्थयात्रियों का यह समूह नेपाल में आयी विनाशकारी बाढ़ की चपेट में आ गया था। ये तीर्थयात्री विदर्भ क्षेत्र के उस बड़े समूह का हिस्सा थे जो 19 अगस्त को धार्मिक यात्रा के लिए नेपाल गया था, जिसमें प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर और अन्य तीर्थ स्थलों की यात्रा शामिल थी।

'विविधता में एकता भारत के डीएनए में' : भागवत

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भारतीय संस्कृति और विविधता में एकता को लेकर विचार रखे। भारतीय-अमेरिकी समुदाय को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विविधता और एकता भारत की पहचान ही नहीं, बल्कि उसके डीएनए में शामिल है। उन्होंने अमेरिका के बहुलवाद और भारत की 'विविधता में एकता' की अवधारणा के बीच अंतर भी समझाया।

मोदी को उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान, दोस्ती को नई ऊंचाई

36वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान, यूरेनियम सप्लाई, रक्षा सहयोग और 5 अरब डॉलर व्यापार लक्ष्य पर बनी सहमति

ताशकंद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रविवार को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च राज्य सम्मान 'ओली दाराजली दोस्लिक' से सम्मानित किया गया। उज्बेक भाषा में इसका अर्थ 'उच्च स्तरीय मित्रता' है। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने ताशकंद में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी को यह सम्मान प्रदान किया। यह प्रधानमंत्री मोदी को मिलने वाला 36वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। यह सम्मान दोनों देशों के बीच मजबूत होते संबंधों और प्रधानमंत्री मोदी के योगदान को रेखांकित करता है।
प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार सुबह ताशकंद में आयोजित योग सत्र में हिस्सा लिया।
इसके बाद उन्होंने राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के साथ द्विपक्षीय बैठक की।
बैठक में भारत और उज्बेकिस्तान के बीच आपसी सहयोग को और मजबूत करने के साथ कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई।
दोनों नेताओं ने व्यापार, ऊर्जा, रक्षा और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया।

यूरेनियम सप्लाई पर हुई अहम चर्चा

द्विपक्षीय बैठक में भारत और उज्बेकिस्तान के बीच यूरेनियम की आपूर्ति को लेकर भी बातचीत हुई। ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों देशों ने आर्थिक संबंधों को नई गति देने के लिए वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 5 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। वर्तमान में दोनों देशों के बीच व्यापार 1 अरब डॉलर से अधिक है। बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान रक्षा क्षेत्र में सीधे सहयोग को बढ़ाएंगे। दोनों देश मिलकर हथियारों के उत्पादन और नई रक्षा तकनीकों के विकास की दिशा में काम करेंगे। इससे दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद को क्षेत्र की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा मानते हैं। दोनों देशों ने इन चुनौतियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति जारी रखने पर सहमति जताई। क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए दोनों देश सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान के संबंध केवल कूटनीतिक और आर्थिक हितों तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच सदियों पुरानी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत जुड़ी हुई है। इसी साझा विरासत को दोनों देशों के बीच मजबूत रिश्तों की आधारशिला बताया गया। प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा भारत की मध्य एशिया नीति और उज्बेकिस्तान के साथ रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

चित्रकूट में बाढ़ प्रभावितों के बीच पहुंचे डॉ. मोहन यादव

कहा - जनजीवन सामान्य होने तक अधिकारी यहीं रहें राहत में नहीं होनी चाहिए कोई कमी

चित्रकूट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को चित्रकूट पहुंचकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया। उन्होंने राहत शिविर में पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में पूरी सरकार उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ से हुए नुकसान का समुचित आकलन कर प्रभावित परिवारों को नियमानुसार हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने चित्रकूट नगर के रामधाम मोहल्ले में जलभराव वाले क्षेत्रों का पैदल भ्रमण किया। कीचड़ से भरे रास्तों से गुजरते हुए उन्होंने प्रभावित परिवारों के घरों तक पहुंचकर नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित नागरिकों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया। दुकानों और घरों में पानी भरने से हुए नुकसान की भी जानकारी ली।मुख्यमंत्री प्राचीन मुखारविंद के पास बनाए गए आश्रय स्थल पहुंचे। यहां उन्होंने बाढ़ प्रभावित परिवारों और बाहर से आए श्रद्धालुओं से उनके हालचाल जाने। प्रभावित लोगों को वस्त्र, घरेलू सामग्री और खाद्यान्न सहित राहत सामग्री वितरित की गई। शिविर में भोजन, पानी और नाश्ते की व्यवस्था की जानकारी भी मुख्यमंत्री ने ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चित्रकूट में जनजीवन सामान्य होने तक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौके पर ही रहकर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी करें।

रामराजा की नगरी ओरछा में भाजपा का महामंथन

ओरछा

रामराजा सरकार की नगरी ओरछा में भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक रविवार से शुरू हुई। करीब 14 साल बाद ओरछा में आयोजित इस महामंथन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित करीब 350 नेता और पदाधिकारी शामिल हुए। होटल राजमहल में चल रही बैठक में संगठन की मजबूती, बूथ सशक्तीकरण और आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर रणनीति पर

मंथन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव चित्रकूट से ओरछा पहुंचे। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित वरिष्ठ नेताओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। खंडेलवाल ने कहा कि पार्टी के काम को आगे बढ़ाने के लिए रामराजा सरकार की नगरी से बेहतर और पवित्र स्थान कोई दूसरा नहीं हो सकता। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ओरछा में भगवान श्रीराम राजा के रूप में विराजमान हैं और भाजपा का लक्ष्य रामराज्य की स्थापना है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि कार्यसमिति की बैठक से भविष्य के लिए नीतिगत फैसलों और कार्यशैली को बेहतर बनाने की दिशा में परिणाम सामने आएंगे। बैठक की शुरुआत ध्वजारोहण और प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ हुई। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया गया। प्रदेश कार्यसमिति के 106 सदस्यों के अलावा सांसद, मंत्री, प्रदेश पदाधिकारी, संभाग प्रभारी, जिला अध्यक्ष और जिला प्रभारी सहित लगभग 350 प्रतिनिधि बैठक में शामिल हुए। बैठक में संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण और बूथों को मजबूत करने की रणनीति पर चर्चा होगी।

सुरंग तैयार, अब पटरी बिछने का इंतजार

श्रीनगर गढ़वाल। उत्तराखंड में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन परियोजना के तहत बन रही देश की सबसे लंबी रेल सुरंग अब निर्माण के अंतिम चरण में पहुंच गई है। देवप्रयाग-जनासू के बीच 14.58 किलोमीटर लंबी सुरंग का 90 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है। निर्माणदायी संस्था ने दिसंबर 2026 तक सुरंग का निर्माण पूरा कर इसे रेल विकास निगम लिमिटेड को सौंपने का लक्ष्य रखा है। इसके बाद जनवरी 2027 से सुरंग के भीतर डबल रेल ट्रैक बिछाने का काम शुरू किया जाएगा। सुरंग के भीतर इन दिनों लाइनिंग, फिनिशिंग, बिजली लाइन और इंटरनेट कनेक्टिविटी से जुड़े कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। परियोजना के अन्य हिस्सों में भी सुरंगों और पुलों का निर्माण जारी है। अधिकारियों के अनुसार सभी कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। कुल 125.20 किलोमीटर लंबी ब्रॉडगेज ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का सिविल निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। परियोजना का करीब 83 प्रतिशत हिस्सा सुरंगों से होकर गुजरेगा। रेल

मार्ग में कुल 16 सुरंगें और 19 पुल होंगे, जिनके जरिए ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक रेल संपर्क स्थापित किया जाएगा। स्टेशनों का निर्माण भी चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। देवप्रयाग-जनासू सुरंग के निर्माण में सिंगल-शील्ड टीबीएम तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। भारत में रेल सुरंग के निर्माण में इस तकनीक का पहली बार उपयोग हुआ। जर्मनी से लाई गई 'शक्ति' नामक टीबीएम ने 9.11 मीटर व्यास की खुदाई करते हुए करीब 10.47 किलोमीटर सुरंग तैयार की।

विपक्ष के दबाव के बाद बी. नागेंद्र का मंत्री पद से इस्तीफा मंजूर

बेंगलुरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की सिफारिश पर बी. नागेंद्र का मंत्री पद से इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। राज्यपाल की ओर से जारी आधिकारिक अधिसूचना में इसकी पुष्टि की गई। 89 करोड़ रुपये के कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले में कथित भूमिका को लेकर नागेंद्र लगातार विपक्ष के निशाने पर थे। नागेंद्र ने शुक्रवार को मंत्री पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया था। उन्होंने घोटाले में अपनी किसी भी तरह की भूमिका से इनकार करते हुए कहा था कि पार्टी और सरकार को शर्मिंदगी से बचाने

के लिए उन्होंने अपनी इच्छा से इस्तीफा दिया है। उनका इस्तीफा मुख्यमंत्री की सिफारिश के बाद राज्यपाल ने मंजूर किया। भाजपा-जेडीएस गठबंधन ने नागेंद्र के खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन और बयानबाजी की। विपक्ष ने विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान भी इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया। विरोध के कारण विधानसभा की कार्यवाही प्रभावित हुई और सत्र निर्धारित समय से तीन दिन पहले ही समाप्त करना पड़ा। नागेंद्र का इस्तीफा ऐसे समय आया जब उन्हें डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व वाली कैबिनेट के विस्तार में दोबारा मंत्री बनाए जाने को महज 25 दिन हुए थे। इसके बाद विपक्ष ने सरकार पर लगातार दबाव बढ़ाया। अंततः नागेंद्र ने मुख्यमंत्री को औपचारिक रूप से अपना इस्तीफा सौंप दिया, जिसे अब राज्यपाल ने स्वीकार कर लिया है।

नेपाल बाढ़ : सुरंगों में फंसे 900 से ज्यादा कर्मचारी

त्रिशूली-3 ए सुरंग में 2 से 3 फीट का रास्ता बनाया, अंदर भेजी गई ऑक्सीजन और खाद्य सामग्री, बचाव अभियान जारी

काठमांडू

नेपाल में बुधवार को आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन के बाद राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है। देश की विभिन्न जलविद्युत परियोजनाओं में काम करने वाले 900 से ज्यादा कर्मचारी लापता हैं। इनमें कई कर्मचारियों के सुरंगों में फंसे होने की आशंका है। सबसे बड़ी चुनौती ऊपरी त्रिशूली-3ए जलविद्युत परियोजना की सुरंग में फंसे कर्मचारियों और इंजीनियरों को सुरक्षित बाहर निकालना है। नेपाली सेना के नेतृत्व में करीब 90 सदस्यीय संयुक्त बचाव दल रविवार को सुरंग के ऊपरी हिस्से 'क्राउन हेड' तक पहुंचा। यहां करीब 2 से 3 फीट का रास्ता बनाया गया। बचावकर्मी रस्सियों के सहारे सुरंग में उतरे और अंदर मौजूद लोगों को आवाज लगाकर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। इसके बाद रास्ते को और चौड़ा करने का काम तेज कर दिया गया।

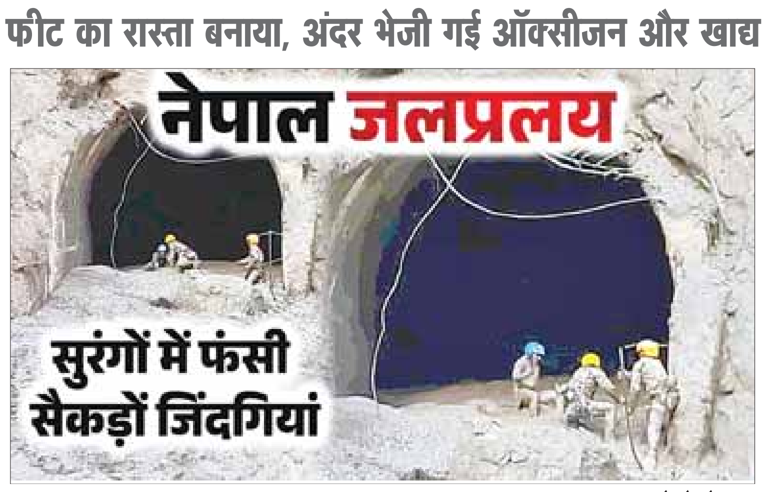

बारिश और नदी के तेज बहाव से अभियान प्रभावित

शनिवार रात बारिश और नदी का जलस्तर बढ़ने से खुदाई वाले हिस्से में पानी भर गया था। इससे बचाव कार्य कुछ समय के लिए प्रभावित हुआ। पानी कम होने के बाद ड्रिलिंग मशीन, एक्सकेवेटर और हाइड्रोलिक कटर की मदद से अभियान दोबारा शुरू किया गया। कठिन परिस्थितियों के बावजूद बचाव दल लगातार सुरंगों तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है।

ऑक्सीजन और खाना पहुंचाया

बचाव दल ने सुरंग के भीतर हवा और ऑक्सीजन पहुंचाने की व्यवस्था शुरू कर दी है। अंदर की स्थिति का पता लगाने के लिए कैमरा भी भेजा गया है। एक ऊर्ध्वाधर रास्ते से ऑक्सीजन पहुंचाई जा चुकी है। इसके अलावा फंसे लोगों के जिंदा होने की उम्मीद में खाने की सामग्री भी अंदर भेजी गई है। हालांकि, अभी तक किसी व्यक्ति से सीधा संपर्क स्थापित नहीं हो सका है। बाढ़ और भूस्खलन के कारण परियोजना तक पहुंचने वाली सड़क बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। भारी मशीनों को घटनास्थल तक पहुंचाना मुश्किल होने पर नेपाली सेना ने खुदाई करने वाली मशीनों और बुलडोजरों को अलग-अलग हिस्सों में खोलकर हेलीकॉप्टर से पहुंचाया।

804 लोगों ने गंवाई जान, 3000 से ज्यादा अभी भी लापता

नेपाल-तिब्बत में विनाशकारी बाढ़ के बाद राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। अब तक 804 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 275 से अधिक भारतीय लापता हैं। 108 भारतीयों को बचाया जा चुका है और चीन में मौजूद करीब 900 भारतीय सुरक्षित हैं। भारत ने राहत सामग्री, बचाव दल और पुल निर्माण का सामान नेपाल भेजा है।

2 वर्षो से मिल रहा सिर्फ आश्वासन बरसात में फिर डूबे कई रहवासी इलाके

सिहोरा नगर पालिका क्षेत्र अन्तर्गत पालीवाल कालोनी का मामला

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

नगर पालिका क्षेत्र अन्तर्गत पालीवाल कालोनी में जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण सड़कों के साथ पानी घरों के अंदर तक भर जाता है जिससे स्थानीय निवासियों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विदित हो दो वर्ष पूर्व स्थानीय विधायक ने टेक्टर पर बैठकर पालीवाल कालोनी के जलभराव से होने वाली समस्या का निरीक्षण कर शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया था लेकिन दो वर्ष का समय गुजर जाने के बावजूद जल निकासी की कोई कार्य योजना तक न बन सकी।

पानी के बहाव क्षेत्र में बन गये पक्के मकान

विदित हो पालीवाल कालोनी में पानी निकासी की व्यवस्था न होने के कारण वर्षा काल के दौरान हमेशा ही लोगों के घरों में पानी घुसने की समस्या बनी रहती है इसके अलावा जहरीले जीव जन्तु का भी खतरा बना रहता है स्थानीय जनो ने आरोप लगाया है कि जिस व्हाय नाला से बरसाती पानी की निकासी होती थी भुमाफियो ने प्लाटिंग कर पानी के बहाव को अवरुद्ध कर दिया लोगों ने पक्के मकान बना लिए है जिसके कारण पानी की निकासी बंद हो गई है यह समस्या उत्पन्न हुई है।

अस्पताल तक नहीं पहुंच पाते मरीज

पानी की निकासी न होने के कारण पानी गली एंव सड़क में हफ्तों से भरा है जरा सी बारिश में पानी बहते हुए लोगों के घरो में भर जाता है और जब ज्यादा बारिश होती है तो सड़कें पूरी तरह से जलमग्न हो जाती हैं। बरसात के मौसम में यह सड़क पूरी तरह कीचड़युक्त हो जाती है जिससे आवागमन में अत्यधिक कठिनाई होती है। न तो बच्चे सुरक्षित रूप से स्कूल जा पाते हैं और न ही बीमार व्यक्ति को अस्पताल ले जाना संभव हो पाता है।

सड़क खराब होने से दुर्घटना का अंदेशा

सड़क की खराब स्थिति के कारण आए दिन दुर्घटनाएँ होने का भी खतरा बना रहता है। पानी भरे रास्तों से निकलने में लोगों को काफी दिक्कतें होती हैं और कई बार लोग गिरकर घायल भी हो चुके हैं। स्थानीय निवासी ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित नगर पालिका से अनेकों बार शिकायत की है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उनकी मांग है कि कालोनी की सड़कें बनवाई जाएं एंव बरसात के पानी की निकासी व्यवस्था की जाये।

रूपए ना देने पर किराना व्यापारी के पेट में घोंपा चाकू, हालत गंभीर

रांझी थाना क्षेत्र में वारदात, मुख्य आरोपी गिरफ्तार 2 की तलाश जारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रांझी थाना क्षेत्र स्थित गांधी चौक में सिगरेट के पैसे मांगने पर एक किराना व्यापारी पर चाकू से हमला किया गया। बदमाशों ने 20 वर्षीय व्यापारी के पेट में चाकू घोंप दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक पीड़ित 20 वर्षीय अभिषेक श्रीपाल गांधी चौक में किराना दुकान चलाते हैं। शनिवार रात कुछ युवक उनकी दुकान पर सिगरेट लेने आए थे। जब अभिषेक ने सिगरेट के पैसे मांगे, तो आरोपियों ने गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर मुख्य आरोपी नितिन साहू ने अपने साथियों राज चौधरी और शिवा समुद्रे के साथ मिलकर अभिषेक पर हमला कर दिया। इस दौरान नितिन साहू ने अभिषेक के पेट में चाकू घोंप दिया। चाकू लगने के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

पहले से कई मामले दर्ज

स्थानीय लोगों को इकट्ठा होते देख आरोपी वहां से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल व्यापारी को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। इस मामले में पीड़ित अभिषेक ने पुलिस को बताया कि आरोपी पहले भी उनकी दुकान पर बम फेंक चुके हैं। घटना की सूचना मिलते ही रांझी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने मुख्य आरोपी नितिन साहू, राज चौधरी और शिवा समुद्रे के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक मुख्य आरोपी नितिन साहू एक शातिर अपराधी है, जिसके खिलाफ पहले से ही मारपीट और चाकूबाजी के 5 मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी नितिन साहू को गिरफ्तार अन्य 2 फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

जबलपुर रेल मंडल के अंतर्गत आरपीएफ ने चलाए व्यापक अभियान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर मंडल में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा 17 अगस्त से 23 अगस्त के दौरान विभिन्न अभियानों के माध्यम से यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, अपराधियों की धरपकड़, खोई हुई संपत्ति को उसके वास्तविक स्वामियों तक पहुँचाने, मानव जीवन की रक्षा करने तथा अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए गए। मैहर, जबलपुर एवं सतना स्टेशनों पर संचालित इन कार्रवाइयों ने यात्रियों में रेलवे सुरक्षा व्यवस्था के प्रति विश्वास को और सुदृढ़ किया है। 17 अगस्त को मैहर स्टेशन पर ऑपरेशन जीवन रक्षा के अंतर्गत ट्रेन संख्या 12295 के आगमन से पूर्व रेलवे ट्रैक पर गिरे यात्री मुन्ना पटेल (37 वर्ष, मंडीदीप, रायसेन) को सुरक्षित बाहर निकालकर तत्काल प्रदान किया। प्राथमिक उपचार के बाद यात्री को परिजनों के साथ जिला चिकित्सालय मैहर भेजा गया, जिससे समय पर की गई कार्रवाई के कारण उसकी स्थिति में सुधार हुआ। 18 अगस्त को जबलपुर स्टेशन पर ऑपरेशन अमानत के तहत प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर लावारिस अवस्था में मिला मोबाइल फोन एवं चार्जर सुरक्षित रूप से पोस्ट में जमा कराया गया। संपर्क स्थापित होने पर यात्री श्री मुलायम यादव ने अपनी पहचान सत्यापित की, जिसके बाद मोबाइल उन्हें सही-सलामत वापस सौंप दिया गया। इसी अवधि में मैहर स्टेशन पर ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के अंतर्गत तीन संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। जांच में इनका संबंध ट्रेन संख्या 04133 में हुई यात्री सामान चोरी की घटना से पाया गया तथा लगभग 38,000 मूल्य के सोने-चाँदी के आभूषण एवं नकदी बरामद की गई। आरोपियों को त्तऱक्ष के सुपुर्द कर आगे की कार्रवाई की गई। 18 अगस्त को सतना स्टेशन पर मुसाफिरखाना से चोरी हुए मोबाइल के मामले का सफल खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गया मोबाइल बरामद किया। 21 अगस्त को सतना स्टेशन पर ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के अंतर्गत ट्रेन संख्या 03251 में बिना अभिभावक यात्रा कर रहे 14 वर्षीय बालक को सुरक्षित संरक्षण में लिया गया।

दृष्टिहीनता की चुनौतियों को महसूस करने हजारों लोगों ने आंखों पर पट्टी बांधकर निकाली रैली

सामाजिक संस्थाओं ने मिलकर निकाली विशेष नेत्रदान जागरूकता रैली

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नेत्रदान महादान, श्रेष्ठ दान, एक स्वैच्छिक और पवित्र कार्य है, जिसके तहत कोई भी व्यक्ति भी व्यक्ति इसमें सहभागिता कर सकता है ताकि किसी नेत्रहीन व्यक्ति के जीवन में रोशनी लौट सके। जरूरत की तुलना में दान का प्रतिशत काफी कम है। इस गेप को समाज के प्रत्येक वर्ग के सहयोग से भरा जा सकता है। समय के साथ बस आवश्यकता जागरूक होने की है। ब्लाइंड फोल्डेड वाक (अंधत्व की अनुभूति रैली) उसी कड़ी का एक हिस्सा है जिसके माध्यम से अपनी आंखों पर पट्टी बांधकर चलकर हम सबने उस चुनौती को महसूस किया, और कुछ पट्टी हटाने व्याकुल हो गए। जबकि यह कठिनाई और चुनौती से हमारे दृष्टिहीन भाई-बहन हर रोज गुजरते हैं।

लोगों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा- इससे पहले राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा के प्रकाश में समदृष्टि क्षमता विकास व अनुसंधान मंडल (सक्षम) और दादा वीरेंद्रपुरी रोटरी नेत्र बैंक के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष नेत्रदान जागरूकता रैली आयोजित की गई। अंधत्व की अनुभूति थीम पर आयोजित रैली का सुबह पं रविशंकर शुक्ल क्रीड़ांगन (राइट टाउन स्टेडियम) के प्रवेश द्वार के पास से आरंभ हुई और तीन पत्ती चौक, मालवीय चौक, भारत माता चौक, सिविक सेंटर होते हुए वंदे मातरम उद्यान पहुंची, जहां इस रैली का समापन हुआ। रैली में सबसे आगे 10 से अधिक दिव्यांगजन थे, जो कि ट्राइसिकिल पर सवार थे। स्टेडियम से वंदे मातरम उद्यान तक करीब एक किलोमीटर का सफर तय करने के लिए रैली में सहभागिता कर रहे आंखों में पट्टी बांधे लोगों को सिर्फ रस्सी का सहारा मिला और वे आगे बढ़े। आयोजकों ने रस्सी का एक सर्किल बना रखा था, उसके अंदर लोग थे और एक-दूसरे के सहारे आगे बढ़ते गए। कोई कांधे पकड़े चल रहा था तो कोई हाथ। इस कार्यक्रम में समस्त रोटरी क्लब, स्टेडियम परिवार, गुड मार्निंग क्लब, जबलपुर डिविजनल ओफ्थल्मिक सोसाइटी, सुप्रभातम परिवार, महाकोशल चैंबर आफ कामर्स, दादा वीरेंद्रपुरी नेत्र संस्थान (देवजी नेत्रालय) आदि संस्थाओं ने सहभागिता की।

जनभागीदारी समिति द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को नहीं मिल सकता स्थाई कर्मी का दर्जा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र हाईकोर्ट ने जनभागीदारी समिति के माध्यम से स्वायत्त कॉलेज में नियुक्त कर्मचारियों के स्थाई कर्मचारी के दर्जे से जुड़े मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने स्पष्ट किया कि केवल लंबे समय तक सेवा करने के आधार पर जनभागीदारी समिति द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को स्थाई कर्मचारी का दर्जा नहीं दिया जा सकता। जस्टिस आनंद पाठक और जस्टिस बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार की रिट अपील स्वीकार करते हुए सिंगल बेंच द्वारा 16 अक्टूबर 2025 को पारित उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें सीधी के संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय के 11 कर्मचारियों को स्थाई कर्मचारी के लाभ देने का निर्देश दिया गया था।

ये है पूरा मामला-मामला सीधी स्थित संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय के तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के 11 कर्मचारियों से संबंधित है। कर्मचारियों ने हाईकोर्ट की सिंगल बेंच के समक्ष याचिका दायर कर दावा किया था कि वे कॉलेज में 15 वर्ष से अधिक समय से लगातार सेवाएं दे रहे हैं। याचिकाकर्ताओं ने सामान्य प्रशासन विभाग की 7 अक्टूबर 2016 की नीति का हवाला देते हुए स्थाई कर्मचारी का दर्जा दिए जाने की मांग की थी। इस नीति के तहत निर्धारित शर्तों के अधीन 16 मई 2007 और 1 सितंबर 2016 तक निरंतर कार्यरत दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को स्थाई कर्मी का दर्जा देने का प्रावधान था। सिंगल बेंच ने कर्मचारियों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उन्हें स्थाई कर्मचारी का दर्जा दिए जाने के निर्देश दिए थे। इसके खिलाफ मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग ने डिवीजन बेंच के समक्ष रिट अपील दाखिल की।

निरंतर सेवा का ठोस प्रमाण नहीं-डिवीजन बेंच के समक्ष राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता ब्रह्मदत्त सिंह ने पक्ष रखा। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता ऐसा कोई ठोस दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके, जिससे यह प्रमाणित हो कि वे 16 मई 2007 से लगातार कार्यरत थे। डिवीज़न बेंच ने अपने फैसले में कहा कि रिकॉर्ड में केवल अक्टूबर 2010 के बाद के उपलब्ध थे।

रातभर चली पुलिस की कॉम्बिग गश्त, पकड़े गए 223 वारंटी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय द्वारा शहर में कानून व्यवस्था सुदृढ करने एवं अपराधों की रोकथाम हेतु गुंडे, बदमाशों एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध उनके आपराधिक रिकार्ड को दृष्टिगत रखते हुए प्रतिदिन प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कराई जा रही है वहीं थानों में लंबित वारंटो की तमीली तथा मामलों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी, संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए कांबिंग गस्त हेतु आदेशित किए जाने पर बीती रात समस्त थाना प्रभारी शहर एवं देहात द्वारा हमराह स्टाफ के कॉम्बिग गस्त की गयी। टीमों द्वारा जिले भर में छापेमारी करते हुये बड़ी सफलता प्राप्त की है। कॉम्बिग गस्त के दौरान वारंटी एवं लंबित मामलों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु शहर एवं देहात के थानों में पदस्थ लगभग अधिकारी एवं कर्मचारियों की टीमें बनाई गई, एक टीम के प्रभारी थाना प्रभारी स्वयं थे, अन्य टीम के प्रभारी उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी थे। टीमों के द्वारा दबिश देते हुए कॉम्बिंग गस्त के दौरान कई वर्षों से फरार 99 गैर म्यादी वारिटयों एवं 69 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए तथा 55 जमानती वारंट भी तामील किए गए है। अधिकांश आरोपी लंबे समय से पुलिस से बचते फिर रहे थे, जिन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। अवैध शराब कारोबारियों के ठिकानों पर दबिश देते हुये 22 आरोपियों को गिरफ्तार कर 16 लीटर कच्ची तथा 416 पाव देशी/अंग्रेजी शराब जप्त की गयी है।

ऑल इंडिया कराटे चैम्पियनशिप में शहपुरा के खिलाड़ियों का दबदबा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

नई दिल्ली के नेहरू पार्क स्थित नरसिंह सेवा सदन में 23 अगस्त को आयोजित 21वीं इंटर स्कूल-डोजो ऑल इंडिया कराटे चैम्पियनशिप-2026 में कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास, शहपुरा की छात्राओं ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है। देशभर के खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा में शहपुरा की बेटियों ने शानदार खेल-कौशल और अनुशासन का परिचय देते हुए कुल 8 पदकों पर कब्जा जमाया। इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर मध्य प्रदेश राज्य ने ओवरऑल पहला स्थान हासिल किया, जबकि उत्तराखंड दूसरे और दिल्ली तीसरे स्थान पर रहा।

इन खिलाड़ियों को मिले पदक

स्वर्ण पदक नीलम पटेल (कक्षा 10वीं) और स्वाति पटेल (कक्षा 12वीं) को मिला। रजत पदक अनुराधा पटेल (कक्षा 12वीं), मोहनी साहू (कक्षा 11वीं), राखी भूमिया (कक्षा 11वीं) और देवकी चौधरी (कक्षा 10वीं) को मिला। कांस्य पदक कृतिका सिंह राजपूत (कक्षा 12वीं) और पार्वती गोंड (कक्षा 9वीं) को मिला। छात्राओं की इस बड़ी उपलब्धि में उनके प्रशिक्षक संतोष पटेल और ऋतु ठाकुर के कठोर प्रशिक्षण के साथ-साथ छात्रावास अधीक्षिका आरती सिंह के निरंतर प्रोत्साहन और खेल सुविधाओं का विशेष योगदान रहा। छात्राओं की इस राष्ट्रीय सफलता से शहपुरा नगर और पूरे जिले में खुशी और उत्साह का माहौल है। छात्रावास परिवार, शिक्षकों व क्षेत्रवासियों ने सभी विजेता बेटियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

प्रमुख सचिव ऊर्जा ने किया एमपी ट्रांसको के 220 केवी सबस्टेशन रोंसरा का निरीक्षण

आगामी रबी सीजन में गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति के दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री मनीष सिंह ने नरसिंहपुर जिले के भ्रमण के दौरान मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के 220/132/33 केवी अति उच्च दाब सबस्टेशन रोंसरा,नरसिंहपुर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने सबस्टेशन की व्यवस्थाओं, विद्युत आपूर्ति की स्थिति तथा संचालित कार्यों की जानकारी लेकर एम पी ट्रांसको अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री मनीष सिंह ने सबस्टेशन की आपरेशन एवं मेंटेनेंस गतिविधियों तथा विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता का जायजा लिया। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों की सराहना करते हुए विद्युत कार्यों के दौरान सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया।

सब स्टेशन के पहुंच मार्ग के सुधार के दिए निर्देश

नरसिंहपुर बाईपास निर्माण के कारण 220 केवी सबस्टेशन रोंसरा के पहुंच मार्ग में उत्पन्न हुई समस्याओं पर प्रमुख सचिव ऊर्जा ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने मुख्य अभियंता (टेस्टिंग) श्री एम.वाय. मंसूरी से चर्चा करते हुए कहा कि यदि वर्तमान में सबस्टेशन तक सामान्य वाहनों की पहुंच में कठिनाई हो रही है, तो किसी आकस्मिक स्थिति में बड़े पावर ट्रांसफार्मर एवं अन्य भारी उपकरणों की आवाजाही भी प्रभावित हो सकती है। उन्होंने स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर समीपस्थ नाले पर निर्मित पुल के पुनर्निर्माण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही सबस्टेशन की एप्रोच रोड के शीघ्र सुधार के भी निर्देश दिए।

ओपीजीडब्ल्यू नेटवर्क की समीक्षा

प्रमुख सचिव ऊर्जा ने जबलपुर एवं पिपरिया के मध्य स्थित इस महत्वपूर्ण सबस्टेशन के लोड प्रबंधन एवं वोल्टेज प्रोफाइल की जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी रबी सीजन को ध्यान में रखते हुए किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अभी से आवश्यक तैयारियां पूरी की जाएं तथा संभावित लोड का पूर्वानुमान तैयार किया जाए।

इस दौरान उन्होंने अधीक्षण अभियंता (टेस्टिंग) श्री एन.एस. लोधी से एमपी ट्रांसको के ऑप्टिकल फाइबर ग्राउंड वायर (ओपीजीडब्ल्यू) नेटवर्क, उसके लीजिंग कार्य तथा संबंधित सेवा प्रदाताओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि ओपीजीडब्ल्यू नेटवर्क की उपलब्धता अधिकतम बनाए रखने के लिए सतत प्रयास किए जाएं, जिससे सेवा प्रदाताओं एवं उनके उपभोक्ताओं को बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध हो सके। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता (टेस्टिंग) एम.वाई. मंसूरी, अधीक्षण अभियंता (टेस्टिंग) एन.एस. लोधी, कार्यपालन अभियंता (टेस्टिंग) नरसिंहपुर रमेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

संस्कृत साहित्य में नारी: शक्ति ज्ञान और संस्कार की प्रतीक

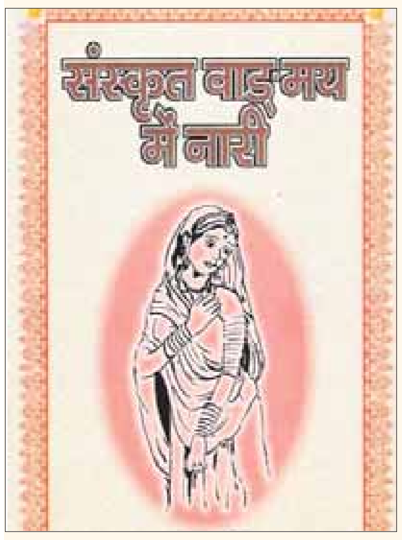

भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव सम्मान और गौरव का स्थान दिया गया है। संस्कृत साहित्य में भी नारी केवल परिवार की आधारशिला के रूप में नहीं, बल्कि ज्ञान, शक्ति, त्याग, साहस और संस्कार की प्रतीक के रूप में दिखाई देती है। वेदों से लेकर संस्कृत के महाकाव्यों और नाटकों तक नारी के अनेक प्रेरणादायक रूप मिलते हैं।

वेदों में विदुषी नारियां

प्राचीन भारतीय समाज में महिलाओं को शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार था। वैदिक साहित्य में गार्गी, मैत्रेयी, घोषा और लोपामुद्रा जैसी विदुषी महिलाओं का उल्लेख मिलता है। गार्गी ने दार्शनिक प्रश्नों के माध्यम से अपनी विद्वत्ता का परिचय दिया, जबकि मैत्रेयी ने आत्मज्ञान और आध्यात्मिक विषयों पर महत्वपूर्ण विचार रखे। इससे स्पष्ट होता है कि प्राचीन भारतीय परंपरा में नारी को ज्ञान की साधिका माना गया।

रामायण में आदर्श नारी का स्वरूप

महर्षि वाल्मीकि की रामायण में सीता का चरित्र त्याग, धैर्य, साहस और आत्मसम्मान का उदाहरण प्रस्तुत करता है। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने मूल्यों और कर्तव्यों का साथ नहीं छोड़ा। सीता का व्यक्तित्व यह संदेश देता है कि नारी परिस्थितियों का सामना दृढ़ता और आत्मविश्वास के साथ कर सकती है।

महाभारत में नारी की शक्ति

महाभारत में द्रौपदी का चरित्र नारी की दृढ़ता और स्वाभिमान को दर्शाता है। अन्याय के विरुद्ध उनका प्रश्न उठाना और अपने अधिकार के लिए आवाज बुलंद करना उन्हें एक प्रभावशाली चरित्र बनाता है। कुंती जैसी मातृशक्ति भी त्याग, धैर्य और संघर्ष की मिसाल प्रस्तुत करती हैं।

संस्कृत नाटकों में सशक्त नारी

कालिदास के 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' की शकुंतला प्रेम, संवेदना और आत्मसम्मान का सुंदर उदाहरण हैं। संस्कृत साहित्य की महिला पात्र केवल भावनाओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे निर्णय लेने, संघर्ष करने और जीवन को दिशा देने की क्षमता भी रखती हैं।

आज के लिए प्रेरणा

संस्कृत साहित्य में नारी के विविध रूप हमें बताते हैं कि समाज की प्रगति में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आधुनिक युग में शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, खेल और अन्य क्षेत्रों में महिलाएं आगे बढ़ रही हैं। प्राचीन साहित्य के आदर्शों को आधुनिक समानता और सम्मान की भावना के साथ समझना आवश्यक है।

भाषा नहीं, सफलता का कौशल है अंग्रेज़ी

आज के दौर में अंग्रेज़ी केवल स्कूल-कॉलेज में पढ़ाया जाने वाला विषय नहीं रह गई है, बल्कि शिक्षा, रोजगार, तकनीक और वैश्विक संचार का महत्वपूर्ण कौशल बन चुकी है। इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों ने दुनिया को करीब ला दिया है। ऐसे में अंग्रेज़ी का ज्ञान विद्यार्थियों के लिए नए अवसरों तक पहुंचने का माध्यम बन सकता है। हालांकि, अंग्रेज़ी सीखने का अर्थ अपनी मातृभाषा या संस्कृति से दूरी बनाना बिल्कुल नहीं है।

ज्ञान की दुनिया तक पहुंच

विज्ञान, चिकित्सा, तकनीक, शोध और उच्च शिक्षा से जुड़ी बड़ी मात्रा में अध्ययन सामग्री अंग्रेज़ी में उपलब्ध है। इंटरनेट पर मौजूद वैश्विक ज्ञान को समझने के लिए अंग्रेज़ी का ज्ञान विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होता है। इससे वे केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रहकर दुनिया के विभिन्न विचारों और शोध से जुड़ सकते हैं।

रोजगार में बढ़ते अवसर

आज प्रतियोगी परीक्षाओं, बैंकिंग, आईटी, निजी क्षेत्र, उच्च शिक्षा और विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में अंग्रेज़ी का व्यावहारिक ज्ञान उपयोगी है। कई विद्यार्थियों में प्रतिभा और विषय का अच्छा ज्ञान होता है, लेकिन भाषा को लेकर झिझक के कारण वे इंटरव्यू या कार्यस्थल पर अपने विचार प्रभावी ढंग से व्यक्त नहीं कर पाते। अंग्रेज़ी का अभ्यास उनके संवाद कौशल और आत्मविश्वास को बेहतर बना सकता है।

अंग्रेज़ी बोलना ही योग्यता नहीं

समाज में कई बार अंग्रेज़ी बोलने वाले व्यक्ति को अधिक शिक्षित या आधुनिक मानने की प्रवृत्ति दिखाई देती है। इस सोच में बदलाव जरूरी है। भाषा किसी व्यक्ति की श्रेष्ठता का प्रमाण नहीं, बल्कि विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम है। अच्छी अंग्रेज़ी बोलने से अधिक महत्वपूर्ण है कि व्यक्ति अपनी बात स्पष्ट और प्रभावी ढंग से रख सके।

मातृभाषा के साथ अंग्रेज़ी भी जरूरी

अंग्रेज़ी सीखते समय हिंदी और मातृभाषा के महत्व को नहीं भूलना चाहिए। अपनी भाषा हमारी जड़ों और सांस्कृतिक पहचान से जोड़ती है, जबकि अंग्रेज़ी अतिरिक्त कौशल के रूप में नए अवसरों के द्वार खोल सकती है। एक विद्यार्थी के लिए आदर्श स्थिति यही है कि वह अपनी भाषा में स्पष्ट रूप से सोच सके और आवश्यकता पड़ने पर अंग्रेज़ी में भी प्रभावी संवाद कर सके।

अंग्रेज़ी हमारी पहचान नहीं, बल्कि अवसरों तक पहुंचने का एक माध्यम है। इसे श्रेष्ठता दिखाने के लिए नहीं, बल्कि ज्ञान बढ़ाने, रोजगार के अवसरों का विस्तार करने और आत्मविश्वास के साथ संवाद करने के लिए सीखना चाहिए। अपनी भाषा हमारी जड़ है और अंग्रेज़ी एक अतिरिक्त कौशलकृदोनों का संतुलन ही वास्तविक विकास की पहचान है।

दीक्षा देवी चौधरी

सहायक प्राध्यापक, अंग्रेजी शासकीय कला महाविद्यालय, पनागर, जबलपुर

भारतीय संस्कृति और हिंदी भाषा, एक अटूट संबंध

भारत की पहचान उसकी विविध भाषाओं, परंपराओं और संस्कृतियों से है। इन सबको जोड़ने में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हिंदी केवल विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपराओं, लोकजीवन और मूल्यों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुंचाने वाली सशक्त भाषा भी है। भारतीय जीवन के अनेक रंग हिंदी के शब्दों और साहित्य में दिखाई देते हैं।

इतिहास से वर्तमान तक हिंदी की यात्रा

हिंदी का विकास भारतीय आर्य भाषाओं की दीर्घ परंपरा से हुआ है। संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश जैसी भाषाई अवस्थाओं से गुजरते हुए हिंदी ने अपना वर्तमान स्वरूप प्राप्त किया। मध्यकाल में संतों और भक्त कवियों ने लोकभाषा के माध्यम से अपने विचार जनसामान्य तक पहुंचाए। कबीर, तुलसीदास, सूरदास और मीराबाई जैसे रचनाकारों ने हिंदी को जन-जन की भाषा बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

साहित्य में संस्कृति की झलक

हिंदी साहित्य भारतीय संस्कृति का जीवंत दस्तावेज है। तुलसीदास की 'रामचरितमानस' में आदर्श जीवन, मर्यादा और पारिवारिक मूल्यों का चित्रण मिलता है। सूरदास की रचनाओं में भक्ति और मानवीय भावनाओं की सुंदर अभिव्यक्ति दिखाई देती है। लोकगीतों, लोककथाओं और कहावतों में भारत के विभिन्न क्षेत्रों की परंपराएं और जीवनशैली सुरक्षित हैं।

आधुनिक काल में प्रेमचंद, महादेवी वर्मा, जयशंकर प्रसाद और रामधारी सिंह दिनकर जैसे साहित्यकारों ने समाज, राष्ट्र, मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक समस्याओं को अपनी रचनाओं का विषय बनाया।

आध्यात्मिक चेतना की भाषा

भारत की आध्यात्मिक परंपरा को जनसामान्य तक पहुंचाने में हिंदी की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। धार्मिक ग्रंथों के हिंदी अनुवाद, भजन, कथाएं और प्रवचन लोगों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ते हैं। इसने दर्शन और आध्यात्मिक विचारों को सरल भाषा में समझने का अवसर दिया।

विविधता में एकता का माध्यम

भारत में अनेक भाषाएं और बोलियां बोली जाती हैं। ऐसे बहुभाषी समाज में हिंदी कई क्षेत्रों में संपर्क भाषा के रूप में लोगों को जोड़ने का काम करती है। हिंदी सिनेमा, टेलीविजन, पत्रकारिता और डिजिटल मीडिया ने इसके प्रसार को और व्यापक बनाया है।

विश्व मंच पर बढ़ता प्रभाव

हिंदी का प्रभाव भारत की सीमाओं से बाहर भी दिखाई देता है। मॉरीशस, फिज्री, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो सहित कई देशों में भारतीय मूल के समुदाय हिंदी से जुड़े हुए हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने हिंदी के वैश्विक प्रसार को नई गति दी है। हिंदी केवल भाषा नहीं, भारतीय संस्कृति की जीवंत पहचान है।

छोटे शब्दों, आसान वाक्यों और नियमित अभ्यास से संस्कृत को बनाएं आसान

संस्कृत भारत की प्राचीन, समृद्ध और वैज्ञानिक भाषा है। इसे अनेक भारतीय भाषाओं की जननी भी कहा जाता है। हालांकि आज कई लोगों को संस्कृत कठिन लगती है, लेकिन वास्तव में सरल शब्दों और दैनिक जीवन में प्रयोग के माध्यम से इसे आसानी से सीखा और बोला जा सकता है। आवश्यकता केवल इसके शिक्षण के तरीके को सहज और व्यावहारिक बनाने की है।

सरल शब्दों से करें शुरुआत

संस्कृत सीखने की शुरुआत कठिन व्याकरण से करने के बजाय रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले छोटे शब्दों और वाक्यों से होनी चाहिए। जैसे नमस्ते, धन्यवाद:, कृपया, कुशल: असि, अहं कुशल: अस्मि आदि। ऐसे छोटे वाक्यों का लगातार अभ्यास विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाता है और भाषा के प्रति रुचि पैदा करता है।

दैनिक बातचीत में संस्कृत

संस्कृत को घर, विद्यालय और मित्रों के बीच होने वाली बातचीत से जोड़ना सबसे प्रभावी तरीका है। सुबह मिलने पर 'सुप्रभात', विदा लेते समय 'पुनर्मिलाम:', धन्यवाद के लिए 'धन्यवाद:', आने के लिए 'आगच्छ' और जाने के लिए 'गच्छ' जैसे शब्दों का प्रयोग किया जा सकता है। धीरे-धीरे ये शब्द हमारी आदत का हिस्सा बन सकते हैं।

तकनीक से सीखना आसान

मोबाइल ऐप, ऑनलाइन कक्षाएं, वीडियो और ऑडियो सामग्री के माध्यम से संस्कृत सीखने के अवसर बढ़े हैं। विद्यार्थी प्रतिदिन कुछ मिनट संस्कृत सुनें, पढ़ें और बोलने का अभ्यास करें तो कम समय में अच्छी प्रगति कर सकते हैं।

विद्यालय और परिवार की भूमिका

विद्यालयों में संस्कृत को केवल परीक्षा का विषय न बनाकर व्यावहारिक भाषा के रूप में पढ़ाया जाना चाहिए। प्रार्थना सभा, भाषण, नाटक और प्रतियोगिताओं में संस्कृत का प्रयोग बढ़ाया जा सकता है। परिवार भी बच्चों के साथ छोटे-छोटे संस्कृत शब्दों का प्रयोग कर इसमें सहयोग कर सकता है।

संस्कृत को बनाएं जीवन का हिस्सा

संस्कृत को लोकप्रिय बनाने के लिए संवाद शिविर, कार्यशालाएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम और भाषा प्रतियोगिताएं आयोजित की जानी चाहिए। निरंतर अभ्यास और सहज शिक्षण पद्धति से संस्कृत को दैनिक बातचीत का हिस्सा बनाया जा सकता है। इससे भाषा का संरक्षण होगा और हमारी सांस्कृतिक विरासत भी आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचेगी।

अरुण लता तिवारी

शिक्षक, के.सी. हितकारिणी चिल्ड्रेंस एकेडमी, जोंसगंज, जबलपुर।

शब्द पहेली - 8961

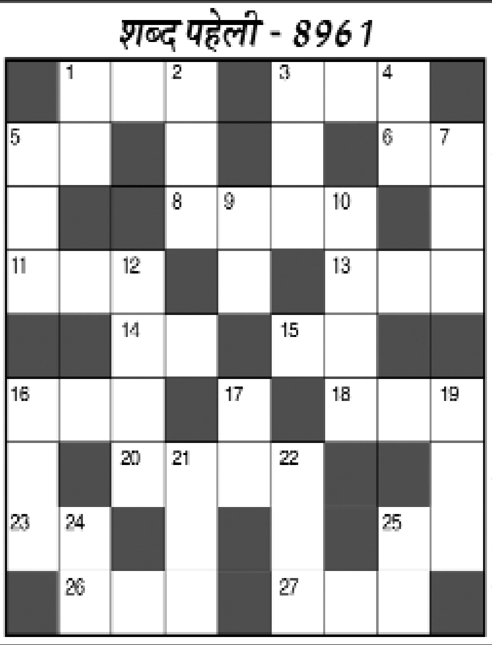

बाएँ से दाएँ

1. ईसा मसीह-3
3. जवान, तरुण-3
5. आकाश, व्योम-2
6. परत, अस्तर-2
8. गर्जना, दहाड़ना-4
11. मदद, आराम-3
13. सुगंध, खुशबू-3
14. धूल, मिट्टी-2
15. छत्तीसगढ़ की राजधानी-2
16. पिता, आविष्कारक-3
18. नस्ल, जाति, प्रजाति-3
20. ओस, रजनीजल-4
23. भीगा हुआ-2
25. बल, ताकत, दम-2
26. तेल या घी में पकाना -3
27. मसाज-3

ऊपर से नीचे

1. रसना, जिव्हा-2
2. सचेत, सावधान-3
3. जरुरत, आवश्यकता-3
4. ऋतु, मौसम-2
5. दृश्य, तमाशा-3
7. कंठ, गला-3
9. रीती, रिवाज-2
10. प्रसिद्ध, नामवर-4
12. तीर रखने का पात्र-4
16. भूमि, धरा-3
17. खदान, माईन-2
19. तरंग, हिलोर-3
21. प्रवाहित करना-3
22. भीड़, समूह-3
24. राय, वोट-2
25. उत्साह, ललक-2

शब्द पहेली -8960 का हल

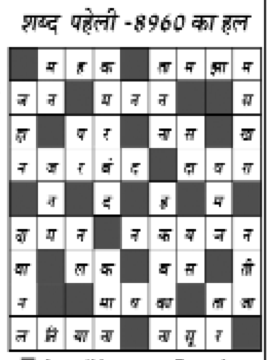

Jagrutidaur.com, Bangalore

बिठली धान खरीदी केंद्र में घोटाला 13.18 लाख की निकली वसूली

विवादित डाटा ऑपरेटर सतीश अजीत दूसरी बार हुए निलंबित

धान खरीदी में शॉर्टेज का मामला

तीन माह में राशि जमा नहीं की तो होगी एफआईआर

बालाघाट।

धान उपार्जन में शॉर्टेज की बड़ी राशि वसूली योग्य पाए जाने तथा प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना और शिकायतों का संतोषप्रद निराकरण नहीं किए जाने के मामले में बिठली समिति से जुड़े विक्रेता/डाटा ऑपरेटर सतीश अजीत को प्रशासकीय कमेटी ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय समिति बिठली निर्धारित किया गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि आगामी तीन माह के भीतर धान शॉर्टेज की पूरी राशि जमा नहीं करने पर उनके खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

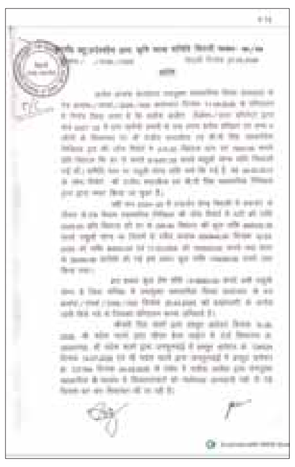

दरअसल, एक विभागीय आदेश पत्र क्रमांक /उपबां/2026/850 दिनांक 11 अगस्त 2026 के परिपालन में जारी निर्णय के अनुसार सतीश अजीत वर्ष 2021-22 में धान खरीदी प्रभारी थे। उस दौरान प्रदीप हरिद्वार एवं अन्य छह लोगों द्वारा की गई शिकायत के आधार पर सहकारिता निरीक्षक राजीव रूपालीया एवं सी.पी. सिंह द्वारा जांच की गई थी। जांच में 419.82 क्विंटल धान का शॉर्टेज पाया गया था। इसकी कीमत 1940 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 8,14,451 रुपये वसूली योग्य निर्धारित की गई थी। आदेश में कहा गया है कि समिति स्तर पर उक्त राशि उनके नामे दर्ज की गई थी। वहीं सत्र 2024-25 में उपार्जन केंद्र बिठली में धान खरीदी के दौरान सहकारिता निरीक्षक के.एस. सैयाम की जांच रिपोर्ट में भी शॉर्टेज सामने आया। जांच के अनुसार 295.84 क्विंटल धान की कमी पाई गई, जिसकी कीमत 2300 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 6,80,432 रुपये वसूली योग्य निर्धारित हुई। इस राशि में से सतीश अजीत द्वारा 12 मार्च 2025 को 40 हजार रुपये, 17 मार्च 2025 को एक लाख रुपये तथा वेतन से 36 हजार रुपये की कटौती के माध्यम से कुल 1.76 लाख रुपये जमा किए गए। लेकिन अब भी दोनों मामलों को मिलाकर 13,18,883 रुपये की राशि वसूली योग्य शेष है।

आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि उपायुक्त सहकारिता जिला बालाघाट के पत्र क्रमांक /उपबां/2026/429 दिनांक 25 अप्रैल 2025 के माध्यम से सतीश अजीत की बर्खास्तगी के आदेश जारी किए जा चुके थे, जिनका पालन करना अनिवार्य बताया गया है। इसके अलावा रीता मातरे के 15 जून 2026 के आवेदन, चंद्रेश मातरे की सीएम हेल्पलाइन शिकायत क्रमांक 39242762, जनसुनवाई आवेदन क्रमांक 726624 दिनांक 14 जुलाई 2026 और आवेदन क्रमांक 737794 दिनांक 4 अगस्त 2026 का भी आदेश में उल्लेख है। इन शिकायतों के संबंध में संतोषप्रद जानकारी उपलब्ध नहीं कराने के कारण बार-बार शिकायतें किए जाने की बात कही गई है।

आदेश के अनुसार 6 दिसंबर 2025 को हुई प्रशासकीय बैठक में सतीश अजीत को उपार्जन मूल्यांकन केंद्र सोनेवानी एवं कावेली के संचालन की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन उन्होंने आदेश का पालन नहीं किया। वहीं चार अन्य कर्मचारियों द्वारा आदेश का पालन करते हुए संबंधित केंद्रों का चार्ज ग्रहण कर लिया गया। इसे प्रशासकीय कमेटी के आदेश की अवहेलना माना गया। इन सभी आरोपों को आधार बनाते हुए प्रशासकीय कमेटी ने सतीश अजीत को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उन्हें कार्यालयीन समय में प्रतिदिन मुख्यालय समिति बिठली में उपस्थित रहना होगा। उन्हें 8,578 रुपये प्रतिमाह जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा, जबकि अनुपस्थित रहने पर नियमानुसार कटौती की जाएगी। आदेश में सतीश अजीत को अपना समस्त कार्यभार दिनेश श्रीवास को तत्काल सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही तकनीकी डाटा में किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या गड़बड़ी पाए जाने पर साइबर क्राइम के तहत एफआईआर दर्ज कराने की चेतावनी दी गई है। जहा उक्त आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। लेकिन विडम्बना का विषय यह है कि तमाम शिकायतों, जांच प्रतिवेदनो और भ्रष्टाचार के आरोप लगने के बाद भी विभाग द्वारा उन्हे समय और सरंक्षण दिया गया है, जो चिंतनीय विषय है। ऐसे में भ्रष्ट कर्मचारियों की तत्काल सेवा समाप्त कर उन्हे न्यायालयीन प्रक्रिया के तहत जेल भेजा जाना चाहियें।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत वन विभाग ने लगाया जनसंवाद एवं समस्या निवारण शिविर

बालाघाट। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान 2026 के अंतर्गत वनमंडल दक्षिण (सा.) बालाघाट द्वारा बालाघाट, हट्टा, किरनापुर एवं खैरलांजी में जनसंवाद एवं समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। वन संरक्षक, वन वृत्त बालाघाट श्री गौरव चौधरी (भा.व.से.) एवं वनमंडलाधिकारी दक्षिण (सा.) बालाघाट श्री नित्यानंदम् एल. (भा.व.से.) के मार्गदर्शन में वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने क्षेत्र का भ्रमण कर ग्रामीणों एवं आमजन से संवाद किया। शिविर में संबंधित वन सुरक्षा समितियों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्य उपस्थित रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं एवं शिकायतों को सुनकर उन्हें दर्ज किया। अभियान के तहत वनमंडल की 35 वन सुरक्षा समितियों के 147 महिला एवं 393 पुरुष, कुल 575 हितग्राही एवं सदस्य शामिल हुए। शिविर में आमजन की ओर से कोई शिकायत अथवा समस्या प्राप्त नहीं हुई। वन विभाग द्वारा मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के माध्यम से आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करने तथा विभागीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

दक्षिण बैहर में स्वास्थ्य व्यवस्था ध्वस्त, मलेरिया बुखार से अब तक 26 मासूमों की मौत

बालाघाट। दक्षिण बैहर क्षेत्र में मलेरिया और मिजल्स का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। चिकित्सकीय सेवाओं के बीच निरंतर मासूम बच्चो की मौत के आंकडे सामने आ रहे है। बीत कल ही बिरसा क्षेत्र की ग्राम पचांयत परसाटोला के बैगाटोला में ढाई साल के हिमांशु मिरावी और मोहनपुर गांव की 10 वर्षीय काजल सैयाम की बुखार और मलेरिया से मौत हो गई। मामले में परिजनों का गंभीर आरोप है कि हिमांशु की मलेरिया रिपोर्ट निगेटिव आई थी, जिसे स्वास्थ विभाग की टीम ने गंभीरता नही लिया और ना ही उसे कोई दवा दी गई, जो एक बडी लापरवाही की वजह बनी और उसने इलाज के अभाव में उसने दम तोड़ दिया। वहीं गोंदिया में इलाज के दौरान काजल सैयान नाम की 11 वर्षीय छात्रा की भी मौत हो गई। इन दो मौतों के बाद पूरे इलाके में दहशत और स्वास्थ्य विभाग में चुनौतियां बढ गई है। पिछले दो महीनों में सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मौतों की संख्या 10 पहुंच चुकी है, जबकि कांग्रेस का दावा है कि यह आंकड़ा 26 बच्चों तक पहुंच गया है।आदिवासी अंचलों में लगातार हो रही मौतों ने क्षेत्र की बदहाल स्वास्थ्य सुविधाओं की पोल खोलकर रख दी है। इन मामले में सरकारी सिस्टम भले ही पर्दा डालने का प्रयास करें, लेकिन वास्तविकता यही है कि बैगां अंचल में सक्रमण अब पूरी तरह नियंत्रण के बाहर हो चुका है।

जिला कांग्रेस सेवादल का ध्वज बंधन कार्यक्रम संपन्न

उमरिया (स्वतंत्र मत)। रविवार 30 अगस्त को आजाद चौक किरनताल में सूर्यबली सिंह के मुख्य अतिथि में ध्वज वंदन कार्यक्रम राजेंद्र महोबिया ब्लॉक अध्यक्ष द्वारा आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम अजय सिंह पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विजय कोल के एवं त्रिभुवन प्रताप सिंह, राजेश शर्मा के मार्गदर्शन में और जिला कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष संतोष सिंह के दिशा निर्देश पर आयोजित हुआ।कार्यक्रम में सर्वप्रथम ध्वज बंधन के पूर्व वंदे मातरम का गायन किया गया फिर मुख्य अतिथि द्वारा ध्वज रोहण किया गया और सलामी देकर ध्वज गीत और

राष्ट्रगान गाया गया। इस अवसर पर मंगल सिंह, किशोर सिंह, शिव शर्मा, दीपक विश्वकर्मा, लाखन सिंह भदौरिया, भोला यादव, रघुनंदन विश्वकर्मा, रेवा प्रसाद महोबिया, गजवीर सिंह भदौरिया, रामनाथ सिंह राठौड़, रामनरेश विश्वकर्मा, ध्यानी पाल, सुरेश बैगा, पंचू बैगा, सम्राट सिंह भदौरिया, आशीष महोबिया, सुमित विश्वकर्मा, सागर विश्वकर्मा, रणवीर सिंह एवं अन्य सभी साथी गण उपस्थित रहे। ध्वज बंधन कार्यक्रम आजाद चौक में आयोजित हुआ गरिमामय तरीके से कार्यक्रम संपन्न हुआ। उपस्थित सेवा दल के साथियों को जिला अध्यक्ष संतोष सिंह ने संबोधित किया और निरंतर सेवा दल को मजबूत किए जाने के लिए मार्गदर्शन दिया।

भीलेवानी में बाघ की दस्तक, गांव तक पहुंचा मूवमेंट

वन विभाग ने मुनादी कर लोगों को जंगल किनारे जाने से रोका

बालाघाट।

कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर जोन में बाघ की दहशत ने एक बार फिर किसानों की मुश्किल बढ़ा दी है। खापा परिक्षेत्र की कुमादेही बीट के परसाटोला-भीलेवानी गांव में पिछले तीन-चार दिनों से बाघ लगातार मूवमेंट कर रहा है। जंगल से निकलकर बाघ के गांव की सीमा तक पहुंचने से ग्रामीणों में भय का माहौल है। यहां सबसे ज्यादा असर किसानों पर पड़ा है। बाघ के डर से किसानों ने खेतों की ओर जाना तक बंद कर दिया है, जिससे खेती-किसानी के काम प्रभावित होने लगे हैं। ग्रामीणों की सूचना के बाद वन विभाग सक्रिय हुआ और परसाटोला, भीलेवानी, कुमादेही, नारना, तलेगांव और पर्रापुर में मुनादी करवाकर लोगों को बाघ के मूवमेंट वाले इलाकों में नहीं जाने की सलाह दी है।

बता दे कि बफर जोन से लगे 21 गांव पहले भी बाघ की मौजूदगी से परेशान रहे हैं। ग्राम मालखेड़ी, पर्रापुर और खापा समेत सात गांवों में करीब एक माह तक आतंक रहा। घाना, खापा और मालखेड़ी में 42 किसानों के खेतों

के जंगल किनारे सोलर फेंसिंग लगाए जाने के बाद वहां स्थिति सुधरी, लेकिन अब बाघ ने परसाटोला-भीलेवानी का रुख कर लिया है। दो दिन पूर्व एक बाघ विचरण करते हुए गांव तक पहुंच गया था। जंगल से खेत और गांव तक बाघ के आने से किसानों का खेत जाना बंद हो गया है। पहले घाना, खापा और मालखेड़ी बाघ का आतंक था, इसलिए 42 किसानों के खेत किनारे सोलर फेंसिंग करानी पड़ी। जिसके चलते बाघ का मूवमेंट कम देखने को मिल रहा है।

कान्हा टाइगर रिजर्व मलाजखंड अनुभाग के एसडीओ सुनील कुमार पंद्रे ने बताया कि बफर जोन, कोर जोन कान्हा से लगा है, जिसकी वजह से यहां के जंगलों में बाघों की संख्या 28-30 तक है। इसके कारण बाघ विचरण करते रहते है और खेत व आबादी तक पहुंच जाते है।

जंगल किनारे खेतों में जहां पर बाघ का मूवमेंट अधिक रहता है वहां के किसानों की मांग के अनुसार सोलर फेंसिंग करवाई जा रही है। हाल ही में मालखेड़ी, घाना व खापा में सोलर फेंसिंग होने से बाघ का मूवमेंट कम हुआ है।

बांधवगढ़ में 181 गाइड्स ने लिया प्रशिक्षण पूर्व मूल्यांकन परीक्षा में सहभागिता

1 सितंबर से प्रारंभ होगा 14 दिवसीय गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम

उमरिया (स्वतंत्र मत)

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पर्यटकों को वन्यजीव अनुभव प्रदाय में गाइड्स की महत्तवपूर्ण भूमिका रहती है। गाइड्स के निरंतर क्षमता-विकास एवं इनके प्रशिक्षण के माध्यम से पर्यटकों को उच्च गुणवत्ता का अनुभव प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम लिया गया है।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक मध्यप्रदेश भोपाल डॉ. समीता राजौरा तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी म.प्र. ईकोपर्यटन विकास बोर्ड श्री एल कृष्णमूर्ति के मार्गदर्शन में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा पर्यटन वर्ष 2026-27 के लिए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के गाइड्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम को अधिक प्रभावी, उपयोगी एवं परिणामोन्मुख बनाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण पूर्व मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण पूर्व मूल्यांकन परीक्षा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, ताला में आयोजित की गई, जिसमें कुल 181 गाइड्स ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

प्रशिक्षण पूर्व मूल्यांकन परीक्षा का प्रमुख उद्देश्य गाइड्स के वर्तमान ज्ञान एवं समझ का प्रारंभिक मूल्यांकन करना तथा आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रम की विषय-वस्तु को उनकी वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप अधिक सटीक, प्रभावशाली एवं व्यावहारिक बनाना है। साथ ही, प्रशिक्षण पूर्व मूल्यांकन परीक्षा के माध्यम से गाइड्स में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की जैव विविधता, वन्यजीव, संरक्षण, पर्यटन प्रबंधन, पर्यटक व्यवहार एवं जिम्मेदार पर्यटन के प्रति जागरूकता और सीखने की भावना को और मजबूत करना है।

प्रशिक्षण पूर्व मूल्यांकन से प्राप्त परिणामों के आधार पर दिनांक 01 सितंबर 2026 से प्रारंभ होने वाले 14 दिवसीय गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 7 बैच (जिसमें एक बैच में लगभग 30 से 35 गाइडस को दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा) में गाइड्स की आवश्यकताओं एवं ज्ञान के स्तर के अनुरूप प्रशिक्षण विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसका उद्देश्य गाइड्स को केवल पर्यटकों को वन्यजीव दिखाने वाले व्यक्ति के रूप में नहीं, बल्कि बांधवगढ़ की प्राकृतिक विरासत के प्रभावी व्याख्याकार एवं संरक्षण के सहभागी के रूप में विकसित करना है।

परीक्षा के सफल आयोजन में परिक्षेत्र अधिकारी पर्यटन अंकित सोनी तथा मानपुर एवं ताला परिक्षेत्र के अधिकारियों एवं वनकर्मियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। परीक्षा आयोजन हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, ताला के प्राचार्य नरेन्द्र सिंह तिवारी के प्रति बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

4 सितंबर को बांधवगढ में कृष्ण जन्माष्टमी पर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु लगाई गई ड्युटी

उमरिया (स्वतंत्र मत)। कृष्ण जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर 4 सितंबर को ताला अंतर्गत बांधवगढ टाईगर रिजर्व क्षेत्र में पार्क के अंदर स्थित बांधवाधीश मंदिर में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी लगने वाले मेले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु अधिकारियों, कर्मचारियों दंडाधिकारियो एवं कर्मचारियों की कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती राखी सहाय ने डयुटी लगाई है।

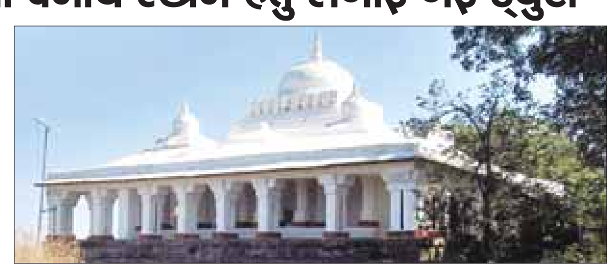

संपूर्ण मेला क्षेत्र के लिए अनुविभागीय अधिकारी एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी मानपुर हरनीत कौर कलसी, राजस्व निरीक्षक बरबसपुर, रायपुर, पटवारी ताला, ताला मेन गेट एवं मेला क्षेत्र ग्राम ताला के लिए डिप्टी कलेक्टर प्रत्युष श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक ताला, मानपुर, अमरपुर, बांधवाधीश मंदिर क्षेत्र के लिए डिप्टी कलेक्टर एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट प्रिया अग्रवाल, राजस्व निरीक्षक नजूल, पटवारी मानपुर, शेष शैया में प्रभारी तहसीलदार एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी पंकज नयन तिवारी, राजस्व निरीक्षक अधीक्षक भू अभिलेख, पटवारी गोवर्दे की डयुटी लगाई है।

उन्होने कहा है कि सभी कार्यपालिक दण्डाधिकारी कर्मचारी मेला के एक दिवस पूर्व मेला स्थल का भ्रमण कर क्षेत्र संचालक, बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व से समन्वय करते हुये आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे एवं मेला दिवस 4 सितंबर को अपने-अपने सौंपे गये ड्यूटी स्थल पर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखते हेतु अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी पी0के0 सेनगुप्ता एवं कलेक्टर को समय-समय पर वस्तुस्थिति से अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है।

सिविल सर्जन उमरिया की सुविधाजनक पहल अब प्रतिदिन जारी होंगे दिव्यांगता प्रमाणपत्र

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

यह अत्यंत सुविधा जनक खबर है की जिला चिकित्सालय उमरिया में जहाँ कि काफी समय से चिकित्सक मानव संसाधन की कमी रही है,इसके बावजूद सिविल सर्जन उमरिया डॉ के सी सोनी द्वारा यह पहल करना अत्यंत सराहनीय है अब हितग्राहियों के दिव्याँगता प्रमाण पत्र प्रतिदिन बनाये जाएँगे ,प्रतिदिन जारी होने से कतार में लगना,लंबे समय तक इंतजार करना इत्यादि समस्याओं से मुक्ति मिलेगी जैसा कि पूर्व में सप्ताह में एक दिन मात्र गुरुवार को ही उक्त प्रमाण पत्र जारी किया जाता था जिसके कारण अत्यधिक भीड़ ,कतार, लंबे समय तक इंतजार करने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता था। निश्चित ही सिविल सर्जन के इस पहल से जिले वासियों को जिन्हें उक्त प्रमाण पत्र चाहने है उनको अवश्य ही लाभ होगा। जिला चिकित्सालय में वर्तमान में अस्थि बाधित, लकवा, सिकल सेल एनीमिया इत्यादि से संबंधित मरीजों के प्रमाण पत्र जारी किए जाते हैं ,उक्त सेवा कार्यालयीन अवकाश दिवस में प्राप्त नहीं होगी। सिविल सर्जन समय समय पर जिला चिकित्सालय के उन्नयन का प्रयास करते रहते हैं,और उन्होंने अपील भी की है की जनमानस उक्त सुविधा से अवगत हों और लाभ प्राप्त करें।

एनएच. 43 किनारे मिला अज्ञात युवक का शव

उमरिया (स्वतंत्रमत)। शनिवार 29 अगस्त को करकेली रोड सिद्ध बाबा चढ़ाईया के पास एक अज्ञात युवक का शव एन एच 43 सड़क के किनारे देखा गया जिसकी सूचना 112 पुलिस को दी गई। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंची और शव की पहचान की जा रही है। शव लगभग चार से पांच दिन पुराना लग रहा है। शरीर में कीड़े लग चुके हैं। पीएम के बाद ही पता चल पाएगा आखिर किन कारणों से युवक की मौत हुई है और कहां का रहने वाला है ऐसी स्थिति में यहां कैसे आया यह पुलिस जांच के बाद मामले का खुलासा हो सकेगा।

बारिश के बाद सड़क बनी कीचड़ का मैदान

उमरिया (स्वतंत्र मत)। जिले के करकेली जनपद पंचायत अंतर्गत मानिकपुर ग्राम पंचायत के कारीगडहरी गांव में सड़क की बदहाली से परेशान ग्रामीणों ने रविवार को अनोखा प्रदर्शन किया। बारिश के बाद कीचड़ से सराबोर सड़क पर ग्रामीणों ने धान के पौधे रोपकर जिम्मेदारों का ध्यान समस्या की ओर आकर्षित किया। ग्रामीणों ने जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार, बारिश के बाद गांव की सड़क की हालत बेहद खराब हो गई है। सड़क पर जगह-जगह कीचड़ जमा होने से पैदल चलना तक मुश्किल है। बुजुर्गों और बच्चों के फिसलकर गिरने का खतरा बना रहता है। दोपहिया वाहन चालक भी आए दिन परेशान हो रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि

सड़क की हालत इतनी खराब है कि अब यहां सड़क कम और खेत ज्यादा नजर आने लगा है। इसी के विरोध में उन्होंने कीचड़ वाली सड़क पर धान के पौधे रोपे। ग्रामीणों का कहना है कि प्रदर्शन का उद्देश्य अधिकारियों तक अपनी समस्या पहुंचाना है, ताकि जल्द सडक का सधार हो सके। ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के दौरान आवागमन सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। उन्होंने मांग की कि सड़क का स्थायी निर्माण जल्द कराया जाए। जब तक सड़क का निर्माण नहीं होता, तब तक बारिश के मौसम में आवागमन के लिए अस्थायी व्यवस्था की जाए, ताकि लोगों को परेशानी न हो। मामले में करकेली जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) प्रेबांशु सिंह ने कहा कि उपयंत्री को मौके पर भेजकर सड़क की स्थिति की जांच कराई जाएगी। वास्तविक स्थिति का आकलन करने के बाद जो भी सुधार संभव होगा, उसे प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सार्वजनिक सूचना

Kanhaa Wilderness Habitats Private Limited द्वारा श्री मोहनलाल छाबड़ा पिता चन्दूलाल से खसरा नं. 49/2(S), रकबा 5.3240 हेक्टेयर, ग्राम छिन्दीटोला, तहसील बिरसा, जिला बालाघाट, म.प्र. की भूमि क्रय किया जाना प्रस्तावित है।

उक्त संपत्ति पर किसी व्यक्ति का अधिकार, स्वत्व, दावा, हित, ग्रहणाधिकार, बंधक, प्रभार, भार अथवा ऋण हो तो संबंधित दस्तावेजों सहित लिखित आपत्ति इस सूचना के प्रकाशन से 14 दिनों के भीतर प्रस्तुत करें, अन्यथा प्रस्तावित क्रय एवं पंजीयन की कार्यवाही की जाएगी तथा बाद में कोई दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा, विधि के अधीन।

Kanhaa Wilderness Habitats Pvt. Ltd. की ओर से

भुवन सेठ

अधिकृत हस्ताक्षरी

ई-मेल : **bhuwanseth@gmail.com**

मोबाइल : +91 98290 56133

वूशु खिलाड़ियों ने दी श्रृद्धांजलि

मण्डला(स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर इंडोर स्टेडियम में वूशु एसोसिएशन द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। वूशु कोच पूर्णिमा रजक के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने सामूहिक रूप से 1000 किक चैलेंज पूरा कर हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को श्रृद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों ने खेल भावना अनुशासन एवं फिट इंडिया का संकल्प लिया। चैलेंज पूर्ण होने के बाद भारत माता की जय का उत्साहपूर्वक नारा लगा कर आयोजन मनाया तथा युवाओं को नियमित खेल और स्वस्थ जीवन अपनाने का संदेश दिया।

कजलिया पर्व में कार्यक्रम

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्र मत)। नंदा समाज द्वारा कजलिया का पर्व बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पर्व के अवसर पर नंदा समाज की ओर से कजलिया की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर डीजे की धुन पर कजलिया की भव्य विसर्जन यात्रा निकाली गई। विसर्जन यात्रा में नंदा समाज के अध्यक्ष बद्री नंदा समिति अध्यक्ष दिलीप नंदा नंदा समाज सरपंच बिरजू नंदा और सामाजिक कोटवार टीकाराम नंदा सहित समाज के अनेक लोग शामिल हुए।।

अंजली मिश्रा का निधन

मण्डला(स्वतंत्र मत)। बिनैका निवासी प्रवीण मिश्रा की धर्मपत्नि श्रीमति अंजली मिश्रा का शुक्रवार की रात आकस्मिक निधन हो गया वे पिछले 3-4 दिनों से बीमार चल रही थी जिनका उपचार जिला चिकित्सालय उसके बाद एक निजी नर्सिंग होम में कराया गया और जब बीमारी से कोई राहत नहीं मिली तो उन्हें कटरा अस्पताल में भी भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान शुक्रवार की रात उनका निधन हो गया श्रीमति अंजली मिश्रा समाज सेवा कार्यो में हमेंशा अग्रणी रही हैं उन्होंने महिलाओं को संगठित किया वे बिनैका ग्राम संगठन की अध्यक्ष रही हैं महिला स्व-सहायता समूह जिला मण्डला सीएलएफ की ब्लॉक अध्यक्ष भी रही हैं।

नेपाल आपदा पर हेल्पलाइन नंबर

मण्डला(स्वतंत्र मत)। नेपाल-तिब्बत सीमा क्षेत्र में 26 अगस्त को फ्लैश फ्लड एवं भूस्खलन की गंभीर प्राकृतिक आपदा की सूचना के बाद जिला प्रशासन ने जिले के नागरिकों से आवश्यक जानकारी साझा करने अपील की है। जिला प्रशासन ने कहा है कि यदि जिले का कोई व्यक्ति अथवा समूह वर्तमान में नेपाल या तिब्बत क्षेत्र में यात्रा पर है अथवा हाल ही में वहां गया है तो उसके परिजन उसकी जानकारी तत्काल जिला प्रशासन के नियंत्रण कक्ष को उपलब्ध कराएं। परिजन यात्रियों की वर्तमान स्थिति संपर्क नंबर एवं स्थान की जानकारी प्रशासन तक पहुंचाएं ताकि आवश्यकता पड़ने पर संबंधित एजेंसियों के माध्यम से सहायता एवं समन्वय किया जा सके। जिला नियंत्रण कक्ष मंडला दूरभाष 07642-251079 है।

सम्मान समारोह 1 को

मण्डला(स्वतंत्र मत)। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा 2026 में 75 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन 1 सितंबर को किया जाएगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम दोपहर 3 बजे कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर, मिंटो हॉल भोपाल में मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगा।

हर घर में कोई न कोई बीमार, 18 साल के युवक की मौत के बाद जागा स्वास्थ्य विभाग जिले में तेजी से फैल रहा फेल्सीफेरम मलेरिया

मण्डला(स्वतंत्र मत)

जिले में मलेरिया का खतरा लगातार बढ़ रहा है। हालात की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि फेल्सीफेरम मलेरिया से एक 18 वर्षीय युवक की मौत हो चुकी है जबकि जिले में अब तक करीब 40 मरीजों में मलेरिया की पुष्टि हो चुकी है। युवक की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया है। अब विभाग गांवों में घर-घर पहुंचकर जांच करने मरीजों का इलाज करने और मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में फॉगिंग व दवाओं का छिड़काव कराने की बात कह रहा है। सवाल यह है कि आखिर एक युवक की मौत के बाद ही विभाग की सक्रियता क्यों दिखाई दी जिले में लगातार मलेरिया के मरीज सामने आ रहे थे हॉटस्पॉट क्षेत्र पहले से चिन्हित थे इसके बावजूद रोकथाम और निगरानी के इंतजाम कितने प्रभावी थे इस पर सवाल उठना तय है। अब स्वास्थ्य विभाग ने जांच का दायरा बढ़ाने और निजी अस्पतालों व लैब से भी मरीजों की जानकारी जुटाने का फैसला किया है। खारी बबलिया माल क्षेत्र के साजपानी गांव निवासी राहुल यादव उम्र 18 वर्ष रक्षाबंधन के मौके पर उज्जैन से अपने घर आया था। घर पहुंचने के बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। हालत गंभीर होने पर परिजन उसे इलाज के लिए मंडला के कटरा अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन तब तक उसकी स्थिति काफी नाजुक हो चुकी थी। जांच में युवक को फेल्सीफेरम मलेरिया होने की पुष्टि हुई। अस्पताल में आईसीयू में भर्ती कर उसका उपचार शुरू किया गया लेकिन डॉक्टर उसे बचा नहीं सके।

लापरवाही के चलते बढ़ रहे मरीज

जिले में मलेरिया कोई नई बीमारी नहीं है। कई ग्रामीण और वन क्षेत्रों में हर साल मलेरिया के मामले सामने आते रहे हैं। इसके बावजूद युवक की मौत के बाद अचानक घर-घर जांच फॉगिंग निजी अस्पतालों से डेटा और कोर टीम बनाने जैसी गतिविधियां तेज होना व्यवस्था की तैयारियों पर सवाल खड़े करता है। यदि जिले में पहले से मलेरिया हॉटस्पॉट चिन्हित थे तो वहां नियमित जांच दवाओं का छिड़काव और मच्छर नियंत्रण के इंतजाम कितने प्रभावी थे क्या सभी संदिग्ध मरीजों की समय पर जांच हो रही थी क्या दूरस्थ गांवों तक जांच और इलाज की सुविधा पर्याप्त रूप से पहुंच रही थी युवक की मौत के बाद इन सवालों पर स्वास्थ्य विभाग को जवाब देना होगा।

युवक की मौत के बाद टीम गांव में -युवक की मौत की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया। जिस साजपानी गांव में राहुल रहता था वहां स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजी गई है। अब गांव में घर-घर जाकर लोगों की मलेरिया जांच की जा रही है। विभाग का कहना है कि सिर्फ संदिग्ध मरीजों की जांच नहीं होगी बल्कि गांव के लोगों की स्वास्थ्य स्थिति पर नजर रखी जाएगी ताकि संक्रमण फैलने से पहले मरीजों की पहचान की जा सके। सीएमएचओ डॉ. डी.जे. मोहंती ने बताया कि बीएमओ नारायणगंज और मलेरिया विभाग की संयुक्त टीम गांव में पहुंचकर लोगों की जांच करेगी। टीम बुखार से पीड़ित लोगों की पहचान करेगी और जरूरत पड़ने पर जांच कर तत्काल उपचार शुरू किया जाएगा।

अस्पतालों से ले रहे जानकारी

मलेरिया के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अब निगरानी का दायरा बढ़ाने का फैसला किया है। पहले सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों से मरीजों की जानकारी जुटाई जा रही थी लेकिन अब निजी अस्पतालों क्लीनिकों और पैथोलॉजी लैब से भी मरीजों का डेटा लिया जाएगा। सीएमएचओ के अनुसार ब्लॉक स्तर पर उल्टी-दस्त और मलेरिया के मरीजों की जानकारी रोजाना जुटाई जा रही है। अब निजी संस्थानों को भी निगरानी व्यवस्था में शामिल किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिले में मलेरिया की जांच के लिए लगातार स्लाइड तैयार की जा रही हैं। अब तक करीब 40 मरीजों में मलेरिया की पुष्टि हो चुकी है। इन सभी मरीजों का उपचार जारी है। विभाग का दावा है कि मरीजों को समय पर इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है और संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य टीमों को सक्रिय किया गया है। जिले में पहले से चिन्हित मलेरिया हॉटस्पॉट क्षेत्रों पर भी निगरानी बढ़ाई गई है। इन इलाकों में स्वास्थ्य कर्मचारी लोगों की जांच करने के साथ ही मलेरिया के लक्षणों के प्रति जागरूक कर रहे हैं। विभाग की चिंता इस बात को लेकर भी है कि बारिश और जलभराव के कारण मच्छरों का प्रजनन तेजी से बढ़ सकता है, जिससे आने वाले दिनों में मरीजों की संख्या और बढ़ने की आशंका है।

बुखार को न माने सामान्य

स्वास्थ्य विभाग ने जिलेवासियों से अपील की है कि बुखार होने पर घरेलू इलाज या लापरवाही के भरोसे न रहें। नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर तुरंत मलेरिया की जांच कराएं। घर और आसपास पानी जमा न होने दें, मच्छरदानी का उपयोग करें और रात के समय मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाएं। जिले में 18 वर्षीय युवक की मौत ने मलेरिया के खतरे को एक बार फिर सामने ला दिया है।

कजलियां प्रतिभागियों को मिला पुरूस्कार

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्र मत)। नई फसल का प्रतीक पर्व कजलियां पूरे उत्साह से मनाया गया। नागपंचमी के आसपास बांस की टोकरी में गेहूं बोकर रक्षाबंधन तक इसकी देखभाल की जाती है उगने वाले हर पौधे को नई फसल और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। जंतीपुर हनुमान मंदिर प्रांगण में प्रतिवर्ष सभी कजलियां को टोकरी को मंदिर प्रांगण में एकत्रित किया जाता है फिर वहां जिसकी सबसे अच्छी कजलियां फसल होती है उसे नगद राशि से पुरस्कृत किया जाता है इस वर्ष नगर परिषद के उपाध्यक्ष रानू रणवीर सिंह राजपूत ने अपनी ओर से कजलियां प्रतिभागियों को पुरूस्कत किया है प्रथम स्थान सुमन यादव, द्वितीय स्थान पुष्पा राजपूत तृतीय मधु यादव और अर्चना को मिला। सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही। प्रकाश साहू, दान सिंह ठाकुर, योगेश यादव, पी एल दीक्षित, राजेन्द्र कुमार साहू, अश्विनी महाराज, उपेंद्र चौबे, नानु पंडोले हरि विश्वकर्मा,आजाद चौबे कपिल नंदा आदि की उपस्थित रही।

सेवा बहाली को लेकर मोबिलाइजरो का भोपाल में धरना

मण्डला(स्वतंत्र मत)। रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के अटूट प्रेम विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। लेकिन इस बार मध्यप्रदेश के 20 जिला 89 विकास खंड 5200 ग्राम पंचायतों की 5000 पेसा मोबिलाइजर लाड़ली बहना कर्मचारी बहनों ने यह पर्व अपने परिवार और भाइयों से दूर भोपाल की धरती पर संघर्ष करते हुए मनाया। भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले पंचायत ग्राम सभा पेसा मोबिलाइजर कर्मचारी संघ मध्यप्रदेश का अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन जारी है। सेवा बहाली और रोजगार सुरक्षा की मांग को लेकर हजारों कर्मचारी बहनें भारी बारिश कीचड़ और कठिन परिस्थितियों के बीच डटी हुई हैं। आंदोलनकारी बहनों ने रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री को राखी बंधवाने और अपनी समस्याओं पर चर्चा करने हेतु आमंत्रित किया था। बहनों का कहना है कि वे मुख्यमंत्री को अपना बड़ा भाई मानकर न्याय की उम्मीद लगाए बैठी हैं। लेकिन आंदोलनकारियों के अनुसार अभी तक उनकी मांगों पर कोई ठोस पहल या संवाद नहीं हो पाया है जिससे बहनों में निराशा और नाराजगी बढ़ती जा रही है।

भीगते हुए कीचड़ में बैठकर और कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए भी वे अपनी मांगों को लेकर अडिग हैं। आंदोलनकारियों का कहना है कि पांच वर्षों तक गांव-गांव में शासन की योजनाओं को सफल बनाने के लिए उन्होंने कार्य किया लेकिन आज अपनी ही समस्याओं के समाधान के लिए उन्हें सड़क पर बैठना पड़ रहा है। रक्षाबंधन के दिन आंदोलनकारी बहनों ने भोपाल में तैनात पुलिस अधिकारियों और जवानों को राखी बांधकर भाई-बहन के रिश्ते का सम्मान किया। बहनों ने देश और समाज की सुरक्षा में लगे पुलिस बल के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री हम भी आपकी बहनें हैं। मंचों से हमें लाड़ली बहन कहा जाता है लेकिन आज जब हम न्याय की उम्मीद में भोपाल में बैठे हैं तो हमारी आवाज भी सुनी जाए। हमारी समस्याओं का समाधान कर हमें न्याय दीजिए। पेसा मोबिलाइजर कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री और राज्य सरकार से आग्रह किया है कि आंदोलनरत कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर शीघ्र संवाद स्थापित किया जाए और मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया जाए।

अखंड रामायण का हुआ समापन

मण्डला(स्वतंत्र मत)। ग्राम लिंगा माल में प्रतिवर्षानुसार पूरे श्रावण माह में निरंतर अखंड रामचरित मानस रामायण पाठ का पाठन किया गया। ग्राम के उपसरपंच उमाशंकर झारिया ने बताया कि पूर्व वाहिनी मां नर्मदा मैया के तट ब्रम्हलीन श्री श्री त्यागी जी महाराज फट्टी वाले जी की जन्मस्थली मां दुर्गा मंदिर लिंगा माल में विगत कई वर्षों से सावन माह में अखंड रामायण का आयोजन किया जाता है जिसकी पूर्ण आहुति रविवार को कन्या भोजन एवं भंडारा महाप्रसाद के साथ रामायण पाठ समापन से हुई। इस धर्मगंगा में मां दुर्गा सेवा समिति, मां नर्मदा महिला मंडल, नवयुवक कला मंडल एवं माताएं बहनें समस्त ग्रामवासियों का तन-मन-धन से सहयोग प्राप्त हुआ है। समापन अवसर पर समस्त संत महात्मा, श्रृद्धालुओं धर्म प्रेमी एवं आप-पास के ग्रामवासी पहुंचे।

एक माह तक गूंजा श्रीरामचरितमानस का पाठ, हवन-पूजन के साथ हुआ भव्य समापन

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

श्रावण मास के पावन अवसर पर नगर के श्री हनुमान गढ़ी मंदिर परिसर में विगत एक माह से चल रहे अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का रविवार को विधि-विधानपूर्वक भव्य समापन हुआ। समापन अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा। बड़ी संख्या में नगर के श्रद्धालु धार्मिक अनुष्ठान में शामिल हुए।

समापन के अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन-अर्चन एवं हवन संपन्न कराया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम एवं हनुमान जी का पूजन कर नगर और क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं मंगल की कामना की। हवन पूर्णाहुति के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया गया।

एक माह तक चला अखंड पाठ

श्रावण मास के प्रारंभ से ही हनुमान गढ़ी मंदिर परिसर में अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का आयोजन किया जा रहा था। पूरे माह श्रद्धालुओं ने अपनी सहभागिता निभाते हुए मानस पाठ में हिस्सा लिया। प्रतिदिन मंदिर परिसर में धार्मिक वातावरण बना रहा। समापन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन की भव्यता बढ़ा दी।

बम्हनी स्टेशन बदहाल यात्री परेशान

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्र मत)

रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर बम्हनी बंजर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की अप्रत्याशित भीड़ दर्ज की गई। नैनपुर-मंडला फोर्ट रेल खंड पर पर्व के चलते बहनों और आम यात्रियों की भारी आवाजाही रही लेकिन रेल प्रशासन की बदइंतजमी और सीमित संसाधनों के कारण यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। रक्षाबंधन की भारी भीड़ के बावजूद मंडला फोर्ट-छिंदवाड़ा पैसेंजर और मंडला फोर्ट-जबलपुर पैसेंजर ट्रेनों में अतिरिक्त सामान्य कोच नहीं जोड़े गए, जिससे यात्री जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर हुए। बम्हनी बंजर स्टेशन पर अनारक्षित टिकट रोल खत्म हो जाने से कई गांवों के लिए टिकटें नहीं मिल सकीं जिससे दूर-दराज से आए यात्री परेशान रहे। स्टेशन पर क्रॉसिंग लाइन न होने से ट्रेनों का सुचारू संचालन प्रभावित हो रहा है। ऐतिहासिक विरासत और बम्हनी बंजर के पुनर्विकास की ठोस मांग रेल एक्टिविस्ट नितिन सोलंकी ने स्टेशन की वर्तमान स्थिति और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा है कि बम्हनी बंजर की मूल समस्याओं और इसकी क्षमता को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। मांग है कि बम्हनी बंजर को सीमित हाल्ट की जगह पूर्ण विकसित रेलवे स्टेशन बनाया जाए। यहां दो पर्याप्त लंबाई वाले हाई-लेवल प्लेटफॉर्म पक्का शेड पेयजल शौचालय रोशनी और यूटीएस टिकट काउंटर की स्थायी व्यवस्था की जाए।

मेजर ध्यानचंद जयंती पर एकदिवसीय फुटबॉल मैच आयोजित

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

हॉकी के जादूगर एवं महान भारतीय खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती तथा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर नैनपुर खेल एवं जन कल्याण समिति के तत्वावधान में एकदिवसीय फुटबॉल मैत्री मैच का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के साथ उनमें अनुशासन, टीम भावना और खेल भावना को बढ़ावा देना रहा। मैच में नैनपुर की चार टीमों न्यू 11, न्यू स्टार, जय मां शारदा एवं धनोरा ने सहभागिता की। खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह, जोश और खेल भावना के साथ मैदान पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मैच के दौरान खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला, जिसका खेल प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक आनंद लिया। मैच में रेफरी की भूमिका पवन नंदा, आनंद नंदा एवं जलाल खान ने निभाई। आयोजन के दौरान बड़ी संख्या में खेल प्रेमियों की मौजूदगी ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में प्रदीप समुद्रे, अजित चौधरी, डाही ओज ठाकुर (पीटीआई), सत्येंद्र तिवारी, श्रीष माहुले, नितिन ठाकुर (पार्षद), मोहित झारिया (पार्षद), गोलू जैन, दिनेश श्रीवास्तव, शंकर दयाल वाजपेयी, राजेश ठाकुर, मयंक खंडेलवाल, ओमप्रकाश गेमनानी, राजा ठाकुर एवं राजू विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, एकता, आत्मविश्वास और खेल भावना का भी विकास होता है। मेजर ध्यानचंद का खेल के प्रति समर्पण और देश के लिए उनका योगदान सदैव युवाओं को प्रेरणा देता रहेगा। नैनपुर खेल एवं जल कल्याण समिति ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, खिलाड़ियों, रेफरी एवं खेलप्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समिति ने कहा कि नैनपुर में खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन निरंतर किए जाएंगे।

संपादकीय

चर्चा में चंपत की डायरी

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और राम मंदिर निर्माण समिति के बीच तल्खी अब सिर्फ चर्चाओं तक सीमित नहीं रह गई है। राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय की ओर से लिखी गई एक गोपनीय डायरी में राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र की भूमिका और उनके हालिया बयानों को लेकर कई सवाल उठाए गए हैं। चंपत राय ने 18 जून से शुरू हुए नृपेंद्र मिश्र के टीवी साक्षात्कारों, उनके बयानों में आए बदलाव, संतों की प्रतिक्रियाओं, मंदिर को व्यवस्थाओं को लेकर उनके अधिकार और ट्रस्ट की बैठक में उनकी गैरमौजूदगी से जुड़े घटनाक्रम का सिलसिलेवार उल्लेख किया है। डायरी के अनुसार, चढ़ावा चोरी प्रकरण के कुछ दिन बाद संतों ने चंपत राय से पूछा कि क्या नृपेंद्र मिश्र खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं? चंपत राय ने डायरी में लिखा कि उस समय उनके पास इस सवाल का कोई उत्तर नहीं था। डायरी के अनुसार, 18 जून से नृपेंद्र मिश्र ने दिल्ली में टेलीविजन चैनलों को साक्षात्कार देना शुरू किया और चार दिनों में करीब 14 चैनलों से बातचीत की। शुरुआत में नृपेंद्र मिश्र यह कहते थे कि उनकी जिम्मेदारी मंदिर के निर्माण कार्य तक सीमित है, लेकिन बाद में उनके बयानों की भाषा बदल गई। नृपेंद्र मिश्र ने चोरी के लिए 'डकैती' शब्द का इस्तेमाल किया। चंपत राय ने डायरी में लिखा कि, इस तरह के बयानों से समाज में खराब संदेश गया। इसके बाद 23 जून से नृपेंद्र मिश्र के सार्वजनिक वक्तव्य अचानक बंद हो गए। डायरी में इस पर सवाल उठाते हुए लिखा गया है कि कारण जरूर खोजना होगा? वहीं, ट्रस्ट और समिति के बीच बढ़ती दूरी का असर अब औपचारिक बैठकों में साफ दिखाई देने लगा है। चढ़ावा चोरी की घटना के बाद ट्रस्ट की हुई दो बैठकों से निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र की गैरमौजूदगी और दूसरी ओर निर्माण समिति की जुलाई तथा 19 से 21 अगस्त तक हुई बैठकों से ट्रस्ट के किसी पदाधिकारी की दूरी ने नए सवाल खड़े कर दिए हैं। पहले जहां निर्माण समिति की बैठकों में ट्रस्ट की ओर से पूर्व महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र और निर्माण प्रभारी गोपाल राव की मौजूदगी नियमित मानी जाती थी, वहीं अब यह प्रतिनिधित्व पूरी तरह गायब है। चंपत राय और अनिल मिश्र के पद से हटने के बाद ट्रस्ट की ओर से निर्माण समिति की बैठकों में किसी पदाधिकारी की मौजूदगी न होना घटनाक्रम को और गंभीर बना रहा है। तमाम घटनाक्रम को लेकर चंपत राय ने एक पत्र भी लिखा था जिसके सामने आने के बाद ट्रस्ट और निर्माण समिति के बीच कथित दरार को लेकर चर्चाएं और तेज हो गईं। हालांकि नृपेंद्र मिश्र ने पत्र को मनगढ़ंत बताते हुए कहा कि उन्होंने ऐसा कोई पत्र देखा ही नहीं है। उन्होंने इसे माहौल खराब करने की कोशिश करार दिया। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि ट्रस्ट और निर्माण समिति के बीच सब कुछ सामान्य है तो दोनों पक्षों की लगातार बैठकों में एक-दूसरे का प्रतिनिधित्व क्यों नहीं दिख रहा? क्या यह केवल कार्यक्षेत्र के बंटवारे का मामला है या चढ़ावा चोरी प्रकरण के बाद दोनों के बीच अधिकार और जिम्मेदारियों को लेकर खींचतान बढ़ी है? श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व लेखा प्रभारी ने ट्रस्ट की कार्यप्रणाली और चढ़ावे से जुड़ी कथित अनियमितताओं को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय समेत कई अधिकारियों को शिकायत भेजी है। 16 अगस्त को भेजी गई शिकायत में उन्होंने 18 अगस्त को ट्रस्ट को सौंपी गई एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट, पूर्व महासचिव चंपत राय की भूमिका और पूर्व में उनके ओर से की गई शिकायत पर कार्रवाई की जानकारी मांगी है। शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि यदि उनकी शिकायत पर कार्रवाई की गई होती तो तत्कालीन ट्रस्ट महासचिव चंपत राय को 'क्लीन चिट' नहीं मिल सकती थी।

भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा

आर्थिक निवेश, सांस्कृतिक कूटनीति और वैश्विक संघ नेटवर्क का विस्तार

अशोक भाटिया

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा समकालीन वैश्विक परिदृश्य, भारत-अमेरिका संबंधों के रणनीतिक भविष्य और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सांस्कृतिक कूटनीति की बदलती दिशा के दृष्टिकोण से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटनाक्रम है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित इस वैश्विक संपर्क कार्यक्रम का उद्देश्य केवल प्रवासी भारतीयों से संवाद करना मात्र नहीं है, बल्कि यह उभरती हुई वैश्विक व्यवस्था में भारत की वैचारिक, दार्शनिक और आर्थिक ताकत को एक साथ रेखांकित करने का एक सुनियोजित प्रयास है। अगस्त 2026 में हो रही इस उच्च-स्तरीय यात्रा के बहुआयामी प्रभाव हैं, जो पारंपरिक कूटनीति के दायरों से बहुत आगे निकल जाते हैं। इस दौरे के प्रभाव को मुख्य रूप से तीन बड़े स्तंभों के माध्यम से समझा जा सकता है, जिसमें पहला अमेरिकी कॉर्पोरेट जगत के दिग्गजों और उद्यम पूंजीपतियों के साथ भविष्य की तकनीकों पर हुआ गंभीर आर्थिक विमर्श है, दूसरा वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में भारतीय प्रवासियों का ऐतिहासिक सांस्कृतिक समागम है, और तीसरा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस यात्रा को लेकर पैदा हुए वैचारिक अंतर्विरोध और तीखे राजनीतिक विरोध प्रदर्शन हैं। इन सभी पहलुओं का एक साथ मिलकर विश्लेषण यह स्पष्ट करता है कि आधुनिक भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने वाला यह संगठन अब वैश्विक स्तर पर देश की छवि, नीतियों और अंतरराष्ट्रीय विमर्श को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार अपनी रणनीतियों का विस्तार कर रहा है।

इस पूरी यात्रा का सबसे पहला और आर्थिक रूप से अत्यंत व्यावहारिक पड़ाव न्यूयॉर्क में वैश्विक कॉर्पोरेट जगत के शीर्ष अधिकारियों, नीति-निर्माताओं और उद्यम पूंजीपतियों के साथ आयोजित एक विशेष गोलमेज बैठक थी। इस संवाद के दौरान पारंपरिक द्विपक्षीय व्यापार के स्थापित ढांचों से आगे बढ़कर पूरी तरह से भविष्य की उन्नत प्रौद्योगिकियों यानी डीप-टेक पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस उच्च-स्तरीय बैठक में दूरसंचार क्षेत्र के आधुनिकीकरण, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में निजी निवेश की संभावनाओं, स्वच्छ ऊर्जा के वैश्विक लक्ष्यों और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक विधाओं में भारत-अमेरिका के बीच सहयोग पर गहराई से विमर्श हुआ। डॉ. मोहन भागवत ने वैश्विक निवेशकों के सामने भारत को एक विश्वसनीय, लोकतांत्रिक, कानून सम्मत और विकासोन्मुख वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में मजबूती से प्रस्तुत किया। इस चर्चा के दौरान अमेरिकी निवेशकों ने भारत के विशाल बाजार और उसकी बढ़ती आर्थिक क्षमता की सराहना तो की, लेकिन साथ ही उन्होंने राय स्तर पर आने वाली प्रशासनिक और विनियामक बाधाओं पर अपनी व्यावहारिक चिंताएं भी साझा कीं। निवेशकों का मुख्य तर्क यह था कि यदि भारत को चीन के एक मजबूत और सुरक्षित विकल्प के रूप में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के केंद्र में आना है, तो भूमि अधिग्रहण, जटिल कर संरचनाओं और स्थानीय स्तर पर फैक्ट्रियां स्थापित करने से जुड़ी प्रक्रियाओं को और अधिक सरल व पारदर्शी बनाना होगा, ताकि प्रशासनिक देरी के बिना निवेश धरातल पर उतर सके। इसी बैठक में सिलिकॉन वैली की जानी-मानी निवेश भागीदार आशा जडेजा मोटवानी जैसी हस्तियों ने भागवत के इस विचार का पुरजोर समर्थन किया कि भारत की युवा जनसांख्यिकी आज दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है, और भारतीय युवा न केवल अपने देश के विकास के इंजन हैं बल्कि वे पूरी दुनिया में सकारात्मक और तकनीकी बदलावों के सबसे बड़े संवाहक बनकर उभर रहे हैं।

इस तीन दिवसीय दौरे का दूसरा और दृश्य रूप से सबसे भव्य पहलू न्यूयॉर्क के ऐतिहासिक और दुनिया भर में प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित होने वाला यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन है। रक्षाबंधन के पावन सांस्कृतिक अवसर पर आयोजित होने वाले इस विशाल समागम में पूरे अमेरिका महाद्वीप से 5,000 से अधिक विशिष्ट भारतीय प्रवासियों और सैकड़ों सांस्कृतिक, दार्शनिक व आध्यात्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई। इस भव्य आयोजन के पीछे बहुत गहरे भू-राजनीतिक और सामाजिक निहितार्थ छिपे हुए हैं, क्योंकि इस पूरे उत्सव का मूल दर्शन भारतीय संस्कृति के कालजयी विचार वसुधैव कुटुंबकम यानी पूरी दुनिया एक परिवार है, के सार्वभौमिक सिद्धांत पर आधारित है। ऐसे दौर में जब पूरा विश्व भू-राजनीतिक संघर्षों, युद्धों, वैचारिक ध्रुवीकरण और गंभीर जलवायु संकटों से जूझ रहा है, मैडिसन स्क्वायर गार्डन जैसे अत्यधिक प्रभावशाली पश्चिमी मंच से सर्वसमावेशी, बहुसांस्कृतिक और अंतर्धार्मिक एकता का संदेश देना भारत की उस विश्व-मित्र वाली छवि को वैश्विक जनमानस में स्थापित करता है जो सभी के कल्याण की कामना करती है। यह आयोजन अमेरिकी समाज, वहां की अर्थव्यवस्था, विज्ञान और राजनीति में शीर्ष पदों पर आसीन भारतीय प्रवासियों की एकजुटता और उनकी जनसांख्यिकीय व आर्थिक शक्ति का भी एक बहुत बड़ा प्रदर्शन है , जिसकी उपेक्षा कोई भी अमेरिकी सरकार या नीति-निर्माता नहीं कर सकता। इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम के माध्यम से संघ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने खिलाफ बने पुराने नैरेटिव को तोड़ने और पश्चिमी दुनिया के सामने खुद को एक वैश्विक, समावेशी और परोपकारी दार्शनिक आंदोलन के रूप में पेश करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहा है।

इस ऐतिहासिक यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी आयाम प्रवासी भारतीयों के बीच संघ की अंतरराष्ट्रीय शाखाओं, विशेष रूप से हिंदू स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों पर पड़ने वाला प्रभाव है। डॉ. भागवत की इस उपस्थिति ने अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय देशों में सक्रिय एचएसएस के नेटवर्क को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है। भारत से बाहर रहने वाले हिंदुओं को अपनी संस्कृति, जड़ों और मूल्यों से जोड़े रखने में हिंदू स्वयंसेवक संघ दशकों से मूक भाव से काम कर रहा है, लेकिन इस स्तर के शीर्ष नेतृत्व के प्रवास ने इन गतिविधियों को मुख्यधारा की वैश्विक चर्चा में ला खड़ा किया है। इस यात्रा के बाद विदेशों में चल रही संघ की साप्ताहिक और मासिक बालगोकुलम जैसी गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है, जहां प्रवासी परिवारों की नई पीढ़ी को भारतीय दर्शन, योग और नेतृत्व क्षमता के संस्कार दिए जाते हैं। एचएसएस के माध्यम से प्रवासी भारतीय केवल सांस्कृतिक रूप से ही संगठित नहीं हो रहे हैं, वे अमेरिकी समाज में परोपकार, आपदा प्रबंधन और स्थानीय सामुदायिक सेवा के कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। संघ प्रमुख ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि विदेशों में रहने वाले स्वयंसेवकों का यह दायित्व है कि वे अपनी कर्मभूमि के प्रति पूरी तरह वफादार और अनुशासित रहते हुए अपनी मातृभूमि (भारत) के सांस्कृतिक गौरव को अक्षुण्ण रखें। यह रणनीतिक मार्गदर्शन आने वाले समय में पश्चिमी देशों में भारतीय प्रवासियों को एक ऐसे सुदृढ़ सामाजिक समूह के रूप में स्थापित करेगा, जो वैश्विक स्तर पर भारत विरोधी दुष्प्रचार का मुकाबला करने और भारत के पक्ष में एक सकारात्मक जनमत तैयार करने में अधिक सक्षम होगा।

सकारात्मक आर्थिक संवाद और सांस्कृतिक महाकुंभ के समानांतर, इस यात्रा का वह अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विवाद और विरोध प्रदर्शन भी एक अनिवार्य पहलू है जिसने न्यूयॉर्क की राजनीति को गरमाए रखा। डॉ. भागवत की इस हाई-प्रोफाइल उपस्थिति का अमेरिकी मानवाधिकार लॉबी, कुछ नागरिक अधिकार संगठनों और स्थानीय राजनेताओं द्वारा तीखा विरोध किया गया है। उदाहरण के तौर पर, न्यू यॉर्क शहर के पहले भारतीय-अमेरिकी मेयर ज़ोहरान ममदानी ने सार्वजनिक रूप से इस आयोजन संघ की विचारधारा पर अपनी गहरी वैचारिक असहमति व्यक्त की, हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह एक निजी संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम है, इसलिए नगर प्रशासन के पास इसे रोकने का कोई विधिक आधार नहीं है। इसके साथ ही हिंदूस फॉर और इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल जैसे कई मुखर संगठनों ने न्यू यॉर्क सिटी हॉल के बाहर डिजिटल मंचों पर व्यापक विरोध अभियान चलाए, जिनका यह आरोप था कि संघ का मूल वैचारिक दर्शन भारत के बहुलवादी ढांचे को प्रभावित करता है, इस तरह के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित मंचों पर संघ प्रमुख को स्थान मिलने से संगठन को वह वैश्विक वैधता और प्रतिष्ठा प्राप्त होती है जिसके वे विरोधी हैं। इस पूरे विवाद को तब और राजनीतिक हवा मिली जब अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग की पुरानी आलोचनात्मक रिपोर्टों का हवाला देकर विरोधी समूहों ने वीज़ा और सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर अमेरिकी प्रशासन पर दबाव बनाने का प्रयास किया, जिसे भारत के विदेश मंत्रालय ने हमेशा की तरह पूरी तरह से पूर्वाग्रह से ग्रसित और पक्षपातपूर्ण मानकर खारिज कर दिया। इन तीखे विरोधों, तकनीकी चुनौतियों और सुरक्षा चिंताओं के बावजूद, इस यात्रा की निर्बाध निरंतरता और इसे मिल रहा भारी समर्थन यह अकाट्य रूप से सिद्ध करता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आज वैश्विक विमर्श और अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीति के केंद्र में एक ऐसी अपरिहार्य शक्ति बन चुका है, जिसे अब वैश्विक मंचों पर नजरअंदाज कर पाना संभव नहीं है।

भागवत की यह न्यूयॉर्क यात्रा केवल एक पारंपरिक प्रवास नहीं है, बल्कि यह भविष्य के भारत-अमेरिका संबंधों के इतिहास में एक नया वैचारिक और रणनीतिक अध्याय जोड़ने वाली घटना है। जहाँ एक तरफ इस यात्रा ने अमेरिकी कॉर्पोरेट जगत के साथ सीधा संवाद स्थापित करके भारत में भविष्य की उन्नत तकनीकों और सुरक्षित निवेश के लिए विश्वास का एक नया माहौल तैयार किया है, वहीं दूसरी तरफभारत की सांस्कृतिक कूटनीति को वैश्विक मंच पर एक नई ऊंचाई प्रदान की है। विरोध और समर्थन के इन वैश्विक अंतर्विरोधों के बीच, यह दौरा स्पष्ट रूप से दिखाता है कि आधुनिक भारत की वैश्विक आकांक्षाओं को पूरा करने और दुनिया के सामने भारत का सकारात्मक पक्ष रखने में अब देश के प्रमुख सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन भी राजनयिक चैनलों के समानांतर एक बेहद प्रभावशाली और महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, जिसके दूरगामी आर्थिक और सामाजिक परिणाम आने वाले समय में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होंगे।

संकट में नेपाल के काम भारत ही आया, काठमांडू को चीन की दोस्ती का सच आखिरकार समझ आया

नीरज कुमार दुबे

नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ ने सिर्फ सैकड़ों जिंदगियां नहीं लील लीं, बल्कि हिमालयी क्षेत्र की राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा और पड़ोसी देशों के रिश्तों का एक बेहद महत्वपूर्ण आईना भी सामने रख दिया है। बुधवार को नेपाल-तिब्बत सीमा के आसपास ग्लेशियर के ढहने और उसके बाद मलबे के साथ आए भयावह जलप्रवाह ने रसुवा, नुवाकोट और आसपास के इलाकों में भारी तबाही मचाई। सड़कें, पुल, मकान और जलविद्युत परियोजनाएं बह गईं। इस आपदा ने नेपाल की बिजली व्यवस्था को भी ऐसा झटका दिया कि अब वही नेपाल, जो मानसून में भारत को बिजली बेचता है, जरूरत पड़ने पर भारत से बिजली मांग सकता है।

यही इस त्रासदी का सबसे बड़ा विडंबनापूर्ण पहलू है। नेपाल की करीब 4,300 मेगावाट की स्थापित बिजली क्षमता में 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी जलविद्युत की है। बाढ़ ने करीब 13 जलविद्युत संयंत्रों और एक सौर परियोजना को प्रभावित किया और लगभग 360 मेगावाट उत्पादन क्षमता पर असर पड़ा। भारत को बिजली देने वाला 14 मेगावाट का देविघाट संयंत्र भी इसकी चपेट में आया। 26 अगस्त को बाढ़ के दिन भारत नेपाल से एक समय में 963.4 मेगावाट तक बिजली ले रहा था, लेकिन अगले ही दिन बिजली आपूर्ति लगभग आधी रह गई। और अब तस्वीर उलट सकती है। आमतौर पर गर्मियों में भारत नेपाल से बिजली खरीदता है और सर्दियों में, जब नेपाल की जलविद्युत उत्पादन क्षमता घटती है, भारत नेपाल को बिजली देता है। इस बार आपदा ने परिस्थितियां ऐसी बना दी हैं कि मानसून के इसी मौसम में भारत को नेपाल की मदद के लिए बिजली निर्यात करनी पड़ सकती है। दोनों देशों के बीच पहले से ही 1,000 मेगावाट की आयात-निर्यात क्षमता है, जिसे बढ़ाकर 1,400 मेगावाट से अधिक करने पर सहमति भी बन चुकी है। बिजली से बड़ी कहानी भरोसे की है। आपदा तिब्बत से लगे इलाके में शुरू हुई। उपलब्ध वैज्ञानिक आकलनों के अनुसार इसका संबंध ग्लेशियर के ढहने और भारी मलबे के नदी में आने से है। चीन ने यह आपदा पैदा की या नहीं, इसका जवाब तो वैज्ञानिक ही देंगे लेकिन आम लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि हिमालय के इस संवेदनशील भूभाग में सीमा के दोनों ओर होने वाली गतिविधियों, बुनियादी ढांचे और आपदा-प्रबंधन को लेकर भारत, नेपाल और चीन के बीच पारदर्शिता कितनी है? हालात इतने गंभीर थे कि तिब्बत की ओर एक नए 'बैरियर लेक' के बनने और उसके टूटने की आशंका ने नेपाल में फिर खतरे की घंटी बजा दी। इसी संकट में भारत और चीन के रवैये का फर्क नेपाल के सामने साफ दिखाई देता है। बाढ़ के कुछ ही घंटों के भीतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से बात की और हरसंभव मानवीय सहायता का भरोसा दिया। उसी रात भारतीय वायुसेना का C-130J विमान हिंडन से काठमांडू पहुंचा और 10 टन राहत सामग्री तथा जरूरी दवाइयां भेजी गईं। इसके बाद राहत सामग्री की कुल मात्रा 47 टन से अधिक हो गई। भारत ने 24 घंटे काम करने वाला नियंत्रण कक्ष और हेल्पलाइन भी सक्रिय की। नेपाल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और जनता जिस तरह भारत का शुक्रिया कर रहे हैं उससे उनका भारत के प्रति विश्वास भी परिलक्षित हो रहा है। देखा जाये तो यही अंतर है, मुसीबत में कौन आपके साथ खड़ा होता है और कौन सिर्फ सीमा के उस पार मौजूद रहता है।

नेपाल के लिए यह समय किसी देश के पक्ष में राजनीतिक नारा लगाने का नहीं, बल्कि अपने राष्ट्रीय हित को ठंडे दिमाग से देखने का है। भारत से नेपाल का रिश्ता सिर्फ बिजली खरीदने-बेचने का नहीं है। खुली सीमा, गहरे सामाजिक रिश्ते, व्यापार, रोजगार, धार्मिक यात्राएं और रोजमर्रा की मानवीय आवाजाही दोनों देशों को असाधारण रूप से जोड़ती है। जब नेपाल में संकट आया तो भारत ने इन रिश्तों को कागज पर नहीं, जमीन और आसमान पर साबित किया।शायद नेपाल को इस संकट में एक पुरानी बात नए सिरे से समझ आई होगी, दोस्त वही नहीं जो सामान्य दिनों में साथ दिखे, दोस्त वह है जो आपदा में सबसे पहले पहुंच जाए। और चीन के साथ संबंधों को लेकर भी काठमांडू को यह तय करना होगा कि रणनीतिक साझेदारी का अर्थ केवल बड़े-बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट और निवेश नहीं है। असली साझेदारी संकट के समय दिखाई देती है। भारत और चीन के बीच नेपाल को किसी एक को चुनने की मजबूरी नहीं होनी चाहिए, लेकिन नेपाल यह जरूर देख सकता है कि उसके लिए कौन-सा पड़ोसी भरोसे का स्थायी आधार है।

बहरहाल, इस बाढ़ ने नेपाल की बिजली व्यवस्था को झकझोर दिया है, लेकिन शायद इससे भी बड़ा संदेश उसकी विदेश नीति के लिए आया है। हिमालय ने एक बार फिर याद दिलाया है कि नक्शे पर सबसे नजदीक पड़ोसी ही संकट की घड़ी में सबसे उपयोगी पड़ोसी भी साबित हो सकता है।

जरूरत से ज्यादा तारीफ! रिश्ते की शुरुआत में 'गट फीलिंग' पर भरोसा करें

ज्योति भास्कर

जब सू नुडटसन किशोरावस्था में थीं, तब एक परिचित ने उन्हें अपना फोन नंबर दिया। दोनों के बीच रिश्ता शुरू हुआ। उनका नया साथी लगातार उनकी तारीफ करता, उन्हें परफेक्ट बताता, उनके लिए फूल लाता, डेट पर ले जाता और दिनभर मैसेज करके यह जानता रहता कि वह कहां हैं और क्या कर रही हैं। उस समय नुडटसन नहीं जानती थीं कि यह व्यवहार 'लव बॉम्बिंग' कहलाता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, लव बॉम्बिंग में कोई व्यक्ति शुरुआत में बहुत ज्यादा प्यार और ध्यान देकर दूसरे के भावनात्मक जीवन में अपनी जगह बनाता है और बाद में उसी रिश्ते का इस्तेमाल उसे नियंत्रित करने के लिए कर सकता है। चिकित्सकीय मनोवैज्ञानिक रमानी दुर्वासुला के मुताबिक, यह किसी को आदर्श मानने और आकर्षित करने की ऐसी प्रक्रिया है, जो आगे चलकर भावनात्मक हेरफेर और नियंत्रण का रास्ता खोल सकती है। आज 'लव बॉम्बिंग' का इस्तेमाल रिश्ते की शुरुआत में जरूरत से ज्यादा प्यार, ध्यान व स्नेह पाने के लिए किया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ मामलों में यह गंभीर खतरे का संकेत हो सकता है।

जॉन जे कॉलेज ऑफ क्रिमिनल जस्टिस की मनोवैज्ञानिक चित्रा राघवन के अनुसार, लव बॉम्बर अक्सर जरूरत से ज्यादा तारीफ करता है और सामने वाले को यह महसूस कराता है कि उसकी असली खूबियां सिर्फ वही समझता है। ऐसी बातें दोनों के बीच एक खास और अनोखे रिश्ते का एहसास पैदा करती हैं। शुरुआत में इन्सान सोच ही नहीं पाता कि रिश्ता इतनी तेजी से क्यों बढ़ रहा है। हालांकि, हर लव बॉम्बर आगे चलकर अपमानजनक या हिंसक व्यवहार करे, यह जरूरी नहीं है।

ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी की मनोवैज्ञानिक एमी ब्रूनेल के अनुसार, लव बॉम्बर्स में आत्ममुग्धता के लक्षण हो सकते हैं। वे सामने वाले की प्रतिबद्धता परखने के लिए कुछ दिनों तक फोन या मैसेज करना बंद कर देते हैं। लव बॉम्बिंग को पहचानना थोड़ा मुश्किल है। इसलिए, विशेषज्ञों का कहना है कि अगर कोई आपकी निजी पसंद या दोस्तों से नाराज होता है या बार-बार वफादारी साबित करने का दबाव डालता है, तो सावधान रहें।

डॉ. ब्रूनेल के मुताबिक, रिश्ते की शुरुआत में अपनी 'गट फीलिंग', यानी अंदरूनी आवाज पर भरोसा करना जरूरी है। अगर आपको लगता है कि चीजें जरूरत से ज्यादा तेजी से आगे बढ़ रही हैं, तो संभव है कि सच में कुछ ठीक न हो।

ईरान बनाम अफ़ग़ानिस्तान : शरिया में महिलाओं की तुलनात्मक स्थिति

तनवीर जाफ़री

इस्लामी जीवन पद्धति और क़ानूनी व्यवस्था को शरिया कहते हैं। शरिया में इबादत,खान-पान,पहनावा, व्यापार, विवाह, तलाक़,विरासत, अपराध और सज़ा जैसे जीवन के तमाम पहलू शामिल हैं। इसके द्वारा कुरान ,सुन्नत, हदीस, इज्मा व क़यास जैसे पुराने स्थापित नियमों के आधार पर नए ज़माने की समस्याओं का हल निकालने का दावा किया जाता है। परन्तु आज के आधुनिक दौर में सऊदी अरब,अफ़ग़ानिस्तान व ईरान जैसे देशों में जहां शरिया को देश के मुख्य संविधान और आपराधिक क़ानून के रूप में लागू किया गया है वहीं भारत, पाकिस्तान,मिस्र और इंडोनेशिया जैसे देशों में शरिया केवल पर्सनल लॉ विवाह, तलाक़, संपत्ति तक ही सीमित है,जबकि इन्हीं देशों में अपराधिक मामलों के लिए देश का धर्मनिरपेक्ष क़ानून लागू होता है। अफ़ग़ानिस्तान की तालिबान सरकार व संगठन शरिया के नाम पर अत्यंत रूढ़िवादी और क़बीलाई व्याख्या लागू करती है। जबकि पाकिस्तान में भी शरिया क़ानून पूरी तरह लागू नहीं है, बल्कि वहाँ एक हाइब्रिड या मिश्रित क़ानूनी प्रणाली काम करती है। जिसमें ब्रिटिश काल के धर्मनिरपेक्ष सामान्य क़ानून और इस्लामी शरिया क़ानून दोनों का मिश्रण है। सवाल यह है कि जब इस्लाम धर्म का कलमा एक,क़ुरआन एक,रसूल एक नमाज़,रोज़ा हज,ज़कात सब एक तो इस्लामी देशों में ही शरिया क़ानून की व्याख्या अलग अलग क्यों ? और यदि अलग है तो इसमें सही कौन और ग़लत कौन ? और दुनिया किस शरिया व्यवस्था को सही व इस्लामी शरिया के रूप में देखे ? इसी सन्दर्भ में केवल ईरान व अफ़ग़ानिस्तान में लागू शरिया क़ानून व इसके अंतर्गत दोनों देशों में महिलाओं की स्थिति व उनपर पड़ने वाले प्रभाव का जायज़ा लेने की कोशिश करते हैं।

अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान शासन के दौरान गत पांच वर्षों में वहां की महिलाओं की स्थिति को लेकर जो रिपोर्ट्स संयुक्त राष्ट्र सहित विभिन्न वैश्विक मानवाधिकार संगठनों द्वारा तैयार की गयी है उसके मुताबिक़ वहाँ महिलाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। रिपोर्ट्स के अनुसार अफ़ग़ानिस्तान में महिलाओं को सार्वजनिक जीवन से पूरी तरह मिटाने का प्रयास किया जा रहा है। अफ़ग़ानिस्तान दुनिया का एकमात्र देश है जहां लड़कियों की माध्यमिक और उच्च शिक्षा आधिकारिक रूप से प्रतिबंधित है। यहाँ कक्षा 6 से आगे लड़कियों के स्कूल जाने और महिलाओं के विश्वविद्यालय जाने पर पूरी तरह रोक है। तालिबान ने विश्वविद्यालयों से महिलाओं से जुड़े 18 कोर्स हटा दिए हैं और महिलाओं द्वारा लिखी गई लगभग 140 किताबों को भी प्रतिबंधित कर दिया है। ऐसी ही सख़्त पाबंदियों के चलते अब अफ़ग़ानिस्तान में केवल 7% महिलाएँ ही रोज़गार में बची हैं। यहां महिलाओं को ग़ैर-सरकारी संगठनों, सरकारी मंत्रालयों और सार्वजनिक क्षेत्रों में काम करने से रोक दिया गया है। ब्यूटी पार्लर्स को भी पूरी तरह बंद कर दिया गया है, जिससे लाखों महिलाओं की कमाई का ज़रीया छिन गया। नए तालिबानी क़ानून और क्रिमिनल कोड वर्ष 2026 में तालिबान के सुप्रीम लीडर हिबतुल्लाह अखुनज़ादा द्वारा हस्ताक्षरित 90 पन्नों की नई दंड

संहिता ने महिलाओं की स्थिति को दासों जैसा बना दिया है। इस नए क़ानून के तहत पति को अपनी पत्नी या बेटी को शारीरिक सज़ा देने यानी उसे पीटने की अनुमति है, बशर्ते कि महिला की कोई हड्डी न टूटे या शरीर पर गहरा खुला घाव न दिखाई दे ।

अफ़ग़ानिस्तान में यदि कोई महिला अदालत जाना चाहती है, तो उसे पूरी तरह ढके होकर अपने उसी पुरुष अभिभावक,पति या भाई के साथ आना होगा, जिसने उस पर अत्याचार किया है। महिलाओं से तलाक़ का अधिकार छीन लिया गया है, जबकि बाल विवाह को बढ़ावा देने वाले नियमों को कड़ा किया गया है। महिलाएँ बिना किसी पुरुष रिश्तेदार के घर से बाहर लंबी दूरी की यात्रा व सार्वजनिक परिवहन का उपयोग नहीं कर सकतीं। यहाँ सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के ऊँची आवाज़ में बोलने पर भी पाबंदी लगा दी गई है। महिलाओं के पार्क, जिम, मनोरंजन केंद्रों और मेलों में जाने पर पूरी तरह रोक है। लड़कियों की मेडिकल शिक्षा बंद होने के कारण आने वाले समय में देश में महिला डॉक्टरों और दाइयों की भारी कमी होने वाली है। अफ़ग़ान संस्कृति में महिलाएँ पुरुष डॉक्टरों से इलाज नहीं करवा सकतीं, जिसके कारण डॉक्टरों और दाइयों की कमी से मातृ मृत्यु दर में 50% से अधिक की वृद्धि की आशंका जताई गई है। इस तालिबानी दमनकारी माहौल के कारण अफ़ग़ान महिलाओं में मानसिक अवसाद, अकेलेपन और आत्महत्या की प्रवृत्तियों में भारी उछाल आया है। यहाँ की 70% से अधिक महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य बेहद ख़राब है। विभिन्न वैश्विक मंचों पर मानवाधिकार कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार तालिबान के इस क्रूर तंत्र का विरोध किया जा रहा है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मदद में कटौती और तालिबान की हठधर्मी के कारण अफ़ग़ान महिलाओं की स्थिति दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। वास्तव में अफ़ग़ानिस्तान में शरिया का कम वहाँ की स्थानीय पश्तून क़बीलाई संस्कृति का अधिक प्रभाव है।

उधर ईरान के शरिया मॉडल व इस्लाम के बुनियादी सिद्धांतों व हदीस अनुसार, ज्ञान प्राप्त करना हर मुस्लिम पुरुष और महिला का कर्तव्य है। यहाँ महिलाओं को पीएचडी और चिकित्सा सहित उच्च शिक्षा प्राप्त करने की पूरी अनुमति है। ईरान में महिलाओं की शिक्षा पर कोई प्रतिबंध न होने की वजह से ही यहाँ महिला साक्षरता दर 85% से अधिक है। इसके अलावा, ईरान के विश्वविद्यालयों में 50% से 60% छात्र महिलाएँ हैं, जो विज्ञान, इंजीनियरिंग और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। अधिकांश वैश्विक इस्लामी विद्वान ईरान के इस क़दम को शरिया के अनुकूल मानते हैं। ईरान के शरिया मॉडल में महिलाओं को संपत्ति रखने, व्यापार करने और अपनी कमाई पर पूरा अधिकार रखने की स्वतंत्रता दी गई है। ग़ौर तलब है कि पैग़ंबर हज़रत मोहम्मद की पत्नी हज़रत ख़दीजा स्वयं एक बड़ी व्यवसायी थीं। ईरान में महिलाएँ डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक और संसद सदस्य बन सकती हैं। वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकती हैं, जो शरिया के आर्थिक अधिकारों के दायरे में आता है। ईरान में हिजाब या शालीनता शरिया का एक हिस्सा है, लेकिन इसे लागू करने के तरीक़ों पर विवाद है। यहाँ हिजाब अर्थात बालों को ढकना अनिवार्य है और इसका उल्लंघन करने पर नैतिकता पुलिस द्वारा सज़ा भी दी जाती है। मानवाधिकार विशेषज्ञ इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता और शरिया की अति-कट्टर व्याख्या मानते हैं। ईरान में शरिया आधारित क़सास (जैसे को तैसा) और इस्लामी दंड क़ानून लागू हैं, लेकिन इसमें एक आधुनिक क़ानूनी प्रक्रिया यानी अदालतें, वकील और अपील का अधिकार शामिल है। जबकि अफ़गानिस्तान में तालिबान की न्याय प्रणाली पूरी तरह अनौपचारिक और क़बीलाई है, जहाँ कोड़े मारना, पत्थरों से मारना,और सार्वजनिक रूप से फांसी देना आम है। अफ़गानिस्तान में महिलाओं को क़ानूनी सुरक्षा या निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार न के बराबर है। अफ़गानिस्तान दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहां लड़कियों की शिक्षा को अपराध बना दिया गया है। परन्तु आज ईरान ने जिस तरह अमेरिका जैसी महाशक्ति का मुक़ाबला किया है उसमें ईरान की महिलाओं का भी पुरुषों से कम योगदान नहीं है। ऐसे में शरिया की वातविक और समयानुसार व्याख्या होना बहुत ज़रूरी है। अफ़ग़ानिस्तान जैसी कटरपंथी रूढ़िवादी व क़बीलाई संस्कृति को थोपना कम से कम शरिया क़ानून तो हरगिज़ नहीं कहा जा सकता

भीषण गर्मी, बिजली कटौती और पुराना इंफ्रास्ट्रक्चर... ट्यूनेशिया में पानी की भारी किल्लत के बाद बोतलें लूटते दिखे लोग

ट्यूनिश

लंबे समय से सूखे बारिश की कमी और तेज गर्मी से जूझ रहे ट्यूनेशिया में पानी की भारी किल्लत है। ट्यूनीशिया के लोग पानी की कमी से जूझ रहे हैं क्योंकि भीषण गर्मी, बिजली कटौती और पुराने हो चुके इंफ्रास्ट्रक्चर की वजह से नल से पानी की सप्लाई और बॉटलिंग प्लांट प्रभावित हो रहे हैं।

इस साल की शुरुआत में भारी बारिश के बावजूद इस संकट के कारण विरोध-प्रदर्शन हुए हैं और अधिकारियों को टैंकरों से पानी पहुंचाना पड़ रहा है। ट्यूनीशिया के राष्ट्रपति कैस सईद ने कहा कि देश में गर्मी के मौसम के बीच लंबे समय तक पानी और बिजली की कटौती के पीछे सोची-समझी साजिश है।

बिजली और पानी की भारी मांग

हाल के हफ्तों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है, जिससे बिजली और पानी की मांग बढ़ गई है और इन दोनों की पूरी गर्मी के दौरान कमी देखने को मिली है। राजधानी समेत कुछ इलाकों में 10 घंटे से ज्यादा कटौती हो रही है। वहीं बिजली कंपनी का कहना है कि ये कटौती लोड शेडिंग के तौर पर की जाती है ताकि उसके नेटवर्क पर दबाव कम किया जा सके।

पानी की कटौती भी आम हो गई है क्योंकि ट्यूनीशिया की ज्यादातर पानी की सप्लाई इलेक्ट्रिक पंपों पर निर्भर है, जो बिजली जाने पर बंद हो जाते हैं। पानी की कटौती के साथ-साथ बोतलबंद पानी की कमी भी एक समस्या बन गई है और इसका संबंध भी बिजली कटौती से ही है।

सुपरमार्केट में तय किया गया कोटा

ट्यूनीशिया के लोग लंबे समय से चल रही भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं और इस बीच सुपरमार्केट ने प्रति व्यक्ति खरीदारी पर कोटा तय कर दिया है, जबकि कई छोटी दुकानों पर सामान जल्दी ही खत्म हो जाता है।

राष्ट्रपति के लिए ये आपराधिक योजनाएं और उकसाने की कोशिशें हैं। सईद ने कहा, देश के दुश्मन सईद ने कहा, देश के दुश्मन और उनका समर्थन करने वाले अब ट्यूनीशिया की जनता के सामने बेनकाब हो गए हैं। हालांकि उन्होंने एक बार फिर बिजली कटौती के पीछे के लोगों की पहचान नहीं बताई।

अगर कोई व्यक्ति मुसलमानों को भारत से बाहर निकालने की बात करता है,तो वह हिन्दू नहीं: भागवत

न्यूयार्क, (वार्ता)

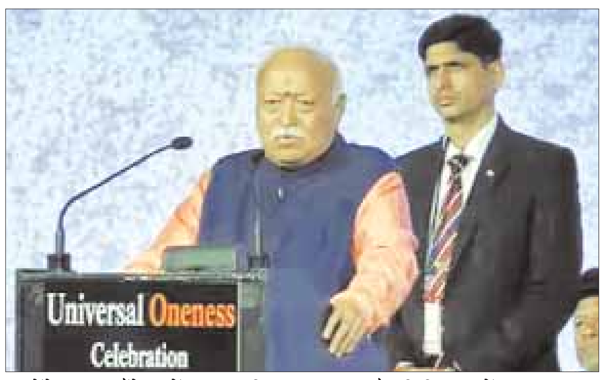

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघाचलक प्रमुख मोहन भागवत ने हर इंसान की गरिमा और मानवीय एकता पर जोर देते हुए कहा है कि किसी व्यक्ति के धर्म के आधार पर उसके अस्तित्व को नकारना हिन्दुत्व की सोच नहीं हो सकती है और अगर कोई व्यक्ति मुसलमानों को भारत से बाहर निकालने की बात करता है, तो वह हिन्दू नहीं हो सकता।

श्री भागवत ने अमेरिका में न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में शनिवार रात 'वन वर्ल्ड वन ह्यूमैनिटी' कार्यक्रम में धर्म, पर्यावरण, मानवीय सोच, कर्तव्य और हिन्दुत्व सहित विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने करीब 42 मिनट के अपने संबोधन के दौरान एक पुराने संवाद का जिक्र करते हुए बताया कि मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने उनसे पूछा था कि आरएसएस हिन्दू संगठन है और हिन्दू राष्ट्र की बात करता है, तो मुस्लिमों का क्या होगा। क्या उन्हें भारत से बाहर कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, मैंने उन्हें जवाब दिया था कि ऐसा करना हिन्दुत्व नहीं है। अगर कोई हिन्दू यह सोचता है कि भारत में कोई मुस्लिम नहीं होना चाहिए, तो वह हिन्दू नहीं है।

इस दौरान संघ प्रमुख ने हिन्दुत्व का मतलब समझाते हुए कहा कि हिन्दुत्व किसी समुदाय को बाहर करने की सोच से अलग है। सभी रास्ते एक ही लक्ष्य ईश्वर की ओर जाते हैं और हर इंसान की गरिमा है। उन्होंने कहा कि एकता और विविधता भारत के 'डीएनए' में है। लोग अलग-अलग दिखते हैं, उनके रहने के अपने-अपने तरीके हैं, लेकिन सभी के बीच एक जन्मजात जुड़ाव है। विविधता में एकता भारत की पारंपरिक सोच है और देश समय-समय पर पूरी दुनिया को इसका एहसास कराता रहा है। उन्होंने कहा कि सोचने की क्षमता इंसान के लिए एक वरदान है। सही सोच इंसान को ईश्वर के करीब ले जाती है, जबकि गलत सोच उसे जानवरों के करीब ले जाती है।श्री भागवत ने कहा कि मौजूदा समय में दुनिया में धर्मों की पहचान मुख्य रूप से रीति-रिवाजों से होती है। किसी धार्मिक अनुशासन का पालन करने और ईश्वर तक पहुंचने के उस रास्ते पर चलने के लिए रीति-रिवाजों का यह अनुशासन बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, मैं कोई धर्म-विशेषज्ञ या धार्मिक गुरु नहीं हूं, लेकिन ऐसे समाज में काम कर रहा हूं, जो कहता है कि धर्म भले अलग-अलग हों, लेकिन इंसानियत एक है। सत्य एक है और इंसानियत उसी सत्य की उपज है। सत्य का वर्णन कई तरह किया जाता है। उन्होंने इस दौरान कहा, अगर हम समाज को लगातार शिक्षित नहीं करते हैं तो उसमें कमियां या भटकाव आ जाते हैं। इतिहास के दौरान ऐसा ही कुछ हुआ है। मैं ठीक उस पल की ओर इशारा नहीं कर सकता। उसके बाद हमारा समाज और हमारा देश विदेशी हमलों का शिकार बना और बहुत सी चीजें खो गयी। मौजूदा समय में दुनिया में दो तरह की प्रवृत्तियां दिखाई देती हैं, जिसमें एक कहती है, जियो और जीने दो' तो दूसरी कहती है- 'जियो और केवल उन्हें जीने दो, जो हमारी बात मानें। जो लोग यह कहते हैं कि अगर आप हमारी बात मानेंगे तो हम आपकी रक्षा करेंगे, वे दूसरों की रक्षा को अपनी शर्तों से जोड़ते हैं। जो केवल अपनी बात मानने वालों की रक्षा करते हैं, उन्हें 'राक्षस' कहा जाता है।

संघ प्रमुख ने इस सोच के विपरीत ऐसी सोच की जरूरत बतायी, जिसमें यह मायने नहीं रखता कि दूसरा व्यक्ति किसी की बात मानता है या नहीं, किसी की बात सुनता है या नहीं, किसी के बारे में क्या सोचता है या किसी के लिए कितना उपयोगी है। उन्होंने कहा, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम सभी मनुष्य हैं। जीवन को बनाये रखने के लिए बंधुत्व और आपसी अपनत्व के साथ रहना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि दुनिया में भले ही लोगों के बीच कई तरह की भौतिक और सामाजिक भिन्नताएं हों, लेकिन सभी मनुष्यों के भीतर एक समान तत्व मौजूद है। उन्होंने कहा, हम एकत्व से जुड़े हैं और विविधता से सुसज्जित हैं. विविधता प्राकृतिक है और एकता ही सत्य है। उन्होंने कहा कि जो सिद्धांत सबको जोड़ता है, सभी को अपने भीतर समाहित करता है, किसी तरह का विभाजन पैदा नहीं करता, सबके बीच संतुलन बनाये रखता है और मध्य मार्ग दिखाता है, वही धर्म है।

बलूचिस्तान में मॉल बनाने के लिए 200 साल पुराना ऐतिहासिक गुरुद्वारा जमींदोज, सिख समुदाय में भारी आक्रोश

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में स्थित 200 साल पुराने ऐतिहासिक श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारे को रातों-रात ढहा दिया गया है। इस पवित्र परिसर में बच्चों का एक स्कूल भी संचालित होता था इस अचानक हुई कार्रवाई ने न केवल स्थानीय सिख समुदाय, बल्कि नागरिक अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठनों को भी गहरे सदमे में डाल दिया है। लोग सड़कों पर उतरकर इस अन्याय का कड़ा विरोध कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन ने इस ऐतिहासिक गुरुद्वारे को गिराने से पहले कोई नोटिस तक नहीं दिया। आरोप है कि इस बेशकीमती धार्मिक जमीन को एक निजी बिल्डर के हाथों में सौंप दिया गया है, ताकि वहां एक कमर्शियल शॉपिंग प्लाजा खड़ा किया जा सके।

आस्था के केंद्र को इस तरह मलबे में तब्दील करने की घटना से भारत में भी भारी रोष है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने भारत के विदेश मंत्रालय से अपील की है कि वह इस गंभीर और संवेदनशील मुद्दे को तुरंत पाकिस्तान सरकार के समक्ष उठाए। इस घटना ने दुनिया भर में बसे सिखों की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाई है। सिख समाज अब इस पवित्र स्थल के जल्द से जल्द पुनर्निर्माण की पुरजोर मांग कर रहा है। इसके साथ ही, समुदाय ने पाकिस्तान सरकार से यह भी गुजारिश की है कि जब तक नया गुरुद्वारा बनकर तैयार नहीं हो जाता, तब तक परिसर में ही एक सम्मानजनक अस्थायी जगह दी जाए। इससे श्रद्धालु नियमित रूप से श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रकाश कर सकेंगे और अपनी रोजाना की अरदास बिना किसी बाधा के पूरी कर सकेंगे। यह पहली बार नहीं है जब बलूचिस्तान में अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया गया हो। स्थानीय सिख समुदाय के अनुसार, एक समय था जब इस प्रांत में 12 गुरुद्वारे हुआ करते थे। लेकिन वक्त के साथ धीरे-धीरे 10 गुरुद्वारों का अस्तित्व मिटा दिया गया है। आज पूरे प्रांत में केवल दो ही गुरुद्वारे बचे हैं। धार्मिक स्थलों की इस तरह घटती संख्या ने स्थानीय सिखों के मन में अपने भविष्य और विरासत को लेकर गहरा डर पैदा कर दिया है। इस पूरे मामले में भारत से भी कड़े विरोध के स्वर उठ रहे हैं।

पूर्व सांसद तरलोचन सिंह ने नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग को एक ज्ञापन सौंपकर इस मामले में तुरंत दखल देने की मांग की है। उन्होंने पाक कमिश्नर से आग्रह किया है कि भू-माफियाओं द्वारा बनाए जा रहे शॉपिंग प्लाजा के निर्माण को फौरन रोका जाए और गुरुद्वारे का दोबारा निर्माण शुरू हो। वहीं, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने इसे सीधे तौर पर सिख विरासत पर हमला करार दिया है।

ग्रेटर नोएडा में मासूम बच्ची से दुष्कर्म और हत्या की घटना रूह कंपाने वाली : अखिलेश

लखनऊ, (वार्ता)

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने ग्रेटर नोएडा में छह साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना को रूह कंपाने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि इस घटना से पूरे प्रदेश में बेटियों के माता-पिता अपनी बच्चियों की सुरक्षा को लेकर दहशत में हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि सवाल यह है कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था इतनी लचर कैसे हो गई कि अपराधी सत्ता से डर नहीं रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता से जुड़े लोगों के अपराधों को जिस तरह दबाया और छिपाया जा रहा है, उससे दूसरे अपराधियों के भी हौसले बुलंद हो रहे हैं।

सपा अध्यक्ष ने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार का दायरा बढ़ाने का आरोप लगाते हुए कहा कि इसका असर पुलिस व्यवस्था पर भी पड़ा है। उन्होंने दावा किया कि कुछ भ्रष्ट पुलिसकर्मी अपराधियों से सांठगांठ कर उनके अपराधों को संरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने घटना को घोर निंदनीय बताते हुए कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए और मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया के अंत में कहा, इंसाफ हो!!!

रूसी वायु रक्षा बल ने रात भर में 494 यूक्रेनी ड्रोन नष्ट किए

मॉस्को, (वार्ता)। रूसी वायु रक्षा बलों ने शनिवार रात 494 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया है। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी है।

रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा, शनिवार रात स्थानीय समय अनुसार रात 8:00 बजे (17:00 जीएमटी) से 30 अगस्त सुबह 8:30 बजे तक ड्यूटी पर तैनात वायु रक्षा बलों ने कुल 494 यूक्रेनी मानवरहित हवाई वाहनों (ड्रोन) को रोका और नष्ट कर दिया।

मंत्रालय ने बताया कि इन ड्रोन को लेनिनग्राद, ब्रियांस्क, बेलगोरोद, कलुगा, कुर्स्क, त्वेर, स्मोलेंस्क, ओरियोल, प्सकोव, तुला, नोवगोरोद, रोस्तोव क्षेत्रों और मॉस्को क्षेत्र, क्रास्नोडार क्राई, क्रीमिया गणराज्य तथा अजोव और काला सागर के ऊपर नष्ट किया गया।

ईरान की अनुमति के बिना होर्मुज़ से कोई जहाज नहीं गुजरता : ईरानी विदेश मंत्रालय

तेहरान, (वार्ता)

ईरान के उप विदेश मंत्री काज़ेम ग़रीबाबादी ने कहा है कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य अब भी पूरी तरह बंद है और अगर कोई जहाज इससे होकर गुजरता है, तो यह निश्चित रूप से ईरान के साथ समन्वय और उसकी अनुमति से ही होता है।श्री ग़रीबाबादी ने कहा, अमेरिका का यह दावा कि जहाज इस रास्ते से स्वतंत्र रूप से गुजर सकते हैं , झूठ है और अगर कोई जहाज इससे होकर गुजरता है, तो यह निश्चित रूप से ईरान के साथ समन्वय और उसकी अनुमति से ही होता है।

उन्होंने बताया कि होर्मुज़ से जहाजों की आवाजाही को लेकर ईरान और ओमान के बीच एक समझ बनी है, लेकिन जब तक अमेरिका अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं करता, तब तक जलडमरूमध्य को औपचारिक रूप से नहीं खोला जाएगा। ईरानी उप विदेश मंत्री ने कहा कि कतर और पाकिस्तान के मध्यस्थों के साथ हुई बैठकों के दौरान ईरान ने ओमान के साथ हुए समझौते के जरिए होर्मुज़ में जहाजों की आवाजाही को लेकर अपनी तत्परता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था को लागू करने की जिम्मेदारी अमेरिका की है और अमेरिका ने अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं किया है। ग़रीबाबादी का यह बयान ऐसे समय आया है जब होर्मुज़ जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका और ईरान के दावों में विरोधाभास सामने आ रहा है। अमेरिका का कहना है कि जहाज इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजर सकते हैं, जबकि ईरान का दावा है कि उसकी अनुमति के बिना कोई भी जहाज यहां से नहीं गुज़र सकता। 18 जून को अमेरिका और ईरान ने क्षेत्र में सभी मोर्चों पर युद्ध समाप्त करने को लेकर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये थे। इसके तहत दोनों देशों को 60 दिनों के भीतर बातचीत कर अंतिम समझौते तक पहुंचना था। यह समय सीमा 17 अगस्त को समाप्त हो गयी, लेकिन दोनों देशों के बीच पिछले महीने बढ़े तनाव के बाद इन वार्ताओं का भविष्य अब भी स्पष्ट नहीं है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। इसके जरिये बड़ी मात्रा में वैश्विक तेल और गैस की आवाजाही होती है, इसलिए यहां लंबे समय तक जारी किसी भी तरह की रुकावट का असर केवल ईरान और अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा।

स्विट्ज़रलैंड में 3500 लोगों की रेव पार्टी में अंधाधुंध गोलीबारी, 1 की मौत; 5 घायल

बर्न। स्विट्ज़रलैंड के आरौ शहर में रविवार तड़के एक रेव पार्टी के दौरान हुई अंधाधुंध गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह हिंसक घटना करीब 3,500 लोगों की मौजूदगी वाली एक सालाना टेक्नो पार्टी के दौरान हुई। पुलिस ने अज्ञात हमलावरों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है, जबकि घायलों में से कुछ की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। ज्यूरिख के उत्तर में स्थित आरौ में हुई इस घटना में कई लोग हताहत हुए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के बाद इलाके में बड़े पैमाने पर पुलिस कार्रवाई शुरू कर दी गई है। स्थानीय पुलिस ने एक्स पर कहा कि हमलावरों की तलाश जारी है, जिनकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हमले का मकसद और इसके पीछे की सटीक परिस्थितियां अभी ज्ञात नहीं हैं। स्विस समाचार पत्र ब्लिक की रिपोर्ट के अनुसार, आरौ रेव नामक इस कार्यक्रम के दौरान सुबह लगभग 3:00 बजे से ठीक पहले गोलियां चलीं। यह एक वार्षिक टेक्नो पार्टी थी, जो शनिवार दोपहर 3:00 बजे से शुरू होकर रविवार तड़के 2:00 बजे तक चली थी। इस भव्य कार्यक्रम में लगभग 3,500 लोग शामिल हुए थे।

पुलिस प्रवक्ता वैनेसा रुम्पोल्ड ने बताया कि गोलीबारी की यह घटना रेसकोर्स में हुई जहां इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा था। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि लोगों के एक बड़े समूह के बीच कई राउंड गोलियां चलाई गईं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

शिवराजकुमार ने सलमान खान की 'मॉन्स्टर' से तुलना पर कहा, 'यह शिवा बनाम सलमान नहीं, हम एक हैं'

कन्नड़ फिल्मों के सुपरस्टार शिवराजकुमार ने अपनी आगामी फिल्म 'ओरिजिनल मॉन्स्टर' की सलमान खान अभिनीत 'मॉन्स्टर' से तुलना पर कहा है कि दोनों फिल्मों की कहानियां बिल्कुल अलग हैं और इसे किसी मुकाबले के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।'ओरिजिनल मॉन्स्टर' के टाइटल लॉन्च के मौके पर शिवराजकुमार ने कहा, सलमान की 'मॉन्स्टर' और 'ओरिजिनल मॉन्स्टर' दोनों की कहानियां बिल्कुल अलग हैं। यह शिवा बनाम सलमान नहीं है, हम एक हैं। सलमान खान के साथ काम करने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, यदि भगवान की इच्छा हुई, तो हम साथ काम करेंगे। हो सकता है सलमान और मैं साथ काम करें। गौरतलब है कि वामशी पैदिपल्ली के निर्देशन में सलमान खान की 'मॉन्स्टर' और आर. चंद्रू के निर्देशन में शिवराजकुमार की 'ओरिजिनल मॉन्स्टर' के शीर्षक में समानता है। इसी वजह से दोनों फिल्मों की तुलना की जा रही है। हालांकि, शिवराजकुमार ने स्पष्ट किया कि दोनों फिल्मों की विषयवस्तु अलग है। शिवराजकुमार के इस बयान के बाद सलमान खान के साथ उनके संभावित सहयोग को लेकर प्रशंसकों में उत्सुकता बढ़ गई है।

जीवन के हर फलसफे पर गीत लिखने में माहिर थे शैलेन्द्र

दो दशक से अधिक समय तक करीब 170 फिल्मों में जिंदगी के हर फलसफे और जीवन के हर रंग पर गीत लिखने वाले शैलेन्द्र के गीतों में हर मनुष्य स्वयं को इस तरह समाहित महसूस करता है, जैसे वह गीत उसी के लिए लिखा गया हो। अपने गीतों की रचना की प्रेरणा उन्हें मुंबई के जुहू बीच पर सुबह की सैर के दौरान मिलती थी। चाहे जीवन की कोई साधारण-सी बात क्यों न हो, वह अपने गीतों के जरिये जीवन के सभी पहलुओं को उजागर करते थे। उनके गीतों में आम आदमी की खुशियां, उसके संघर्ष, प्रेम, विरह, उम्मीद और निराशा सभी सहज रूप से दिखाई देते हैं। पश्चिमी पंजाब के रावलपिंडी शहर, जो अब पाकिस्तान में है, में 30 अगस्त 1923 को जन्मे शंकर दास केसरीलाल उर्फ शैलेन्द्र अपने भाइयों में सबसे बड़े थे। उनके बचपन में ही उनका परिवार रावलपिंडी छोड़कर मथुरा आ गया। वहां उनकी माता पार्वती देवी की मृत्यु ने उन्हें गहरा सदमा पहुंचाया और उनका ईश्वर पर से हमेशा के लिए विश्वास उठ गया। गीतकार के रूप में शैलेन्द्र ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत वर्ष 1949 में प्रदर्शित राजकपूर की फिल्म 'बरसात' से की। उन्होंने इस फिल्म के लिये 'बरसात में हमसे मिले तुम सजन' गीत लिखा था। यह संयोग ही था कि फिल्म 'बरसात' से ही बतौर संगीतकार शंकर-जयकिशन ने भी अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद शैलेन्द्र राजकपूर के चहेते गीतकार बन गये। इसके बाद शैलेन्द्र और राजकपूर की जोड़ी ने कई फिल्मों में एक साथ काम किया। इनमें 'आवारा', 'आह', 'श्री 420', 'चोरी-चोरी', 'अनाड़ी', 'जिस देश में गंगा बहती है', 'संगम', 'तीसरी कसम', 'अराउंड द वर्ल्ड', 'दीवाना', 'सपनों का सौदागर' और 'मेरा नाम जोकर' जैसी फिल्में शामिल हैं। शैलेन्द्र के सिने सफर में उनकी जोड़ी प्रसिद्ध संगीतकार शंकर-जयकिशन के साथ खूब जमी और उनके बनाये गीत जबर्दस्त हिट हुए। शैलेन्द्र ने 'नया', 'बूट पॉलिश', 'श्री 420' और 'तीसरी कसम' में अभिनय भी किया था। इसके अलावा उन्होंने फिल्म 'परख' (1960) के संवाद भी लिखे थे।

शैलेन्द्र ने वर्ष 1966 में 'तीसरी कसम' का निर्माण किया। फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी पर आधारित इस फिल्म में राजकपूर और वहीदा रहमान ने मुख्य भूमिकायें निभायी थीं। फिल्म को समीक्षकों की सराहना मिली, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसकी असफलता ने शैलेन्द्र को गहरा सदमा पहुंचाया।

फिल्म की असफलता के बाद आर्थिक परेशानियों ने उन्हें घेर लिया। उनके मित्रों ने भी उन्हें किसी प्रकार का सहयोग करने से इनकार कर दिया। मित्रों की बेरुखी और 'तीसरी कसम' की असफलता के कारण वह मानसिक रूप से काफी परेशान रहने लगे और उन्हें कई बार दिल का दौरा पड़ा।

13 दिसंबर 1966 को अस्पताल जाने के क्रम में उन्होंने राजकपूर को आर.के. कॉटेज में मिलने के लिये बुलाया। वहां उन्होंने राजकपूर से उनकी फिल्म 'मेरा नाम जोकर' के गीत 'जीना यहां, मरना यहां' को पूरा करने का वादा किया। लेकिन उनका यह वादा अधूरा ही रह गया और अगले ही दिन 14 दिसंबर 1966 को उनका निधन हो गया।

यह महज संयोग ही था कि जिस दिन शैलेन्द्र का निधन हुआ, उसी दिन उनके प्रिय मित्र और अभिनेता राजकपूर का जन्मदिन भी था। शैलेन्द्र भले ही इस दुनिया से चले गये, लेकिन उनके लिखे गीत आज भी लोगों की जिंदगी का हिस्सा बने हुए हैं। उनके गीतों में जीवन की सच्चाई, आम आदमी की संवेदना और मानवीय भावनाओं की गहरी अभिव्यक्ति आज भी श्रोताओं को अपनी ओर आकर्षित करती है।

चार दिनों में 100 करोड़ नेट क्लब में शामिल हुआ यश की 'टॉक्सिक' का हिंदी वर्जन

रॉकिंग स्टार यश की पैन-इंडिया फिल्म 'टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' ने हिंदी बाजार में शानदार प्रदर्शन करते हुए रिलीज के महज चार दिनों में 100 करोड़ रुपये नेट का आंकड़ा पार कर लिया है।गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी इस फिल्म को रिलीज से पहले ही दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्सुकता थी। करीब चार साल के लंबे अंतराल के बाद यश की बड़े पर्दे पर वापसी ने फिल्म को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी और बढ़ा दी। दक्षिण भारत में यश की मजबूत फैन फॉलोइंग के साथ ही हिंदी भाषी बाजारों में भी फिल्म को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। बड़े महानगरों से लेकर उत्तर भारत के प्रमुख केंद्रों तक फिल्म को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। यश की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस को फिल्म की प्रमुख खूबियों में गिना जा रहा है। खास बात यह है कि बॉलीवुड में औपचारिक डेब्यू किए बिना ही यश ने हिंदी दर्शकों के बीच अपनी मजबूत पहचान बनाई है और 'टॉक्सिक' की सफलता इसे और मजबूत करती दिख रही है। फिल्म के हिंदी संस्करण ने पहले दिन 55.40 करोड़ रुपये नेट का कलेक्शन किया था। इसके बाद भी फिल्म की रफ्तार कायम रही और चार दिनों में ही यह 100 करोड़ रुपये नेट क्लब में शामिल हो गई। 'टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है।

बच्चों के बीच पहुंचे सीईओ, कक्षा में बैठकर सुना पाठ

प्रिंस-ऋषभ और रुबी-शिवा के धाराप्रवाह पठन पर बोले-शाबाश

नरसिंहपुर।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश ने शनिवार को एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला खमतरा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ ही विद्यार्थियों के बीच पहुंचकर उनकी शैक्षणिक दक्षता को भी परखा। सीईओ ने कक्षा में बच्चों के साथ बैठकर न केवल उनका पाठ सुना, बल्कि सहज संवाद करते हुए पढ़ाई से जुड़े सवाल भी किए। कक्षा शिक्षण के दौरान सीईओ श्री नागेश ने कक्षा पांचवीं के विद्यार्थी प्रिंस मेहरा और ऋषभ यादव तथा कक्षा चौथी की छात्राएं रूबी यादव एवं शिवा

विश्वकर्मा से पाठ का वाचन करवाया। बच्चों ने आत्मविश्वास के साथ धाराप्रवाह पाठ पढ़कर सुनाया। बच्चों की पठन क्षमता और आत्मविश्वास से प्रभावित होकर सीईओ ने उनका उत्साहवर्धन करते हुए कहा–'शाबाश!' उन्होंने बच्चों की सराहना की और इसी तरह नियमित रूप से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान सीईओ ने विद्यार्थियों से उनकी पढ़ाई, रुचियों और कक्षा में होने वाली गतिविधियों के संबंध में बातचीत की। बच्चों के साथ उनका सहज एवं आत्मीय संवाद देखकर विद्यालय का वातावरण भी उत्साहपूर्ण हो गया। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने की क्षमता को ध्यान में रखते हुए शिक्षण कार्य को और अधिक प्रभावी एवं रुचिकर बनाया जाए।

शैक्षणिक एवं मूलभूत व्यवस्थाओं का लिया जायजा–निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति, कक्षा शिक्षण, शैक्षणिक गतिविधियों तथा उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय में संचालित शिक्षण कार्य की जानकारी ली और विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में निरंतर सुधार के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा ने भी विद्यालय भ्रमण के दौरान शिक्षकों को निर्देशित किया कि विद्यार्थियों का उत्कृष्ट शैक्षणिक स्तर सुनिश्चित करने के साथ विद्यालय का उद्देश्य केवल परीक्षा परिणाम तक सीमित नहीं होना चाहिए। प्रत्येक बच्चे के शैक्षणिक, रचनात्मक एवं समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों में पढ़ने, समझने, अभिव्यक्त करने और रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने की क्षमता विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएं।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा, जिला परियोजना समन्वयक श्री प्रदीप द्विवेदी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री ब्रजेश शर्मा, विकासखंड स्रोत समन्वयक श्री ओपी राय, जिला परियोजना महिला एवं बाल विकास श्री राधेश्याम वर्मा सहित जनशिक्षक श्री आरपी शर्मा एवं श्री संजय मेहरा उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जन–विश्वास अभियान के तहत नरसिंहपुर में जनसंवाद शिविर आयोजित

विभिन्न विभागों ने पात्र हितग्राहियों को दिलाया योजनाओं का लाभ

नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री जन–विश्वास अभियान–2026 के तहत नरसिंहपुर में जनसंवाद शिविर का आयोजन शनिवार को किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और उन्होंने आमजन की समस्याओं, आवश्यकताओं एवं शासकीय योजनाओं से संबंधित प्रकरणों की जानकारी लेकर पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्रदान किया। शिविर का उद्देश्य नागरिकों को शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सहजता से उपलब्ध कराने के साथ उनकी समस्याओं का मौके पर निराकरण सुनिश्चित करना रहा। जनसंवाद शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित 55 आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों द्वारा आवेदनों की जानकारी लेकर संबंधित प्रकरणों में आवश्यक कार्यवाही की गई। श्रम विभाग द्वारा श्रम योगी मानधन योजना के 7 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। वहीं राजस्व विभाग द्वारा 22 हितग्राहियों की फार्मर आईडी से संबंधित कार्यवाही की गई।

स्वास्थ्य शिविर में नागरिकों की हुई जांच

शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आमजन के लिए स्वास्थ्य परीक्षण एवं विभिन्न जांचों की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस दौरान 6 आईसीटीसी जांच, 35 बीपी जांच, 35 शुगर जांच एवं 35 एक्स–रे किए गए। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने नागरिकों को आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी दिया। इसी क्रम में आयुष विभाग द्वारा 37 हितग्राहियों को औषधियों का वितरण किया गया। विभागीय अधिकारियों ने नागरिकों को उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी भी दी।

आधार, किसान ेडिट कार्ड सहित अन्य सेवाओं का मिला लाभ

शिविर में नागरिकों को आधार संबंधी सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। आधार सुधार से संबंधित 4 प्रकरणों का निराकरण किया गया। पशुपालन विभाग द्वारा 1 हितग्राही को किसान क्रेडिट कार्ड संबंधी सेवा प्रदान की गई। उद्योग विभाग द्वारा 8 हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ वितरित किया गया। इसके अलावा लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत 17 सेवा आवेदनों से संबंधित कार्यवाही भी शिविर में की गई। विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होने से नागरिकों को चक्कर लगाने से राहत मिली और समस्याओं के समाधान के लिए सुविधाजनक मंच प्राप्त हुआ।

सजहर–खाखन नदी के बढ़ते जलस्तर को मद्देनजर रखते हुए जिला प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

एनएच-39 से आने वाले वाहनों से निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील

सिंगरौली। जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण देवसर क्षेत्र स्थित सजहर–खाखन नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है और नदी उफान पर आ गई है। नदी के तेज बहाव एवं बढ़ते जलस्तर के कारण सीधी–सिंगरौली एनएच–39 पर वाहनों का आवागमन प्रभावित हुआ है। लगातार हो रही बारिश के कारण क्षेत्र में स्थिति पर प्रशासन द्वारा सतत निगरानी भी रखी जा रही है।

जनसुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन एवं पुलिस द्वारा आमजन से सतर्कता बरतने की अपील की गई है। नागरिकों से कहा गया है कि नदी–नालों के आसपास जाने तथा जलमग्न अथवा तेज बहाव वाले स्थानों को पार करने का जोखिम न उठाएं। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए अत्यंत आवश्यक होने पर ही यात्रा करें तथा प्रशासन एवं पुलिस द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पालन करें।

सिंगरौली–सीधी आवागमन हेतु यातायात को सुचारू बनाए रखने एवं किसी भी अप्रिय स्थिति से बचाव के लिए वाहनों की श्रेणी के अनुसार वैकल्पिक डायवर्जन मार्ग निर्धारित किए गए हैं। बस सेवा एवं सामान्य यात्री वाहनों के लिए बैढ़न से सीधी जाने वाली बसें बड़ोखर/बरगवां से गिधेर, खड़ौरा एवं देवसर बाजार/चितरंगी तिराहा होते हुए सीधी की ओर जाएंगी। वहीं सीधी से बैढ़न आने वाली बसें चितरंगी तिराहा (जियावन के बगल से) होकर खड़ौरा, गिधेर एवं बइहवा/बरगवां मार्ग से बैढ़न पहुंचेंगी।

कार, दोपहिया एवं अन्य छोटे वाहनों के लिए बैढ़न से सीधी जाने हेतु झुरही, पुरानी देवसर, लोहरा, ढोगा एवं जियावनडांड मार्ग निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार सीधी से बैढ़न की ओर आने वाले छोटे वाहन जियावनडांड से ढोगा, लोहरा, पुरानी देवसर एवं झुरही होकर बैढ़न की ओर आ सकेंगे। भारी वाहनों के लिए बैढ़न से सीधी की ओर जाने वाले वाहन मोरवा/बरगवां से चितरंगी एवं कर्थुआ मार्ग से होकर जाएंगे। वहीं सीधी से बैढ़न आने वाले भारी वाहनों के लिए कर्थुआ से चितरंगी होते हुए मोरवा/बरगवां मार्ग निर्धारित किया गया है।

एनसीएल की झिंगुरदा परियोजना में आयोजित हुई अंतरक्षेत्रीय क्रास कंट्री रेस 2026–27

सिंगरौली।

शनिवार को सिंगरौली स्थित कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर अंतरक्षेत्रीय क्रॉस कंट्री रेस का आयोजन किया गया. एनसीएल झिंगुरदा परियोजना में आयोजित इस प्रतिस्पर्धा में कंपनी की सभी परियोजना एवं इकाइयों से महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों ने भाग लिया।

क्रास कंट्री रेस के अंतर्गत पुरुष प्रतिभागियों द्वारा 8 किमी एवं महिला प्रतिभागियों द्वारा 2.5 किमी की दूरी तय की गयी। व्यक्तिगत प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में जयंत क्षेत्र से जगत कुमार वैश्य ने पहला,

सतीश कुमार ने दूसरा और अमलोरी से यू. पी. सिंह ने तीसरा स्थान प्राप्त किया । वहीं महिला वर्ग में एनएससी से मीना कुमारी ने प्रथम, हेमलता कुमारी ने दूसरा और सीता साहू ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी के साथ ग्रुप चैंपियनशिप में पुरुष वर्ग में क्रमशः जयंत क्षेत्र प्रथम एवं निगाही क्षेत्र द्वितीय स्थान पर रहा एवं महिला वर्ग में नेहरु शताब्दी चिकित्सालय प्रथम एवं बीना क्षेत्र द्वितीय स्थान पर रहा। क्रॉस कंट्री रेस में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को ट्राफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गए।

प्रतियोगिता के दौरान महाप्रबंधक (मानव संसाधन), राजेश त्रिवेदी, क्षेत्रीय महाप्रबंधक (झिंगुरदा), असीम कुमार बाग़, कंपनी जेसीसी सदस्य सीएमएस से अजय कुमार, बीएमएस से अशोक मिश्रा, आरसीएसएस से लाल पुष्पराज सिंह, एचएमएस से अशोक पांडे, सीएमओएआई प्रतिनिधि, सर्वेश कुमार सिंह, एनसीएल स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड मेंबर्स, झिंगुरदा परियोजना से विभागाध्यक्ष, श्रमिक संघ प्रतिनिधि एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत प्रमुख सचिव ने किया 220 केवी सबस्टेशन रोंसरा का निरीक्षण

गाडरवारा

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत प्रमुख सचिव ऊर्जा मनीष सिंह ने नरसिंहपुर जिले के भ्रमण के दौरान मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के 220/132/33 केवी अति उच्च दाब सबस्टेशन रोंसरा,नरसिंहपुर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने सबस्टेशन की व्यवस्थाओं, विद्युत आपूर्ति की स्थिति तथा संचालित कार्यों की जानकारी लेकर एम पी ट्रांसको अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ऊर्जा मनीष सिंह ने सबस्टेशन की आपरेशन एवं मेंटेनेंस गतिविधियों तथा विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता का जायजा लिया। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों की सराहना करते हुए विद्युत कार्यों के दौरान सुरक्षा मानकों का शत–प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया।

नरसिंहपुर बाईपास निर्माण के कारण 220 केवी सबस्टेशन रोंसरा के पहुंच मार्ग में उत्पन्न हुई समस्याओं पर प्रमुख सचिव ऊर्जा ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने मुख्य अभियंता (टेस्टिंग) एम.वाय. मंसूरी से चर्चा करते हुए कहा कि यदि वर्तमान में सबस्टेशन तक सामान्य वाहनों की पहुंच में कठिनाई हो रही है, तो किसी आकस्मिक स्थिति में बड़े पावर ट्रांसफार्मर एवं अन्य भारी उपकरणों की आवाजाही भी प्रभावित हो सकती है। उन्होंने स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर समीपस्थ नाले पर निर्मित पुल के पुनर्निर्माण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही सबस्टेशन की एप्रोच रोड के शीघ्र सुधार के भी निर्देश दिए।

आगामी रबी सीजन की तैयारियों एवं ओपीजीडब्ल्यू नेटवर्क की समीक्षा–प्रमुख सचिव ऊर्जा ने जबलपुर एवं पिपरिया के मध्य स्थित इस महत्वपूर्ण सबस्टेशन के लोड प्रबंधन एवं वोल्टेज प्रोफाइल की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी रबी सीजन को ध्यान में रखते हुए किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अभी से आवश्यक तैयारियां पूरी की जाएं तथा संभावित लोड का पूर्वानुमान तैयार किया जाए। इस दौरान उन्होंने अधीक्षण अभियंता (टेस्टिंग) एन.एस. लोधी से एमपी ट्रांसको के ऑप्टिकल फाइबर ग्राउंड वायर (ओपीजीडब्ल्यू) नेटवर्क, उसके लीजिंग कार्य तथा संबंधित सेवा प्रदाताओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि ओपीजीडब्ल्यू नेटवर्क की उपलब्धता अधिकतम बनाए रखने क लिए सतत प्रयास किए जाएं, जिससे सेवा प्रदाताओं एवं उनके उपभोक्ताओं को बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध हो सके।

ये अधिकारी रहे उपस्थित

निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता (टेस्टिंग) एम.वाई. मंसूरी, अधीक्षण अभियंता (टेस्टिंग) एन.एस. लोधी, कार्यपालन अभियंता (टेस्टिंग) नरसिंहपुर रमेश सिंह, राजेश चतुर्वेदी तथा मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी नरसिंहपुर के अधीक्षण अभियंता नीलभ श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास से मनाया गया कजलियां पर्व

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

उमरिया नगर में परंपरागत कजलिया पर्व पूरे उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही नगर के विभिन्न क्षेत्रों से लोग कजलिया लेकर खलेसर घाट पहुंचने लगे। दिनभर घाट पर श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों की आवाजाही बनी रही और देखते ही देखते घाट पर पर्व का उत्साहपूर्ण माहौल दिखाई देने लगा।

शाम होते ही कजलिया पर्व की रौनक अपने चरम पर पहुंच गई। लोगों ने एक–दूसरे के कानों में कजलिया खोंसकर परंपरागत रूप से एक–दूसरे का आशीर्वाद लिया तथा सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों सभी में पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। खलेसर मोहल्ले में कजलिया पर्व विशेष उत्साह और पारंपरिक तरीके से मनाया गया।

लोगों ने आपस में मिलकर कजलिया की शुभकामनाएं दीं और बड़े–बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। शाम के समय एक–दूसरे से मिलने और कजलिया खोंसने की परंपरा के कारण मोहल्ले में विशेष चहल–पहल बनी रही। इसके अलावा उमरिया शहर के विभिन्न मोहल्लों में भी कजलिया पर्व पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया।

छात्राओं से छेड़खानी व अभद्रता के आरोप में सहायक शिक्षक निलंबित...एफआई दर्ज

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले के मानपुर विकासखंड स्थित शासकीय प्राथमिक शाला सुल्तानपुर के सहायक शिक्षक कोमलचंद गुप्ता को छात्राओं से छेड़खानी एवं अभद्रता के मामले में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी व्दारा सहायक शिक्षक को निलंबित करते हुए उनका मुख्यालय बीईओ कार्यालय मानपुर नियत किया गया है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देश पर शिक्षक के विरूध्द जांच की गई । जांच में में शिक्षक पर लगाए गए आरोप सही पाए गए तत्पश्चात थाना इंदवार में शिक्षक के विरुद्ध एफआईआर भी दर्ज कराई गई है।

मदीना दरबार कमेटी ने मरीजों को किये फल वितरित

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्म दिवस जश्न–ए–ईद मिलादुन्नबी के पावन अवसर पर मदीना दरबार कमेटी द्वारा समाजसेवा की एक अनूठी मिसाल पेश की गई। विगत दिवस कमेटी के सदस्यों ने शासकीय चिकित्सालय गाडरवारा पहुंचकर वहां भर्ती मरीजों को फल, बिस्किट और अन्य खाद्य सामग्री वितरित की। युवाओं ने मरीजों के जल्द स्वस्थ होने की दुआ की और उनका हालचाल जाना। इस अवसर पर युवाओं ने संकल्प लिया कि वे पैगंबर साहब के बताए हुए मानव सेवा और भाईचारे के मार्ग पर

चलते हुए आगे भी समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करते रहेंगे। इस मौके पर मदीना दरबार कमेटी के सभी सदस्यगण सहित मुस्लिम समाज के वरिष्ठजन एवं युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन 1 और 2 सितंबर को गाडरवारा में

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। स्कूल शिक्षा विभाग के वार्षिक खेल कैलेण्डर सत्र 2026–27 के अनुसार जिला स्तरीय शालेय फील्ड आर्चरी, आर्चरी एवं थ्रो–बॉल प्रतियोगिता (बालक/बालिका आयु वर्ग 14, 17, 19 वर्ष) का आयोजन 1 सितम्बर से 2 सितम्बर तक पी.एम.श्री शास. कन्या नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गाडरवारा में किया जा रहा है। इसके अलावा जिला स्तरीय रोलर स्केटिंग बालक/बालिका (11, 14, 17, 19 वर्ष) प्रतियोगिता का आयोजन 2 सितम्बर से 3 सितम्बर तक गाडरवारा के ही ?अशासकीय क्रेयान इंटरनेशनल स्कूल में किया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिताओं में जिले के विकासखंडो से स्कूली खिलाडी सहभागिता करेंगे।

खेलेगा भारत, जीतेगा भारत एनटीपीसी विंध्याचल ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल भावना और साइकिल रैली के साथ मनाया उत्सव

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल ने 29 अगस्त 2026 को फिट इंडिया की थीम च्खेलेगा भारत, जीतेगा भारतज्ञ के अंतर्गत राष्ट्रीय खेल दिवस उत्साह एवं खेल भावना के साथ मनाया। डॉ. बी. आर. अंबेडकर स्टेडियम में आयोजित समारोह का शुभारंभ हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। श्री किशोर कुमार होता, कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) तथा वरिष्ठ प्रबंधन टीम ने मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि दी। इसके पश्चात एनटीपीसी गीत एवं खेल प्रतिज्ञा का आयोजन किया गया। खेल प्रतिज्ञा अंग्रेजी में श्री किशोर कुमार होता द्वारा तथा हिंदी में श्री एम. सुरेश, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) द्वारा दिलाई गई। इस अवसर पर 200 से अधिक कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न आयु वर्गों में पुरुष एवं महिला 100 मीटर दौड़, पुरुष, महिला एवं मिश्रित रिले दौड़ तथा

मेंटरङ्कमेंटी रेस जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी फिटनेस, टीम भावना और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के समापन पर पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित कर विजेताओं को सम्मानित किया गया।

30 अगस्त 2026 को राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह का समापन एक ऊर्जावान साइकिल रैली के साथ हुआ। रैली का नेतृत्व श्री किशोर कुमार होता, कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल)ने किया। इसमें एनटीपीसी विंध्याचल के कर्मचारियों, उनके परिवारजनों एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली को संबोधित करते हुए श्री किशोर कुमार होता ने फिटनेस एवं स्वस्थ जीवनशैली को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नियमित शारीरिक गतिविधियां स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

इस अवसर पर डॉ. बी. के. भराली, महाप्रबंधक (चिकित्सा सेवाएं), श्री शिवप्रसाद, महाप्रबंधक (एफएम), सुश्री मृणालिनी, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन), श्री प्रणव वर्मा, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) तथा दक्षिण अफ्रीका से आए श्वस्यह्रूके प्रतिनिधियों ने भी साइकिल रैली में सहभागिता की।राष्ट्रीय खेल दिवस के इन आयोजनों ने एनटीपीसी विंध्याचल की स्वस्थ, सक्रिय, समावेशी एवं खेल–केंद्रित कार्यसंस्कृति के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। उत्साह, सहभागिता और खेल भावना से भरपूर इन कार्यक्रमों ने कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

जिले में अब तक औसत 777 मिमी वर्षा दर्ज

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले में एक जून से 30 अगस्त तक की अवधि में औसत रूप से कुल 777 मिमी वर्षा दर्ज की गयी है। 30 अगस्त की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसत शून्य मिमी वर्षा दर्ज की गई है। तहसीलदार भू– संसाधन एवं प्रबंधन से प्राप्त जानकारी के अनुसार 30 अगस्त तक तहसील नरसिंहपुर में 812 मिमी, गाडरवारा में 742, गोटेगांव में 879 मिमी, करेली में 722 मिमी और तेंदूखेड़ा में 730 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसत 1155 मिमी वर्षा हुई थी। इस अवधि में पिछले वर्ष तहसील नरसिंहपुर में 1079 मिमी, गाडरवारा में 1446 मिमी, गोटेगांव में 1062 मिमी, करेली में 999 मिमी और तेंदूखेड़ा 1189 मिमी वर्षा हुई थी।

कैलाश मानसरोवर मुक्ति संकल्प यात्रा का प्रथम अभूतपूर्व आयोजन

दिव्य, भव्य सफलता पर समिति एवं महादेव के भक्तों ने जताया आभार दिया धन्यवाद

कटनी (स्वतंत्रमत)। विदित हो कैलाश पर्वत, मानसरोवर झील को चीन के अवैध कब्जे से मुक्त करवाने के व्यापक लक्ष्य और उद्देश्य से भारत तिब्बत सहयोग मंच के द्वारा कैलाश मानसरोवर मुक्ति संकल्प यात्रा का 24 अगस्त दिन सोमवार को कटनी नगर में प्रथम आयोजन किया गया था। कटनी जिले के अनेक स्थानों से उप संकल्प यात्राएं, भजन मंडली कटनी पहुंची। कटनी के दुर्गा चौक खिरहनी से प्रारंभ उप संकल्प यात्रा में कैलाश पर्वत पर विराजमान महादेव भ्रमण करते हुए मुख्य संकल्प यात्रा स्थल भगवान जगन्नाथ स्वामी के मंदिर पहुंचे, भगवान जगन्नाथ स्वामी का पूजन कर मुख्य संकल्प यात्रा प्रारंभ होकर आजाद चौक, शेर चौक, लक्ष्मी नारायण मंदिर, खेरमाई मंदिर, सराफा बाजार, कपड़ा बाजार होते हुए सुभाष चौक पहुंची। वहाँ उपस्थित जन समूह ने हाथ जोड़कर भगवान महादेव से प्रार्थना की संकल्प लिया, संकल्प व्यक्त किया कि आप हमें इतनी बुद्धि, शक्ति, सामर्थ्य प्रदान करें कि हम चीन जैसे धूर्त, मक्कार, विस्तारवादी देश से आपके धाम को मुक्त करवा सकें। संकल्प पश्चात यात्रा दक्षिण मुखी हनुमान जी मंदिर पहुंची वहां महादेव, रुद्रावतार हनुमान जी की भव्य महाआरती हुई जिसमें नगर के हजारों लोगों ने सहभागिता की तत्पश्चात मधई मंदिर जाकर भगवान महादेव के चरणों में सबने अपना शीश नवाया और गरिमामयी यात्रा सकुशल संपन्न हुई।

संकल्प यात्रा में सबसे आगे घुड़सवार सनातन आस्था धर्म का केसरिया ध्वज लिए चल रहा था, उसके पीछे भारत तिब्बत सहयोग मंच की जानकारी देता हुआ संगठन रथ चल रहा था, उसके पीछे डीजे पर नगर के धर्मप्रेमी उत्साही सनातनी युवकों की टोलियां थिरक रही थी, भाव विभोर होकर महादेव का जय घोष कर रही थी, कैलाश मानसरोवर चीन के कब्जे से मुक्त हो, मान हमारा मानसरोवर चीन के अवैध कब्जे से मुक्त करवाना है कैलाश मानसरोवर के गगन भेदी नारे लगा रहे थे, उसके पीछे ढोल नगाड़ों की धमाल थाप पर भी सनातनी भक्तों की टोलियां थिरक रही थी, अनेक युवक केसरिया झंडा लहरा कर नारे लगा रहे थे, उसके पीछे राधा रानी सत्संग मंडल के सुमधुर भजनों पर नगर के आबाल-वृद्ध, नर-नारी सभी नाच गा रहे थे, साथ ही महादेव के रुद्र अवतार हनुमान जी एवं स्वयं महादेव गौरा पार्वती की आकर्षक झांकी और उनके नृत्य से यात्रा आभामय मन मोहक हो रहा था। पीले केसरिया वस्त्र पहने श्रद्धालुओं की टोलियों का दृश्य बड़ा ही आकर्षक था गायत्री शक्तिपीठ से जुड़े सृजन सैनिक श्री प्रफुल्ल सोनी के मार्गदर्शन में बहुत बड़ी संख्या में वातावरण को धर्म मय कर रहे थे जिले के बहोरीबंद, कैमोर, विजयराघवगढ़, कन्हवारा, चाका, पहाड़ी निवार, पिपरौंध, रीठी, हरदुआ, कैलवारा, पथई, शाहनगर और भी सुदूर ग्रामों से अनेक शिवभक्त संकल्प लेने हेतु यात्रा में सम्मिलित हुए थे, उनके पीछे शहर के अत्यंत वरिष्ठ गणमान्य नागरिक जन कैलाश मानसरोवर मुक्त हो का संदेश देते हुए चल रहे थे।

जिनमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघचालक डॉक्टर अमित साहू, जिला कार्यवाह संजय त्रिपाठी, विद्यार्थी परिषद के सीमांत दुबे, अरशद मंसूरी के साथ ही गिरिराज किशोर राजू पोद्दार पूर्व विधायक कटनी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भारत तिब्बत सहयोग मंच, जगदीश सिंह भदोरिया संयोजक संकल्प यात्रा, संत त्यागी विलायत कलॉ वीरेंद्र तिवारी शंख ध्वनि करते हुए चल रहे थे, दयाशंकर कनकने पूर्व मंत्री, रामदयाल गुप्ता जिला अध्यक्ष, वनवासी विकास परिषद के बाबू भाई सोधिया, राजेश बनवारी, पवन यादव पूर्व पार्षद, कमल मोहनानी, संजय आनंद, अखिलेश दुबे, ज्ञान सहजवानी, अखिल पांडे, प्रकाश पटेल, राजेश पटेल, शील कुमार बहरे, नरोत्तम तिवारी, संजय गुप्ता मेन रोड, पुत्तू दीक्षित, बबलू चौहदा, सागर ताम्रकार, दिलीप विश्वकर्मा, प्रताप सिंह राजपूत, अभय कनकने अनुराग पोद्दार, अर्पित पोद्दार पूर्व जिला उपाध्यक्ष भाजपा, राजेश पोद्दार, संजय अग्रवाल सराफ, श्रीकांत पोद्दार अधिवक्ता, ओजस पोद्दार दिव्यकांत गौतम, सुरेश रोचलानी पूर्व नेता प्रतिपक्ष नगर निगम, नंदू बरसानी, सुभाष पटेल, आशीष गुप्ता, अभिषेक ताम्रकार, अनिल सिंह भट्ट, शांतनु दत्ता, नीरज चौहदा, कमल कोटवानी, मुरारी जलोहा, देवानंद असरानी प्रियदर्शन बड़गैया अधिवक्ता, अरविंद गुप्ता स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन, पप्पू गुप्ता खाद वाले, नवीन गुप्ता, शैलेंद्र सिंह भदोरिया, सतीश सोनी गौ रक्षक, पंकज सरावगी, कवि अनिल मिश्रा, काशी पटेल, पंकज शर्मा, जिला संयोजक देश दिशा मंच, पंकज गुप्ता, दीपक सरावगी, महेंद्र शर्मा, एसके खर्द, आकाश गुप्ता, आशीष जैन, दिनकर गौतम, बच्चू निषाद पूर्व पार्षद जिला संयोजक हिंद रक्षक दल, प्रदीप गौतम जिला संयोजक किसान हित मंच, डॉक्टर साहू मानव अधिकार संघ, शैलेंद्र असाटी, दीपक तिवारी, कपिल मिश्रा, अशोक निषाद, राकेश चक्रवर्ती, दिनेश रजक, दिनेश चन पुरिया, प्रमोद सोनी, अजीत गुप्ता, सागर दहिया, धीरेंद्र दुबे, राहुल निषाद, गोलू निषाद, राकेश निषाद, रोहित निषाद, संतोष विश्वकर्मा, मेवाराम साहू, संतोष चतुर्वेदी, बसंत श्रीवास, सुशील सांई, नवीन बर्मन, रवि सिंह, मनोज साहू, नारायण बल्लू कच्छवाह, सुशील त्रिपाठी झझा महाराज, ब्रजकिशोर चतुर्वेदी नंदू, राजकुमार निगम, महेंद्र सिंह बघेल, अनिरुद्ध सोनी, सरमन तिवारी, छन्नू तिवारी, वेद प्रकाश त्रिपाठी, छेदीलाल पांडे, अशोक सोनी, शरद मिश्रा, राम सहाय पटवा, बंटी गुप्ता, ओमप्रकाश सोनी, जितेंद्र महरौलिया, पीके पांडे, अर्जुन त्रिपाठी, सतीश दुबे।

मातृशक्ति शशि यादव द्वारा यात्रा के संपूर्ण मार्ग को शंख ध्वनि से गुंजित किया गया। किरण पोद्दार अध्यक्ष लीनेस क्लब, रीता अग्रवाल, लता अग्रवाल, आशा सरावगी, मृदुला अग्रवाल, सिद्धि, प्रिया, विदुषी पोद्दार, अमिता श्रीवास, बबीता अग्रवाल, प्रमिला निषाद पूर्व पार्षद, भदोरिया, रामप्यारी निषाद, ममता खरे, उर्मिला गुप्ता, अनुसूइया पटेल, सुष्मिता तिवारी और भी उपस्थित अनेक श्रद्धालु जन संकल्प यात्रा को गरिमा प्रदान कर रहे थे। कैलाश पर्वत पर विराजमान स्वयं भूतनाथ भगवान महादेव एवं गणेश जी की सुंदर झांकी सभी को आशीर्वाद प्रदान करते हुए चल रही थी। कैलाश मानसरोवर मुक्ति संकल्प यात्रा के आयोजक संगठन भारत तिब्बत सहयोग मंच के द्वारा विशेष कर बच्चा पहलवान शंकर मंदिर समिति दुर्गा चौक देवी दुर्गा जी मंदिर समिति गायत्री परिवार शक्तिपीठ और विशेष रूप से बहुत ही सम्मान के साथ भगवान जगन्नाथ स्वामी मंदिर समिति के प्रमोद सरावगी, विजय ठाकुर, शिव सोनी, दक्षिण मुखी हनुमान जी समिति के राहुल उपाध्याय, बीआ महाराज, मधई मंदिर समिति के पुजारी बिहारी जी एवं गोयनका परिवार का भावपूर्ण आभार व्यक्त किया। हिंद रक्षक दल, किसान हित मंच, गौ सम्मान अभियान समिति, देश दिशा मंच, मारवाड़ी सेवा मंच, चंडिका मंदिर समिति के दिनेश तिवारी, रवि उरमालिया और विशेष कर नगर की गौरवशाली प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोशल मीडिया जो लगातार एक माह से भोलेनाथ की सेवा के कार्य को प्रचारित प्रसारित किए, नगर निगम, यातायात, पुलिस विभाग, एमआईसी सदस्य वरिष्ठ पार्षद सुभाष साहू शिब्बू, शासन, प्रशासन सभी के दिल खोलकर उन्मुक्त सहयोग के कारण ही संकल्प यात्रा का कार्य संपन्न हुआ सभी का आत्मीय आभार व्यक्त किया कि उनके सतत चिंतन, सतत सहयोग से ही महादेव का यह दिव्य कार्य, बड़ा संदेश देते हुए संपन्न हुआ।

मार्ग में अनेक स्थानों पर कैलाश पर्वत पर विराजमान भूत भावन महादेव का पूजन अर्चन किया गया विशेष रूप से विनय, विभा कंदेले, रश्मि बरसैंया, एडवोकेट तृप्ति ताम्रकार, झंडा बाजार में संजय अग्रवाल सराफ द्वारा भाव पूर्ण पूजन अर्चन करके प्रसाद वितरण किया गया। संकल्प यात्रा संयोजक जगदीश सिंह भदोरिया द्वारा सभी ज्ञात अज्ञात सहयोगी श्रद्धालुओं का आभार इस कामना के साथ किया गया की भगवान महादेव की अनवरत कृपा सभी पर बरसे। अगले वर्ष सावन मास में पुनः कैलाश मानसरोवर मुक्ति संकल्प यात्रा का आयोजन करने के निर्णय के साथ धन्यवाद बैठक संपूर्ण हुई। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गिरिराज किशोर राजू पोद्दार द्वारा भारत तिब्बत सहयोग मंच के तत्वाधान में 19 नवंबर से 25 नवंबर तक गुवाहाटी से प्रारंभ होने वाली तवांग तीर्थ यात्रा में सम्मिलित होने का अनुरोध किया गया।

फोटो : विकास गुप्ता

राष्ट्रपति ने कटनी के आरुष की कलाई पर बांधी राखी

सपनों को मिला देश की प्रथम नागरिक का आशीर्वाद

कटनी (स्वतंत्रमत)। एक छोटे से शहर का सपना जब देश के सर्वोच्च संवैधानिक भवन तक पहुंचता है, तो वह सिर्फ उपलब्धि नहीं रहता- वह प्रेरणा की कहानी बन जाता है। कटनी के सी.डब्ल्यू.एस.एन. छात्रावास, प्रेमनगर के प्रतिभाशाली छात्र आरुष सिंह के लिए राष्ट्रपति भवन में बीता यह पल कुछ ऐसा ही था। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में आरुष को राष्ट्रपति से मिलने का गौरव मिला। मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने स्वयं आरुष की कलाई पर राखी बांधी। स्नेह से भरा यह क्षण आरुष के लिए भावुक भी था और गौरवपूर्ण भी। राष्ट्रपति ने उसके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए उसे निरंतर मेहनत करने और एक उत्कृष्ट जूडो चैंपियन बनकर देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर कटनी आशीष तिवारी के निर्देशन में आरुष को मिला यह अवसर जिले की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

राष्ट्रपति भवन तक पहुंची आरुष की मेहनत की कहानी- आरुष की यह यात्रा अचानक नहीं बनी। इसके पीछे खेल के प्रति समर्पण और लगातार मेहनत की कहानी है। 14वीं नेशनल पैरा जूडो चैंपियनशिप-2025 में आरुष ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया था। श्रीगंगानगर, राजस्थान में 19 से 23 दिसंबर 2025 तक आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मिली यह सफलता कटनी और मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय बनी। मैट पर जीता गया वह सिल्वर मेडल अब आरुष को राष्ट्रपति भवन तक ले आया, जहां उसे देश की प्रथम नागरिक का स्नेह और आशीर्वाद मिला।

राखी के धागे में बंधा आशीर्वाद- राष्ट्रपति द्वारा आरुष की कलाई पर राखी बांधने का दृश्य उसके लिए जीवनभर याद रहने वाला बन गया। यह केवल रक्षाबंधन की रस्म नहीं थी। आरुष के लिए यह उसकी मेहनत की पहचान, उसके सपनों का सम्मान और आगे बढ़ने का आशीर्वाद था। राष्ट्रपति ने उसे प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वह इसी तरह मेहनत करता रहे और खेल के क्षेत्र में देश का गौरव बढ़ाए। इस आत्मीय मुलाकात ने आरुष के उत्साह को नई ऊर्जा दी। राष्ट्रपति भवन से प्रधानमंत्री संग्रहालय तक- ज्ञान और इतिहास की यात्रा। आरुष के दिल्ली प्रवास में राष्ट्रपति भवन की गौरवपूर्ण स्मृति के साथ इतिहास और विरासत से जुड़ने के अवसर भी मिले। उसने प्रधानमंत्री संग्रहालय, अमृत उद्यान और किला राय पिथौरा प्रदर्शनी का भ्रमण किया। इन स्थलों ने उसके दिल्ली प्रवास को केवल सम्मान यात्रा नहीं रहने दिया, बल्कि इसे ज्ञान, इतिहास और प्रेरणा से भरी यादगार यात्रा बना दिया।

आरुष के साथ खड़ा रहा कटनी का शिक्षा परिवार- इस ऐतिहासिक अवसर पर आरुष के मार्गदर्शन एवं सहयोग में अनिल त्रिपाठी, ए.पी.सी. (आई.ई.डी.), जिला शिक्षा केन्द्र, कटनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आरुष की उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी सच्चिदानंद पाण्डेय, जिला परियोजना समन्वयक प्रेमनारायण तिवारी, सहायक परियोजना समन्वयकगण, जिला शिक्षा केन्द्र के समस्त कर्मचारी, विकासखंड स्त्रोत केन्द्र समन्वयकगण, वार्डन, एम.आर.सी. एवं छात्रावास के कर्मचारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आरुष को बधाई एवं उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

ढीमरखेड़ा के शाहडार जंगल की सड़क पर टहलता दिखा बाघ

राहगीरों ने बनाया वीडियो, वन विभाग ने जारी की चेतावनी

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले की ढीमरखेड़ा तहसील अंतर्गत शाहडार के जंगलों में हिंसक वन्य जीवों की चहलकदमी लगातार बढ़ रही है। रविवार को शाहडार जंगल से गुजरने वाली मुख्य सड़क पर एक बाघ के आराम से टहलने का वीडियो सामने आया है, जिसके बाद से आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, सड़क से गुजर रहे कार सवार राहगीरों ने दूर से ही अपने मोबाइल में बाघ का वीडियो शूट कर लिया। बाघ कुछ देर तक सड़क पर टहलता रहा और फिर घने जंगल की ओर चला गया।

बांधवगढ़ और उमरिया सीमा से जुड़ा है कॉरिडोर

शाहडार का यह वन क्षेत्र उमरिया और प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की सीमाओं से सटा हुआ है। यही वजह है कि इस इलाके में बाघ और तेंदुओं की आवाजाही अक्सर बनी रहती है। हालांकि, अब वन्य जीवों के सीधे सड़कों पर आ जाने से स्थानीय लोगों की चिंताएं बढ़ गई हैं।

वन विभाग की गाइडलाइंस और अपील

मामले को गंभीरता से लेते हुए वन अमले ने क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है और लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी है। वन विभाग ने यात्रियों और ग्रामीणों के लिए सुरक्षा निर्देश जारी किए हैं:- रात की यात्रा से बचें: शाहडार जंगल वाले मार्ग पर रात के समय बाइक या खुले वाहनों से सफर न करें। उकसाने का प्रयास न करें: वन्य जीव सामने दिखने पर वाहन रोककर सुरक्षित दूरी बनाए रखें। हॉर्न न बजाएं और न ही उसे उकसाने की कोशिश करें।

सुरक्षा सर्वोपरि: वाहन के शीशे बंद रखें और वीडियो या फोटो बनाने के चक्कर में गाड़ी से बाहर निकलकर जान जोखिम में न डालें। वन विभाग ने साफ किया है कि किसी भी स्थिति में वन्यजीवों से दूरी बनाए रखना ही सुरक्षा की पहली शर्त है।

ट्रेन से गिरकर घायल हुए व्यक्ति को डायल-112 जवानों ने पहुँचाया अस्पताल

उमरिया (स्वतंत्रमत) - जिले के थाना पाली क्षेत्र में बीरसिंहपुर पाली स्टेशन पर गिरकर एक व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा हुआ है, पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल में दिनाँक 19॰08॰2026 को प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल थाना पाली में तैनात डायल-112 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112 स्टाफ प्रधान आरक्षक रोहित जाटव एवं पायलेट रविंद्र सिंह ने मौके पर पहुँचकर बताया कि ट्रेन से गिरकर एक व्यक्ति रेलवे स्टेशन पर घायल अवस्था में पड़े व्यक्ति को स्टेशन से उठाकर रोड तक लेकर आये और एफ.आर.व्ही. वाहन से सरकारी हॉस्पिटल पाली पहुंचाया गया। डायल-112 जवानों की तत्परता से घायल व्यक्ति को समय पर उपचार मिला।

हर 10-15 मिनट में गुल हो रही बिजली, निवार के ग्रामीण बेहाल

बार-बार ट्रिपिंग से घरेलू जीवन, पढ़ाई और सिंचाई प्रभावित

कटनी (स्वतंत्रमत)। निवार और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती और बार-बार ट्रिपिंग ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। ग्रामीणों का कहना है कि दिन-रात हर 10 से 15 मिनट में बिजली गुल हो जाती है और करीब आधे घंटे बाद सप्लाई बहाल होती है। लगातार बनी इस स्थिति से ग्रामीणों में विद्युत विभाग के खिलाफ नाराजगी बढ़ रही है। ग्रामीणों के मुताबिक भीषण गर्मी और उमस के बीच बार-बार बिजली जाने से बुजुर्गों, छोटे बच्चों और मरीजों को परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं बिजली के बारबार आने-जाने और वोल्टेज में उतार-चढ़ाव से पंखे, कूलर, टीवी, फ्रिज सहित अन्य विद्युत उपकरणों के खराब होने की शिकायतें भी सामने

आ रही हैं। बिजली की अनियमित आपूर्ति का असर किसानों और विद्यार्थियों पर भी पड़ रहा है। सिंचाई के लिए मोटर नहीं चल पाने से किसान परेशान हैं, जबकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

शिकायत पर अधिकारी के जवाब से बढ़ा आक्रोश

ग्रामीणों का कहना है कि समस्या को लेकर स्थानीय विद्युत सब-स्टेशन और अधिकारियों से कई बार शिकायत की जा चुकी है। हर बार तकनीकी खराबी या ओवरलोड का हवाला दिया जाता है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो रहा। ग्रामीणों के अनुसार विद्युत विभाग के अधिकारी अजय दहायक से समस्या को लेकर चर्चा की गई तो उन्होंने कथित तौर पर कहा, 'आपको जहां शिकायत करनी है, वहां शिकायत कर दीजिए, मैं किसी से नहीं डरता।' अधिकारी के इस कथित जवाब से ग्रामीणों में और नाराजगी है। ग्रामीणों ने विद्युत व्यवस्था में सुधार कर नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

वरिष्ठ पत्रकार एवं एल्डरमैन आशुतोष शुक्ला का निधन

पत्रकारिता और राजनीतिक जगत में शोक

कटनी (स्वतंत्रमत)।

कटनी के वरिष्ठ पत्रकार, नगर निगम एल्डरमैन एवं भाजपा मीडिया प्रभारी आशुतोष शुक्ला का रविवार को आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पत्रकारिता, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। परिजनों के अनुसार, अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल कटनी के एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। आशुतोष शुक्ला लंबे समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय थे और समाचार पोर्टल (यश भारत डॉट कॉम) के संपादक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। इसके साथ ही वे भारतीय जनता पार्टी के कटनी जिला मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी भी निभा रहे थे। हाल ही में मध्य प्रदेश शासन द्वारा उन्हें कटनी नगर निगम में एल्डरमैन नियुक्त किया गया था। उनके निधन की सूचना मिलते ही पत्रकार, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं शुभचिंतकों ने गहरा शोक व्यक्त किया। सभी ने उन्हें एक मिलनसार, सक्रिय और समर्पित व्यक्तित्व बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वतंत्रमत परिवार भी शुक्ला परिवार पर आए इस दुख में सहभागी है।

नशामुक्ति अभियान के बीच गांव में शराब का कारोबार

खरखरी में अवैध शराब के विरोध में चक्काजाम

पुलिस पहुंची मौके पर ग्रामीण बोले- कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन जारी रहेगा

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले में एक ओर नशामुक्ति अभियान चलाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर गांव-गांव अवैध शराब की बिक्री को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। इसी को लेकर ग्राम खरखरी में ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर अवैध शराब के खिलाफ चक्काजाम कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में लंबे समय से अवैध रूप से शराब बेची जा रही है। खुलेआम चल रहे इस कारोबार का असर युवाओं सहित अन्य लोगों पर पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि कई बार समस्या की ओर जिम्मेदारों का ध्यान दिलाया गया, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से हालात लगातार बने हुए हैं। चक्काजाम की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना अंतर्गत बस स्टैंड चौकी

क्षेत्र का पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने ग्रामीणों से चर्चा कर जाम समाप्त कराने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे। उनका कहना था कि जब तक अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने के लिए ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से गांव में अवैध शराब के कारोबार पर तत्काल रोक लगाने, जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने और खरखरी को नशामुक्त गांव बनाने की मांग की है।

कार्रवाई पर उठ रहे सवाल

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में लंबे समय से अवैध शराब का कारोबार कथित तौर पर फलफूल रहा है, लेकिन अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से स्थिति गंभीर हुई है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब नशामुक्ति अभियान चलाया जा रहा है तो गांवों में अवैध शराब की बिक्री पर प्रभावी रोक क्यों नहीं लग पा रही है। फिलहाल पुलिस की मौजूदगी में ग्रामीणों और प्रशासन के बीच बातचीत का दौर जारी रहा।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर खिलाड़ियों में उत्साह

कटनी (स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिले में "खेलेगा भारत, जीतेगा भारत" अभियान के तहत विभिन्न खेल गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय एनकेजे में मेजर ध्यानचंद की जयंती पर विद्यार्थियों ने कैरम, शतरंज, वॉलीबॉल, कबड्डी, रस्साकशी और 100 मीटर दौड़ सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। माधवनगर इंडोर हॉल खेल मैदान में वॉलीबॉल, योग और रस्साकशी प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। इस दौरान वरिष्ठ खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों सहित खेल प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। आर्डिनेंस खेल मैदान में रिले दौड़ प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें बालक और बालिका वर्ग की टीमों ने उत्साह से भाग लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी और मेडल प्रदान किए गए। आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों और खिलाड़ियों में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा दिया गया।

बरही में रात होते ही सक्रिय हो जाते हैं रेत के घाट!

टीपी से लेकर डंपिंग स्थल तक जांच की मांग

कटनी (स्वतंत्रमत)। बरही क्षेत्र में रेत के कथित अवैध उत्खनन और परिवहन को लेकर एक बार फिर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार दिन में शांत नजर आने वाले नदी घाट रात होते ही सक्रिय हो जाते हैं। आरोप है कि देर रात ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से रेत निकालकर आसपास के क्षेत्रों में डंप की जाती है और बाद में दिन के समय इसकी सप्लाई की जाती है। अमरपुर चौकी क्षेत्र के सिद्ध महाराज घाट (मुरगुड़ी), जाजागढ़, बिचपुरा और कनौर क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन को लेकर शिकायतें सामने आने की बात कही जा रही है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

टीपी से लेकर डंपिंग स्थल तक सवाल

पूरे मामले में ट्रांजिट पास (टीपी) को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि उमरिया जिले के बढ़छड़ क्षेत्र से कटनी या मैहर को गंतव्य दर्शाकर टीपी जारी कराई जाती है, जबकि स्थानीय स्तर पर पहले से डंप रेत की सप्लाई किए जाने की आशंका है। ऐसे में टीपी में दर्ज मात्रा, वाहन, ई-रवन्ना और वास्तविक गंतव्य का मिलान जांच का अहम बिंदु हो सकता है। स्थानीय सूत्रों का दावा है कि एक ही टीपी की आड़ में अलग-अलग वाहनों से रेत परिवहन किए जाने की शिकायतें भी हैं। यदि ऐसा है तो यह निर्धारित मात्रा से अधिक रेत परिवहन का मामला हो सकता है। इसकी पुष्टि के लिए दस्तावेजों और वाहनों की जांच जरूरी है। कटनी-उमरिया सीमा से जुड़े होने के कारण क्षेत्र में निगरानी और संयुक्त कार्रवाई की जरूरत भी महसूस की जा रही है। नदी घाटों के साथ संभावित डंपिंग स्थलों की जांच, वाहन नंबरों का सत्यापन, टीपी रिकॉर्ड और ई-रवन्ना का मिलान किया जाए तो पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकती है। शिकायतों और आरोपों के बाद अब सवाल यह है कि खनिज विभाग कब जांच शुरू करता है और बरही क्षेत्र में चल रहे कथित रेत कारोबार की वास्तविकता कब सामने आती है।

श्रीलंका से छिनी पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी

आईसीसी ने लगाया सरकारी दखल का आरोप, अब दूसरे देश में होगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली।

2027 में होने वाली पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी श्रीलंका से छिन गई है। आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट में सरकारी दखल को लेकर आपत्ति जताई है। अब 14 से 28 फरवरी तक होने वाला छह टीमों का टूर्नामेंट किसी दूसरे देश में खेला जाएगा।

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड का कामकाज फिलहाल सरकार की बनाई ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी देख रही है। आईसीसी के नियमों के मुताबिक सदस्य बोर्ड को सरकार के हस्तक्षेप के बिना स्वतंत्र रूप से काम करना होता है। एसएलसी ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी के सचिव प्रकाश शाफ्टर ने मेजबानी हटाए जाने की पुष्टि की है।

उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट श्रीलंका से बाहर होगा, लेकिन नए मेजबान का फैसला अभी नहीं हुआ है। आईसीसी श्रीलंका में जल्द चुनाव कराने और निर्वाचित क्रिकेट बोर्ड बहाल करने की मांग कर रहा है। ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी के प्रतिनिधियों को आईसीसी बोर्ड की बैठकों में शामिल होने की अनुमति भी नहीं है।

श्रीलंका की मेजबानी में 6 टीमें खेलनी थीं

महिला चैंपियंस ट्रॉफी 14 से 28 फरवरी 2027 तक टी-20 फॉर्मेट में खेला जाना है। इसमें 6 टीमें हिस्सा लेंगी। मेजबान होने के कारण श्रीलंका को सीधे टूर्नामेंट में जगह मिलनी थी। अब मेजबान बदलने के बाद उसकी भागीदारी पर भी सवाल खड़ा हो गया है। श्रीलंका फिलहाल महिला वनडे रैंकिंग में छठे स्थान पर है। आईसीसी ने अभी नई क्वालिफिकेशन व्यवस्था स्पष्ट नहीं की है।

मेजबानी जाने से टूरिज्म को भी नुकसान

टूर्नामेंट दूसरे देश में जाने से श्रीलंका को क्रिकेट के साथ आर्थिक नुकसान भी होगा। टीमों, अधिकारियों और दर्शकों के आने से होटल और पर्यटन कारोबार को फायदा मिलना था। ब्रॉडकास्टिंग और आयोजन से होने वाली कमाई का हिस्सा भी श्रीलंका को नहीं मिलेगा। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट के लिए मिलने वाले आयोजन से जुड़े अवसर भी खत्म हो जाएंगे। सरकारी दखल को लेकर श्रीलंका पहले भी आईसीसी की कार्रवाई झेल चुका है। 2023 में आईसीसी ने एसएलसी को निलंबित कर दिया था। इसके बाद 2024 मेंस अंडर-19 वर्ल्ड कप की मेजबानी भी श्रीलंका से छीनकर साउथ अफ्रीका को दे दी गई थी। अप्रैल 2026 में श्रीलंका सरकार ने बोर्ड का कामकाज अस्थायी तौर पर ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी को सौंपा था।

अभय सिंह ने मलेशिया में जीता 13वां पीएसए स्क्वैश टूर खिताब

नयी दिल्ली।

भारत के अभय सिंह ने रविवार को मलेशिया के सेरेम्बन में टुआंकू मुहरिज़ ट्रॉफी 2026 में पुरुषों का सिंगल्स टाइटल जीता। टॉप सीड अभय ने पीएसए चैलेंजर टूर 15 इवेंट के फाइनल में हांगकांग के तीसरी सीड हेनरी लेउंग को 3-2 (11-7, 6-11, 3-11, 11-5, 12-10) से हराया।यह जीत 27 साल के भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी का 13वां पीएसए टूर टाइटल और इस साल का उनका दूसरा टाइटल है, इससे पहले उन्होंने मार्च में मुंबई में इंडियन ओपन जीता था।दुनिया में 24वें नंबर पर काबिज अभय, भारत के सबसे ऊंचे रैंक वाले पुरुष खिलाड़ी हैं।यह अभय सिंह का तीसरा तुआंकू मुहरिज़ ट्रॉफी टाइटल भी था। उन्होंने इससे पहले 2022 और 2024 में यह टूर्नामेंट जीता था।इस साल ओपनिंग-राउंड बाई मिलने के बाद, अभय ने दूसरे राउंड में मलेशिया के लो वा सेर्न पर 3-1 (8-11, 11-2, 11-6, 11-2) से जीत के साथ अपने कैंपेन की शुरुआत की।दो बार के एशियन

गेम्स मेडलिस्ट ने फिर क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के मोहम्मद सयाफिक कमाल को 3-1 (11-4,11-13, 11-5, 11-5) से हराया।

उन्होंने एक और मलेशियाई, अमीशेनराज चंदरन को 72 मिनट के सेमी-फ़ाइनल में 3-2 (7-11, 11-9, 11-7, 7-11, 11-3) से हराकर टाइटल के लिए जगह बनाई।अभय, जिन्होंने हांगझाऊ 2023 में पुरुषों की टीम में गोल्ड और मिक्स्ड डबल्स में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता था, आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय स्क्वैश टीम का भी हिस्सा हैं।

उन्हें पुरुषों के सिंगल्स और टीम इवेंट्स में हिस्सा लेना है।इस बीच, रथिका सुथंथिरा सीलन और अनिका दुबे ने महिलाओं के सिंगल्स कॉम्पिटिशन में भारत को रिप्रेजेंट किया।दोनों राउंड ऑफ़ 16 में बाहर हो गईं।

रोजर फेडरर इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ़ फ़ेम में शामिल

न्यूपोर्ट। टेनिस के दिग्गज रोजर फेडरर ने न्यूपोर्ट, रोड आइलैंड में इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ़ फ़ेम में शामिल होने का जश्न मनाया।इस दौरान उन्होंने उस खेल के लिए एक प्रेम पत्र जैसा भाषण दिया जो उनके लिए सब कुछ था और वे अपनी भावनाओं (आंसुओं) को रोकते हुए नज़र आए।टेनिस के दिग्गजों, अपने परिवार और चाहने वालों के बीच, फेडरर ने शनिवार की शाम एक लंबा भाषण दिया - जिसने उनके शानदार करियर की बेहतरीन यादें ताज़ा कर दीं, लोगों को हंसाया और कई बार, खुद स्विस खिलाड़ी समेत कई लोगों की आँखों में आँसू ला दिए। ओलंपिक में गोल्ड और सिल्वर मेडल जीतने वाले खिलाड़ी ने कहा, यह मेरी ज़िंदगी के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है। इसे हॉल ऑफ़ फ़ेम कहा जाता है, लेकिन फ़ेम (प्रसिद्धि) कभी मेरा मकसद नहीं था।मेरा मकसद अपनी ज़िंदगी उस काम को करते हुए बिताना था जिसे मैं पसंद करता हूँ... और उन लोगों के साथ जो इसे उतना ही पसंद करते हैं ।

मेसी के 4 गोल से इंटर मियामी जीता

लीग में सीजन के टॉप गोल स्कोरर बने, 20 मल्टी गोल करने वाले फास्टेस्ट खिलाड़ी भी

नई दिल्ली।

लियोनेल मेसी के 4 गोल की मदद से इंटर मियामी ने सीएफ मॉन्ट्रियल को 7-1 से हरा दिया। मेजर लीग सॉकर में लगातार 5 मैच हारने के बाद मियामी को यह जीत मिली है। 39 साल के लियोनेल मेसी सात में से पांच गोल में शामिल रहे। उन्होंने चार गोल किए और लुइस सुआरेज को गोल करने में असिस्ट भी किया। मेसी ने इस सीजन के 19 मैचों में 18 गोल किए हैं। वे लीग के टॉप गोल स्कोरर बन गए हैं। उन्होंने एफसी

डलास के पीटर मूसा के 16 गोल को पीछे छोड़ा। साथ ही मेसी ने रूस्स के इतिहास में सबसे कम मैचों में 20 मल्टी गोल मुकाबले पूरे किए। उन्होंने सिर्फ 74 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की।

इंटर मियामी के लिए मेसी ने पहली बार एक मैच में 4 गोल किए। किसी भी लीग में उनकी यह परफॉर्मेंस 6 साल बाद आई है। इससे पहले फरवरी 2020 में उन्होंने ला लिगा में बार्सिलोना की ओर से एइबार के खिलाफ 4 गोल किए थे। उन्होंने करियर में 8वीं बार किसी मैच में 4 या उससे अधिक गोल किया है।

पहले हाफ में मेसी ने एक गोल किया

इंटर मियामी ने 20वें मिनट में बढ़त बनाई। तेलास्को सेगोविया के कॉर्नर पर कासेमिरो ने हेडर से गोल किया। यह क्लब के लिए कासेमिरो का पहला गोल था। 37वें मिनट में फैबियन हर्बर्स के गोल से मॉन्ट्रियल ने स्कोर 1-1 कर दिया।

इसके 3 मिनट बाद ही मेसी ने फ्री किक पर गोल कर मियामी को फिर बढ़त दिला दी। गेंद गोलकीपर थॉमस गिलियर से आगे जाने से पहले एक खिलाड़ी से टकराकर दिशा बदल गई। इस गोल के बाद दूसरे हाफ में मियामी ने लगातार हमले किए।

चोट के कारण रबाडा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ वनडे से बाहर

जोहानसबर्ग। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब बचाने की दक्षिण अफ्रीका की कोशिशों में अहम भूमिका निभाने की कैगिसो रबाडा की उम्मीदें उनकी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण अधर में लटकी हुई दिख रही हैं। वह पहले ही अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ होने वाली वनडे सीरीज़ से बाहर हो चुके हैं। 21 अगस्त को सीएसए ने कहा था कि रबाडा का विंटर ट्रेनिंग प्रोग्राम तब बाधित हो गया जब उन्हें इस हफ़्ते की शुरुआत में ट्रेनिंग के दौरान दाहिनी हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई।अभी प्रोटियाज़ की मेडिकल टीम उन पर नज़र रख रही है और आगे भी उनकी जांच की जाएगी। रविवार को अफ़्रीकी भाषा की वेबसाइट च्रैपोर्टज् ने एलन डोनाल्ड (जो लायंस टीम में रबाडा के बॉलिंग कोच हैं) के हवाले से कहा, हमारे फिजियो ने पुष्टि की है कि दाहिनी हैमस्ट्रिंग में ग्रेड-3 टियर (गंभीर चोट) के कारण वह 9 या 10 हफ़्ते तक खेल से दूर रहेंगे। इससे उस अस्पष्ट बयान में काफ़ी स्पष्टता आ गई।अगर यह सच है, तो रबाडा अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ दक्षिण अफ्रीका के तीन टेस्ट मैचों में से ज़्यादातर या सभी मैचों से बाहर हो सकते हैं।21 अगस्त से 10 हफ़्ते गिनने पर 16 अक्टूबर की तारीख आती है। सीरीज़ 9 अक्टूबर को किंग्समीड में शुरू होगी ।

एचडीएफसी बैंक के सीईओ शशिधर छोड़ेंगे पद

मुंबई। निजी क्षेत्र के प्रमुख ऋणदाता एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एमडी एवं सीईओ) शशिधर जगदीशन ने पद छोड़ने का फैसला किया है और निदेशक मंडल को पुनर्नियुक्ति की मांग नहीं करने के अपने फैसले के बारे में सूचित किया है। जगदीशन का मौजूदा कार्यकाल इस साल 26 अक्टूबर को पूरा हो रहा है।बैंक ने शेयर बाजार को बताया, आयोजित बैठक में निदेशक मंडल ने जगदीशन द्वारा पुनर्नियुक्ति की मांग नहीं करने संबंधी सूचना का संज्ञान लिया।उन्हें पुनर्नियुक्ति के लिए मनाने के प्रयासों के बावजूद जगदीशन ने अपने निर्णय को दोहराया कि वह पुनर्नियुक्ति की

मांग नहीं करेंगे।अतः वह 26 अक्टूबर 2026 को कारोबारी समय समाप्त होने के साथ बैंक की सेवाओं से सेवानिवृत्त हो जाएंगे। निदेशक मंडल ने बैंक के प्रति उनके समर्पण, नेतृत्व, बैंक के विकास एवं स्थिरता में उनके योगदान तथा कॉरपोरेट भारत में हुए सबसे बड़े विलयों में से एक के सफलतापूर्वक पूर्ण होने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं।निदेशक मंडल ने उनके उत्तराधिकारी के चयन और नियुक्ति की प्रक्रिया को तेज करने का निर्णय लिया है, ताकि यह प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा के भीतर सफलतापूर्वक पूरी की जा सके। भारत के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं केंद्र सरकार में वित्त सचिव रहे राजीव कुमार को एचडीएफसी बैंक ने अपना चेयरमैन नियुक्त किया है। एचडीएफसी बैंक में छह महीने के भीतर शीर्ष स्तर पर यह दूसरा बड़ा फेरबदल है।इससे पहले, तत्कालीन चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने 18 मार्च को अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

तेल आयात खर्च में 1.84 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी तनाव और अमेरिका-ईरान युद्ध की आहट केवल अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का विषय है नहीं है।खाड़ी देशों में दागी गई हर मिसाइल और समुद्र में फंसे हर तेल टैंकर का सीधा बिल आपकी जेब, रसोई के बजट और मासिक बचत से कटता है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर के ताजा विश्लेषण के अनुसार, मार्च से अगस्त 2026 के छह महीनों में होर्मुज संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में आए उछाल ने भारत के ईंधन आयात बिल में 22 अरब डॉलर यानी करीब 1.84 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त लागत जोड़ दी है।

जीडीपी के आंकड़े देंगे बाजार को दिशा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और अन्य घरेलू आंकड़े बाजार को दिशा देंगे। अगले सप्ताह सोमवार को जीडीपी के आंकड़े जारी होने हैं।इसके अलावा मंगलवार को विनिर्माण क्षेत्र के पीएमआई के आंकड़े और वाहनों की बिक्री के आंकड़े जारी होने हैं। सेवा क्षेत्र के पीएमआई के आंकड़े 03 सितंबर को जारी होंगे।ये सभी आंकड़े निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेंगे।इनके अलावा, वैश्विक कारकों का असर भी बाजार पर रहेगा।गत सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में मंगलवार और शुक्रवार को तेजी देखी गयी जबकि अन्य तीन दिन गिरावट के रहे।बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स सप्ताह के दौरान

276.32 अंक (0.36 प्रतिशत) गिरकर सप्ताहांत पर 77,264.51 अंक पर बंद हुआ।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 76.35 अंक यानी 0.31 प्रतिशत टूटकर 24,175.65 अंक पर आ गया।वृहत बाजार में तेजी देखी गयी।मिडकैप-50 सूचकांक में 0.47 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 0.51 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी रही। पीसी का शेयर 2.51 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 2.48, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 2.25, पावरग्रिड का 1.96 और बजाज फिनसर्व का 1.51 प्रतिशत फिसल गया।बजाज फाइनेंस में 1.48 प्रतिशत, एशियन पेंट्स में 1.45, मारुति सुजुकी में 1.43, आईटीसी में 1.41, एलएंडटी में 1.15 और एचडीएफसी बैंक में 1.03 प्रतिशत की गिरावट रही। ट्रेंट का शेयर 0.80 फीसदी, बीईएल का 0.67 और हिंदुस्तान यूनीलिवर का 0.33 प्रतिशत उतर गया।मुनाफे में रहने वालों में आईटी कंपनियों के शेयर दो से 5.2 प्रतिशत तक चढ़े।कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर 5.20 प्रतिशत, टेक महिंद्रा का 3.34 प्रतिशत, इंफोसिस का 2.11 प्रतिशत और टीसीएस का दो प्रतिशत मजबूत हुआ।टाटा स्टील में 1.97 फीसदी, इंडिगो में 1.76, टाइटन में 1.67, एक्सिस बैंक में 1.42 और सन फार्मा में 1.01 फीसदी की साप्ताहिक तेजी रही। भारतीय स्टेट बैंक का 0.06 और इटरनल का 0.05 प्रतिशत ऊपर रहा।

चीनी एक सप्ताह में 294 रुपये महंगी

सरसों तेल 162 रुपये चढ़ा

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चीनी 294 रुपये और सरसों तेल 162 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया।चावल, अधिकतर खाद्य तेल और दालों में भी तेजी रही। बीते सप्ताह मीठे के बाजार में गुड़ का औसत भाव 294 रुपये चढ़कर सप्ताहांत पर 5,911 रुपये प्रति क्विंटल रहा।इसमें पहले तीन दिन तेजी देखी गयी जबकि अंतिम तीन दिन कीमतों में उतार देखा गया।इससे पहले के सप्ताह में चीनी 777 रुपये महंगी हुई थी। गुड़ का भाव पिछले सप्ताह 310 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया।यह एक सप्ताह पहले 323 रुपये महंगा हुआ था।सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 31 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 4,134 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी।गेहूं 29 रुपये महंगा हुआ और 2,867 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।आटे का भाव भी 15 रुपये चढ़कर 3,325 रुपये प्रति क्विंटल हो गया।सप्ताह के दौरान उड़द दाल की औसत कीमत 44 रुपये और तुअर दाल की 35 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी।मूंग दाल 19 रुपये और चना दाल 17 रुपये महंगी हुई।वहीं मसूर दाल में आठ रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट देखी गयी।

शीर्ष 10 कंपनियों में 7 का मार्केट कैप घटा

एयरटेल-रिलायंस के निवेशकों को झटका

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में जारी नरमी ने देश की प्रमुख सूचीबद्ध कंपनियों के मूल्यांकन को प्रभावित किया है। बीते कारोबारी सप्ताह में शीर्ष 10 कंपनियों में सात के बाजार पूंजीकरण में संयुक्त रूप से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी दर्ज की गई। भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज की मार्केट कैप में सबसे बड़ी गिरावट रही।शेयर बाजार में लगातार बनी कमजोरी का असर देश की सबसे मूल्यवान 10 कंपनियों पर भी पड़ा है। बीते सप्ताह शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के संयुक्त बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 1.13 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। इस दौरान भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।

पिछले सप्ताह बीएसई का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 276.32 अंक यानी 0.35 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ।

वहीं, एनएसई का निफ्टी 76.35 अंक यानी 0.31 प्रतिशत कमजोर रहा।रिलायंस ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और शोध प्रमुख अजित मिश्रा ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार पिछले सप्ताह सतर्क रुख के साथ बंद हुए और हालिया गिरावट का सिलसिला जारी रहा। वैश्विक ब्याज दरों को लेकर चिंता, भू-राजनीतिक अनिश्चितता और नई क्लोजिंग ऑक्शन व्यवस्था से जुड़ी अस्थिरता ने निवेशकों के रुख को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों से मिले सकारात्मक संकेतों के बाद सूचना प्रौद्योगिकी शेयरों में जोरदार खरीदारी हुई, जिससे बाजार में तेजी से सुधार आया। हालांकि, प्रमुख सूचकांक लगातार तीसरे सप्ताह दबाव में रहे।

एयरटेल और रिलायंस का मार्केट कैप सबसे ज्यादा घटा

बीते सप्ताह भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 40,500.85 करोड़ रुपये घटकर 11,74,462.30 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप भी 40,056.32 करोड़ रुपये कम होकर 17,38,119.27 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक के बाजार पूंजीकरण में 11,558.35 करोड़ रुपये की कमी आई और यह घटकर 11,09,600.70 करोड़ रुपये रह गया। वहीं, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 10,086.05 करोड़ रुपये घटकर 6,70,535.57 करोड़ रुपये हो गया।

एफपीआई ने अगस्त में भारतीय पूंजी बाजार में किया 26,824 करोड़ रुपये का निवेश

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अगस्त के पहले चार सप्ताह में 30 अगस्त तक भारतीय पूंजी बाजार में 26,824 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। शुद्ध निवेश बाजार में लगाई गयी पूंजी और बाजार से निकाली गयी पूंजी का अंतर है।यह लगातार तीसरा महीना है जब एफपीआई बाजार में लिवाल रहे हैं।इससे पहले जुलाई में उन्होंने 40,031 करोड़ रुपये का निवेश किया था।जून में उनका निवेश 4,669 करोड़ रुपये रहा था। केंद्रीय डिपॉजिटरी सेवा के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने अगस्त में इक्विटी में अपना निवेश 30,919 करोड़ रुपये बढ़ा दिया। वहीं, डेट, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड उपकरणों से उन्होंने शुद्ध रूप से निकासी की यानी इनमें उनका निवेश घट गया।एफपीआई ने अगस्त में डेट से 1,403 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की।म्यूचुअल फंड में उनका निवेश 52 करोड़ रुपये कम हो गया।हाइब्रिड उपकरणों में भी उन्होंने 2,640 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की।एफपीआई ने इस साल अब तक भारतीय पूंजी बाजार से 1,46,018 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है।इसमें अकेले इक्विटी में उनका निवेश 2,23,154 करोड़ रुपये कम हुआ है।डेट और म्यूचुअल फंड में वे शुद्ध रूप से लिवाल रहे हैं जबकि हाइब्रिड उपकरणों में उन्होंने बिकवाली ज्यादा की है।

देश में तेजी से आगे बढ़ रहा है नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान :मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 137वें संस्करण का प्रसारण

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश के युवाओं को किसी भी प्रकार के नशे के सेवन से बचाने और नशे की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान की सराहना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि सबके सहयोग से पूरे देश में यह अभियान बड़ी तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह अभियान 2 अगस्त से पूरे देश में प्रारंभ हो चुका है। अभियान 100 सप्ताह तक लगातार चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत नागरिकों विशेषकर युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित कर उन्हें संकल्पित कराया जा रहा है। अभियान के तहत प्रत्येक रविवार को समाज सेवा और जन-जागरूकता से जुड़ी विशेष गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रविवार को प्रसारित हुए लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 137वें संस्करण में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान का जिक्र किया। उन्होंने देश के सभी युवाओं से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता करने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे युवा साथी वर्तमान जनरेशन की अभिरूचि के अनुसार रोचक कैम्पेन कंटेंट, प्ले, स्लोगन्स, जिंगल्स, सांग्स, क्रियेटिव्स, ग्राफिक्स आदि बनाकर इस अभियान को और भी गति दे सकते हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान इस समय पूरे देश में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसका लक्ष्य बिल्कुल साफ है -नशा मुक्त युवा, ड्रग फ्री इंडिया। बहुत सारे लोग, विशेषकर हमारे युवा बहुत बड़ी संख्या में इसका हिस्सा बन रहे हैं। आखिर यह भारत के युवाओं की हेल्थ, उनकी हैप्पीनेस और उज्ज्वल भविष्य के लिए ही हमारा सामूहिक संकल्प है।

नशे से दूरी कार्यक्रम में सबकी भूमिका जरूरी

उन्होंने कहा कि नशे की लत सिर्फ एक व्यक्ति को प्रभावित नहीं करती , इसके दुष्परिणाम पूरे परिवार और समाज को भी झेलने पड़ते हैं। मैं उन लोगों की सराहना करूंगा जो ड्रग्स के खिलाफ दूसरों को जागरूक करते हैं और नशे की लत से जूझ रहे लोगों की मदद में आगे आते हैं।

नशा मुक्त भारत के लिए क्या आप कोई पॉवरफुल स्लोगन बना सकते हैं? क्या हमारे यंग म्युजिशियन्स ऐसे सांग्स बना सकते हैं, जिनमें ड्रग फ्री लाइफ का मैसेज हो? क्या स्टूडेंट्स और थियेटर ग्रुप्स दिल को छू लेने वाले शॉर्ट प्ले लिख सकते हैं, जिनमें ड्रग्स के खतरों के साथ-साथ उनसे बाहर निकलने का रास्तों का जिक्र भी हो। हमारे देश में बेहतरीन कंटेंट क्रियेटर्स की कमी नहीं हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने युवाओं से आग्रह करते हुए कहा कि वे अलग-अलग भाषाओं में ऐसा कंटेंट बनाएं, जिससे इस दिशा में समाज को मदद मिले। आप अपने प्रयासों को हैशटैग के साथ सोशल मीडिया पर भी जरूर शेयर करें। कई बार क्रियेटिव एफर्ट फॉरमल कैम्पेन से भी ज्यादा असरदार होते हैं। आइए, भारत के युवा को नशे से दूर रखने, नशे से मुक्त रखने, इस पवित्र कार्य में हम सब अपनी भूमिका निभाएं। आप अपने प्रयास को नशा मुक्त युवा के साथ सोशल मीडिया पर भी जरूर शेयर करें।

प्रदेश के लगभग 1 लाख 22 हजार विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए मिलेंगे 25-25 हजार रुपये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 1 सितंबर को 304 करोड़ 98 लाख 50 हजार रुपये से अधिक की राशि का करेंगे अंतरण

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत या अधिक अंक पाने वाले प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों का आधुनिक तकनीक से जुड़ने का सपना जल्द ही पूरा होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के लगभग 1 लाख 22 हजार विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए 25-25 हजार रुपये की राशि का अंतरण करेंगे। विद्यार्थियों को यह राशि 1 सितंबर को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में आयोजित लैपटॉप क्रय के लिये राशि वितरण कार्यक्रम के दौरान प्रदान की जाएगी।

प्रदेश सरकार द्वारा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें डिजिटल तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना चलाई जा रही है। इसके अंतर्गत कक्षा 12वीं की परीक्षा में पहले ही प्रयास में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को लैपटॉप खरीदने के लिए 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा का संबल

प्रदेश सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत इस वर्ष प्रदेश के लगभग 1 लाख 22 हजार विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है। प्रत्येक विद्यार्थी के खाते में 25 हजार रुपये की राशि अंतरित की जाएगी। इस प्रकार विद्यार्थियों को कुल 304 करोड़ 98 लाख 50 हजार रुपये से अधिक की राशि का अंतरण किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार की यह पहल प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लैपटॉप के माध्यम से विद्यार्थी ऑनलाइन अध्ययन, डिजिटल पाठ्य सामग्री, ई-लर्निंग और अन्य तकनीकी संसाधनों का उपयोग कर अपनी शिक्षा को और बेहतर बना सकेंगे।

अनुविभागीय अधिकारी हटा ने पटेरा क्षेत्र में शासकीय स्कूलों का किया निरीक्षण

दमोह (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी हटा राकेश मरकाम ने पटेरा ब्लॉक के विभिन्न शासकीय विद्यालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्राथमिक शाला बर्रटए प्राथमिक शाला फ्तेहपुर एवं हाईस्कूल धनगंवा पहुंचकर विद्यालयों की व्यवस्थाओं, शिक्षकों की उपस्थिति, साफ सफाई एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कुछ विद्यालयों में शिक्षक अनुपस्थित पाए गए। एसडीएम श्री मरकाम ने संबंधित शिक्षकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। विद्यालयों में पर्याप्त साफसफाई नहीं पाए जाने पर संबंधित प्राचार्यों को नियमित रूप से स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने विद्यालयों में बच्चों की कम उपस्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा विद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक वातावरण के साथ बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार पटेरा मानसी अग्रवाल भी उपस्थित रहीं।

व्यारमा नदी में बाढ़ की स्थिति का लिया जायजा

दमोह (स्वतंत्र मत)। हटा एसडीएम राकेश मरकाम ने पटेरा ब्लाक के बर्रट में व्यारमा नदी पुल से निरीक्षण कर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। सुरक्षा के लिहाज से पुल पर वेरिकेटिंग कर कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई ताकि बाढ़ की स्थिति मे राहगीर, वाहन चालक पुल पार न करें। लोक निर्माण विभाग, पुलिस और ग्राम कोटवार को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। एसडीएम ने बताया कि सांजली और पंचमनगर बांध के गेट खोले जाने से सुनार और व्यारमा नदी का जल स्तर बड़ा है, निरीक्षण कर आवश्यक ड्यूटी सुनिश्चित की गई है। किसी प्रकार की कोई दुर्घटना या हताहत की संभावना फिलहाल नहीं है, स्थिति पर नजर बनाए रखने के लिए कंट्रोल रूम की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने आम जनमानस से अपील कि पुल पर पानी होने की दशा में पुल पार न करें।

नरेला रक्षाबंधन महोत्सव बना विश्व का सबसे बड़ा राखी महोत्सव : विश्वास कैलाश सारंग

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति का वह पावन पर्व है, जिसमें एक धागा रिश्ते की परिभाषा को रक्त संबंधों से आगे ले जाकर विश्वास, कर्तव्य, सुरक्षा, सम्मान और आत्मीयता से जोड़ देता है। कलाई पर बंधने वाला रक्षासूत्र आकार में भले ही छोटा हो, लेकिन उसके भीतर निहित भावनाएं अनंत होती हैं। यही कारण है कि हजारों वर्षों की यात्रा के बाद भी रक्षाबंधन आज भारतीय जनमानस में उतनी ही श्रद्धा और आत्मीयता के साथ जीवंत है। सनातन संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यहां पर्व केवल उत्सव नहीं होते, वे जीवन दर्शन के वाहक होते हैं। प्रत्येक पर्व मनुष्य को स्वयं से, परिवार को समाज से और समाज को अपनी संस्कृति से जोड़ता है। रक्षाबंधन भी इसी महान परंपरा का पर्व है जो हमें याद दिलाता है कि रिश्ते अधिकार से नहीं, विश्वास और जिम्मेदारी से मजबूत होते हैं। इसी सांस्कृतिक और सामाजिक भावना को केंद्र में रखकर 18 वर्ष पूर्व नरेला में रक्षाबंधन महोत्सव प्रारंभ किया था। तब मेरा केवल एक ही उद्देश्य था कि हर बहन को यह विश्वास दिलाना कि मैं उनका भाई हूं, उनका रक्षक हूं और उनके जीवन में खुशियां लाने के लिए सदैव समर्पित रहूंगा। आज वही भावना एक सामाजिक उत्सव का रूप ले चुकी है। हर वर्ष लाखों बहनें मुझे रक्षासूत्र बांधकर आशीर्वाद प्रदान करती हैं। पिछले वर्ष 1 लाख 84 हजार 632 बहनों ने रक्षासूत्र बांधकर अपना आशीर्वाद प्रदान किया। यह संख्या केवल एक रिकॉर्ड नहीं है। यह लाखों बहनों के विश्वास, स्नेह और आत्मीयता की अभिव्यक्ति है। इसी अपार स्नेह ने नरेला रक्षाबंधन महोत्सव को विश्व के सबसे बड़े रक्षाबंधन महोत्सव के रूप में पहचान दिलाई है। लेकिन किसी भी आयोजन की वास्तविक सफलता उसके आकार से नहीं बल्कि समाज पर उसके प्रभाव से तय होती है। नरेला के इस महोत्सव की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि अब यह पर्व केवल नरेला परिवार तक सीमित नहीं रहा बल्कि भोपाल की अन्य विधानसभाओं की बहनें भी बड़ी संख्या में मुझे रक्षासूत्र बांधती हैं।

इस पर्व ने जनप्रतिनिधि और जनता के बीच औपचारिक संबंधों की सीमाओं को पार कर एक परिवार जैसा आत्मीय रिश्ता निर्मित किया है। जब कोई बहन राखी बांधती है, तो वह केवल एक धागा नहीं बांधती। वह अपने भाई की कलाई पर अपना विश्वास रखती है। वह यह उम्मीद रखती है कि आवश्यकता के समय उसका भाई उनके साथ है। आज नरेला विधानसभा की पहचान एक विधानसभा के रुप में नहीं बल्कि नरेला परिवार के रुप में है। यहां हर हिन्दू पर्व केवल परंपरा नहीं बल्कि उत्सव और उल्लास की जीवंत धारा बनकर बहता है। नरेला परिवार की हर बहन मेरी शक्ति है, मेरी प्रेरणा है और मेरी विजय का प्रतीक है। बहनों मैं यह वचन देता हूं कि जब तक मेरे जीवन में श्वास है, जब तक मेरे कर्म में शक्ति है, तब तक हर बहन की रक्षा, सम्मान, सशक्तिकरण और स्वाभिमान के लिए मैं सदैव समर्पित रहूंगा।

निजी भूमि के ऊपर विद्युत लाइन निकालने का आरोप

किसानों ने विद्युत विभाग और एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हटा (स्वतंत्र मत)।

ग्राम बोरीखुर्द के कास्तकार आलोक श्रीवास्तव ने अपनी निजी भूमि के ऊपर से बिना सहमति विद्युत लाइन निकाले जाने का आरोप लगाते हुए मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के सहायक अभियंता को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने विद्युत लाइन का कार्य तत्काल रोकने और लाइन को अन्य उपयुक्त स्थान से निकालने की मांग की है।

मामले की प्रतिलिपि एसडीएम हटा को भी सूचनार्थ एवं उचित कार्रवाई के लिए सौंपी गई है। आलोक श्रीवास्तव के अनुसार ग्राम बोरीखुर्द स्थित उनकी भूमि खसरा नंबर 2/2/1/2 में है जिसका रकबा 0.0358 हेक्टेयर एवं 0.0342 हेक्टेयर बताया गया है। उनका

कहना है कि मुख्य मार्ग से लगी उनकी बेशकीमती निजी भूमि के ऊपर से बिना सहमति विद्युत लाइन निकालने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने ज्ञापन में कहा कि विद्युत लाइन निकलने से उनके संपत्ति संबंधी अधिकार प्रभावित होंगे। साथ ही भविष्य में भूमि पर भवन अथवा अन्य निर्माण किए जाने की स्थिति में सुरक्षा संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं और उन्हें आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। आवेदक का आरोप है कि उन्होंने विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कार्य रोकने की मांग की लेकिन इसके बावजूद काम जारी रहा। उन्होंने विद्युत लाइन की स्वीकृति और कार्य से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध नहीं कराए जाने की भी शिकायत की है।

आलोक श्रीवास्तव ने मांग की है कि उनकी निजी भूमि के ऊपर से निकाली जा रही विद्युत लाइन के कार्य पर तत्काल रोक लगाई जाए और लाइन को किसी अन्य उपयुक्त स्थान से निकाला जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि शिकायत पर उचित कार्रवाई नहीं होने की स्थिति में वे अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सक्षम न्यायालय की शरण लेंगे।

बताया गया है कि सुजीत सराफएवं अमन खान ने भी निजी भूमि के ऊपर से विद्युत लाइन निकालने को लेकर इसी प्रकार की शिकायत दर्ज कराई है। किसानों ने विद्युत लाइन शिफ्ट करने की मांग करते हुए विद्युत विभाग के साथ ही एसडीएम हटा को भी ज्ञापन सौंपा है।

शराब के लिए पैसे नहीं दिए तो मंदिर में तोड़फोड़, मामला दर्ज

हटा (स्वतंत्र मत)। थाना हटा क्षेत्र के ग्राम रोड़ा में शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर मणि माता मंदिर में तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। शिकायत के अनुसारए 28 अगस्त की रात गांव के कुछ लोग मणि माता मंदिर के पास खड़े थे। इसी दौरान गांव का नरेंद्र अहिरवार वहां पहुंचा और शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगा। लोगों द्वारा पैसे देने से मना करने पर आरोपी ने विवाद शुरू कर दिया। आरोप है कि नरेंद्र ने लोगों को धक्का देकर मंदिर की ओर जाकर गेट का ताला तोड़ दिया और अंदर घुसकर देवी मां की प्रतिमा पलट दी। साथ ही माता की चुनरी फाड़ने और मंदिर के अंदर लगे टाइल्स को नुकसान पहुंचाने का भी आरोप है। ग्रामीणों द्वारा रोकने पर आरोपी ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी।

नरसिंहगढ़ में 50 लाख की लागत से निर्मित होगा सामूदायिक भवन

राज्यमंत्री लखन पटेल ने किया भूमिपूजन

दमोह (स्वतंत्र मत)।

नरसिंहगढ़ में लगभग 6 हजार वर्गफीट क्षेत्र में सार्वजनिक उपयोग के लिए एक बड़े हॉल एवं कमरों का निर्माण किया जाएगा। इस भवन का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को विवाह आयोजन के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराना है। ऐसे परिवार जो निजी शादी घर या गार्डन का खर्च वहन नहीं कर सकते, वे यहां अपने पारिवारिक कार्यक्रम आयोजित कर सकेंगे। इसके साथ ही भवन का उपयोग सामाजिक बैठकों, बड़े सामुदायिक कार्यक्रमों एवं अन्य सार्वजनिक आयोजनों के लिए भी किया जा

सकेगा। इस आशय के विचार आनंद विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल ने ग्राम नरसिंहगढ़ में 50 लाख की लागत से निर्मित होने वाले शादी घर के भूमिपूजन के दौरान आमजन को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। राज्यमंत्री ने कहा कि नरसिंहगढ़ एक बड़ा केंद्र होने के बावजूद यहां बड़े सामाजिक कार्यक्रमों एवं बैठकों के लिए पर्याप्त सार्वजनिक स्थान उपलब्ध नहीं था। प्रस्तावित भवन के निर्माण से इस कमी को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से आने वाली पीढ़ी के भविष्य को ध्यान में रखते हुए विकास और सार्वजनिक सुविधाओं को लेकर सामूहिक रूप से विचार करने का आह्वान किया। उन्होंने गांवों में सार्वजनिक रास्तों पर अतिक्रमण और निर्माण की समस्या की ओर भी ध्यान आकर्षित किया।

मुक्तिधाम में हरियाली की मुहिम तेज

पौधारोपण के साथ संरक्षण का संकल्प

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर के गौरीशंकर मुक्तिधाम में रविवार सुबह पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को लेकर मुक्तिधाम सेवा समिति के बैनर तले पौधारोपण एवं श्रमदान अभियान चलाया गया। एक दर्जन से अधिक समाजसेवियों ने मुक्तिधाम परिसर की साफ सफाई कर पौधों की देखभाल करते हुए इसे हरित धाम बनाने का संकल्प लिया। अभियान के दौरान परिसर से कचरा और खरपतवार हटाया गया तथा पूर्व में लगाए गए पौधों की गुड़ाई निंदाई और सिंचाई की गई। समाजसेवियों ने कहा कि पौधा लगाना आसान हैए लेकिन उसे पेड़ बनने तक संरक्षित करना ही वास्तविक पर्यावरण सेवा है। समाजसेवी कामता तंतुवाय ने बताया कि

बरसात के मौसम में अधिक से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस दौरान फलदार पौधों के साथ खुशबूदार और औषधीय पौधे भी लगाए जा रहे हैं। राजकुमार राय ने बताया कि नए पौधों की सुरक्षा के लिए ट्रीगार्ड लगाए गए हैं। डॉ. वीरेंद्र मोदी ने कहा कि मुक्तिधाम में प्रतिदिन अंतिम संस्कार होते हैं, ऐसे स्थान पर हरियाली वातावरण को शुद्ध करने के साथ लोगों को मानसिक शांति भी प्रदान करती है। समाजसेवियों का संदेश है कि पौधे केवल लगाए नहीं जाएं बल्कि उन्हें पेड़ बनने तक पालने की जिम्मेदारी भी निभाई जाए ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए गौरीशंकर मुक्तिधाम को एक हरित और स्वच्छ धाम बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान : 33 ग्राम पंचायतों में अधिकारियों ने किया स्कूल,आंगनबाड़ी एवं शासकीय कार्यालयों का निरीक्षण

पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाना शासन की प्राथमिकता

दमोह (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की महत्वाकांक्षी पहल जन विश्वास अभियान के अंतर्गत 29 अगस्त को बटियागढ़ में शिविर आयोजित किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना तथा ऐसे पात्र नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना है जिन्हें पात्र होने के बावजूद किसी कारणवश योजनाओं का लाभ प्राप्त नहीं हो पा रहा है। आनंद विभाग के राज्यमंत्री लखन पटेल ने कहा कि अभियान के तहत शिविरों के माध्यम से योजनाओं के हितलाभ का वितरण किया जा रहा है, साथ ही पात्र हितग्राहियों के आवेदन प्राप्त कर उन्हें अधिक से अधिक योजनाओं से लाभान्वित करने की कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान के अंतर्गत जिले में कुल 23 शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इस प्रकार प्रत्येक विकासखंड में औसतन लगभग तीन शिविर आयोजित कर आमजन तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।

राज्यमंत्री ने कहा जन विश्वास अभियान के दौरान प्रशासनिक अधिकारी मैदानी स्तर पर निरीक्षण भी कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शासन की संचालित योजनाओं का वास्तविक लाभ समाज के अंतिम छोर पर बैठे आम नागरिक तक पहुंच रहा है या नहीं। अभियान के माध्यम से

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा बटियागढ़ शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों की समरी तैयार की जाएगी। इसमें प्राप्त आवेदनों की संख्या, तत्काल निराकृत प्रकरणों तथा ऐसे प्रकरणों का पृथक विवरण तैयार किया जाएगा जिनके निराकरण में कुछ समय लग सकता है। सभी आवेदनों की प्रगति एवं निराकरण की विस्तृत रिपोर्ट भी उपलब्ध कराई जाएगी।

सेवाओं के लिए लगाए गए स्टॉल

कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कहा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शासन का प्रयास है कि कोई भी पात्र व्यक्ति शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य से बटियागढ़ जनपद पंचायत की 33 ग्राम पंचायतों को अभियान में सम्मिलित किया गया।

जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की टीमों ने इन ग्राम पंचायतों में पहुंचकर स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्र एवं शासकीय कार्यालयों का निरीक्षण किया और योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। कलेक्टर ने कहा कि निरीक्षण के माध्यम से यह जानकारी प्राप्त की गई कि शासन की योजनाओं का लाभ धरातल पर आमजन तक किस प्रकार पहुंच रहा है तथा कहां सुधार की आवश्यकता है। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार एवं पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए।

गोहलपुर थाना क्षेत्र में वारदात, आरोपियों की तलाश

महिला का मोबाइल छीनकर भागे बदमाश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोहलपुर थाने में बीती रात जानवी मूलचंदानी उम्र 38 वर्ष निवासी नंदन विहार कालोनी गोहलपुर ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह रेडीमेड गारमेंट्स का व्यवसाय करती है। 28 अगस्त की शाम वह गली नम्बर 21 शांतिनगर से पैदल गली नम्बर 20 शांतिनगर की ओर जा रही थी। जैसे ही वह शांतिनगर गली नम्बर 20 के कार्नर पर पहुंची तभी एक्टिवा में 2 लड़के आये तथा पीछे बैठे लड़के ने झपट्टा मारते हुये उसके हाथ से उसका वीवो कम्पनी का मोबाइल छीनकर भाग गये। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

बरेला थाना क्षेत्र की घटना, जांच हुई शुरू

सड़क दुर्घटना में घायल वयक्ति की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सड़क दुर्घटना में घायल एक वयक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस मामले में बरेला थाने में दोपहर के समय में छोटेलाल बर्मन निवासी ग्राम कल्याणपुर थाना कुण्डम ने सूचना देकर बताया कि उसका भाई रामलाल बर्मन उम्र 42 वर्ष मनेरी फैक्ट्री में काम करता था। 29 अगस्त की रात उसे सूचना मिली कि पहाड़ीखेड़ा में सड़क दुर्घटना में घायल होने से भाई रामलाल बर्मन की मृत्यु हो गयी है। बरेला थाने की पुलिस ने सूचना पर मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है ।

27वें महाकौशल खेल रत्न अलंकरण समारोह में सम्मानित हुए प्रदेश के खिलाड़ी

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर महाकौशल क्रीड़ा परिषद द्वारा किया गया आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र में खेल क्षेत्र की अग्रणी खेल संस्थान महाकौशल क्रीडा परिषद द्वारा हॉकी खेल के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस 29 अगस्त खेल दिवस के अवसर पर खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त खिलाड़ी, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान, अर्जुन अवार्डी संध्या अग्रवाल बॉडीबिल्डिंग खेल में मिस्टर वर्ल्ड के खिताब विजेता पदम् प्रेमचंद ढींगरा, पावरलिफ्टिंग खेल में कीर्तिमान स्थापित करने वाले स्ट्रांग मैन ऑफ इंडिया का खिताब अर्जित करने वाले इंडियन हल्क अमनप्रीत सिंह सोनी, इंडियन आइडियल के फर्स्ट रनरअप तनिष्क शुक्ला, डॉ पुष्पराज पटेल, संजय सिन्हा की मौजूदगी में फुटबॉल खेल के स्व. पीटर थंगराज ओलंपियन अर्जुन अर्वाडी को मरणोपरांत महाकौशल खेल शिरोमणि अलंकरण प्रदान किया गया, जो कि उनके पुत्र एवं अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी हरी एंथोनी पीटर ने ग्रहण किया।

मेजर ध्यानचंद को भारत रत्न देने का प्रस्ताव

इसी प्रकार स्नूकर खेल में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त करने के कारण हरीश गांधी को खेल शिरोमणि के सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अतिथियों के साथ आयोजन समिति के बाबू विश्वमोहन, रजत भार्गव, राजेश जैन पिंकी, रवि पटेल, एड अशोक गुप्ता, अभिनव जैन मंचासीन रहे। अतिथियों ने भगवान श्री हनुमान के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात समवेत स्वरों में राष्ट्रगान किया गया। मानस भवन के खचाखच भरे सभागृह में मेजर ध्यानचंद को भारत रत्न दिए जाने हेतु प्रस्ताव रखा गया जिसे सर्वसम्मति से ताली बजाकर अनुमोदित किया गया।

खिलाड़ियों को स्टेरॉयड से दूर रहने की सलाह

कार्यक्रम के दौरान संध्या अग्रवाल ने खेल के माध्यम से नारी शक्ति के सशक्तिकरण की बात कही। इसी प्रकार प्रेमचंद ढींगरा ने खिलाड़ियों से हानिकारक दवाइयां एवं स्टेरॉयड से दूर रहने की बात कही। अमनप्रीत ने खिलाड़ियों से कठोर मेहनत एवं अनुशासन रखने की सलाह दी। कार्यक्रम का संचालन संस्था के संस्थापक डॉ प्रशांत मिश्र ने किया। इस अवसर पर वीरेंद्र सिंह ठाकुर, राकेश अयाची, आरिफ बेग, हेमंत नायडू, सत्येंद्र ज्योतिषी, मनोज सेठ, आलोक असाटी, रोहित चोपड़ा, राजेश राजपूत, एरिक लोबो, रोहित यादव, आशीष तिवारी, योगेंद्र तिवारी, लोकमान पटेल, शकील अनवर, आकांक्षा ठाकुर, गुरदीप वाधवा, गौरव केसरवानी, देवेश गुप्ता, प्रज्ञान मिश्रा, अभय भाटी आदि उपस्थित रहे।

इन्हें मिला महाकौशल खेल रत्न-2026

आयोजन में सारिका पासी एथलेटिक्स, मुन्नालाल एथलेटिक्स, अब्दुल रब बॉक्सिंग, लॉरेंस मार्टिन बॉडीबिल्डिंग, पीयूष कपूर साइकलिंग, नौशीन अंजुम जूडो, सजल उपाध्याय कराते, अनूप अवस्थी वेटलिफ्टिंग, मानवी श्रीवास्तव तैराकी, एल्विन सुशील कुमार हॉकी, यशवर्धन सिंह पावरलिफ्टिंग, प्रभात पटेल खो खो, जेनेक्स मैथ्यूज फुटबॉल, वीर सिंह राजपूत वुशु, कमल सोनकर कुश्ती, जगदीश कैथल कुश्ती, डॉ केबी अग्रवाल वॉलीबॉल, चंदा सोनी कबड्डी, निश्चय शर्मा शतरंज, दीपा लोधी योगासन, विक्रम जनसारी क्रिकेट, गजेंद्र सिंह पैरा पावरलिफ्टिंग(दिव्यांग वर्ग), बीना बर्मन कबड्डी , अंजली वर्मा खो खो, शुशांक पारधी,कराते (बालाघाट), चंदन, चक्रवर्ती, कुश्ती (कटनी), नौशीन नाज,हॉकी (सिवनी) आरती राठौर, फुटबॉल (छिंदवाड़ा) को महाकौशल खेल रत्न 2026 प्रदान किया गया।

स्तुतय खेल संस्थाएं 2026

कार्यक्रम में सहयोग क्रीड़ा मंडल गोटेगांव नरसिंहपुर, बुधे गोड अखाड़ा पनागर, हॉकी फीडर सेंटर रानीताल, कौनतेय वेंचर्स रंगभूमि, राइट टाउन पेंचक सिलाट असोसिएशन, जबलपुर को भी सम्मानित किया गया।

बाइक और ई-रिक्शा के बीच जबरदस्त भिड़ंत, युवती की मौत

सिहोरा-मझौली रोड पर हुआ हादसा, 8 लोग घायल

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

सिहोरा-मझौली रोड पर दर्शनी गांव के पास रविवार दोपहर करीब 2 बजे एक मोटरसाइकिल और ई-रिक्शा की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में एक युवती की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों में से 2 की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पुलिस के मुताबिक मोटरसाइकिल चालक सिहोरा से मझौली की दिशा में जा रहा था, जबकि ई-रिक्शा मझौली से सिहोरा की ओर आ रहा था। पान बरेजा के पास दोनों वाहनों के बीच सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई और ई-रिक्शा में सवार घायल सड़क पर ही पड़े रहे।

स्थानीय लोगों ने पहुंचाया अस्पताल

स्थानीय लोगों की सहायता से सभी घायलों को जननी और निजी एंबुलेंस के माध्यम से सिहोरा सिविल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने पोंडा निवासी 21 वर्षीय प्रीति कोल को मृत घोषित कर दिया। घायलों में 18 वर्षीय सुधा रावत, 19 वर्षीय जानकी रावत, 26 वर्षीय नेहा कोल, 55 वर्षीय सुखवंती बाई कोल, 7 वर्षीय दुर्गा कोल और 6 वर्षीय अभि कोल शामिल हैं। वहीं गंभीर रूप से घायल 35 वर्षीय राजकुमार कोल, 11 वर्षीय अनुराग और 40 वर्षीय शुभम कोल को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। अन्य घायलों का इलाज सिहोरा अस्पताल में जारी है।

चार संभागों तक सीमित हुआ जबलपुर मेडिकल विश्वविद्यालय का दायरा

मप्र राजपत्र में जारी अधिसूचना में हुआ खुलासा

न्यायालय की शरण में जाएगा उपभोक्ता मंच

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र राजपत्र में जारी अधिसूचना के बाद जबलपुर मेडिकल विश्वविद्यालय का दायरा घटाकर केवल 4 संभागों तक सीमित कर दिया गया है। राज्यपाल के आदेश पर अतिरिक्त सचिव निरीश खरे द्वारा प्रकाशित इस आदेश से यह संस्थान देश का सबसे छोटा आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय बन गया है। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. पीजी नाजपांडे के अनुसार 2 समान हिस्सों में बंटवारे की मांग को लेकर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवीन कोठारी को दी गई अपील खारिज हो गई है। पूर्व अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल से दूरभाष पर चर्चा के बावजूद जबलपुर का पक्ष अनदेखा रहा, जिसके बाद मंच ने इस अधिसूचना को न्यायालय में चुनौती देने का ऐलान किया है।

समान बंटवारे की मांग हुई खारिज - मंच द्वारा राज्यपाल के प्रमुख सचिव को भेजी गई याचिका में स्पष्ट तर्क दिया गया था कि असंतुलित विभाजन भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत मिले समानता के अधिकार का सीधा उल्लंघन करता है। इसके अतिरिक्त प्रशासनिक स्तर पर पूर्व अपर मुख्य सचिव से संपर्क साधकर जबलपुर के हितों की रक्षा करने और विसंगतियों को दूर करने का आग्रह किया गया था, परंतु शासन स्तर पर इस पक्ष पर ध्यान दिए बिना प्रक्रिया आगे बढ़ा दी गई।

पूरे देश में कहीं नहीं हुआ ऐसा बंटवारा - संगठन ने यूजीसी और केंद्र सरकार को पत्र प्रेषित कर अवगत कराया है कि पूरे देश के किसी भी अन्य राज्य में मेडिकल यूनिवर्सिटी का इस प्रकार विखंडन नहीं किया गया है। मंच की बैठक में इस नोटिफिकेशन के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में रजत भार्गव, एड वेदप्रकाश अधौलिया, मनीष शर्मा, डॉ. एबी श्रीवास्तव, सुशीला कनौजिया, गीता पांडे और यशवंत कोष्टा उपस्थित रहे।

चैकिंग अभियान चलाकर पमरे ने कमाया 56.64 करोड़ का राजस्व

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेल में प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशानुसार तीनों मंडलों में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य अधिकारियों के नेतृत्व में और रेलवे मजिस्ट्रेट चैकिंग के तहत यात्री गाड़ियों एवं स्टेशनों पर समय-समय पर टिकट जांच अभियान चलाए गए। इन अभियानों के परिणामस्वरूप पश्चिम मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष के चार माह में अनबुक्ड लगेज, बिना टिकट यात्रा तथा अनियमित टिकट पर यात्रा करने वाले कुल 6 लाख 86 हजार मामलें पकड़े गए जिनसे अतिरिक्त किराया एवं जुर्माना सहित कुल 56 करोड़ 64 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया गया। यह राशि पिछले वर्ष इसी अवधि में वसूले गए 51 करोड़ 30 लाख रुपये के जुर्माने की तुलना में 10.43 प्रतिशत अधिक है। मुख्यालय के टिकट निरीक्षकों द्वारा चलाए गए टिकिट जांच अभियान में बिना टिकिट/अनबुक्ड लगेज/अनियमित टिकिट लेकर यात्रा करने वालों के 12 हजार मामलों से 86 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया। जबलपुर मंडल के टिकट निरीक्षकों द्वारा चलाए गए जांच अभियान में 3 लाख 16 हजार मामलों से 27 करोड़ 92 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया। भोपाल मंडल के टिकट जांच के दौरान 2 लाख 30 हजार मामलों से 17 करोड़ 50 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया। कोटा मंडल के टिकट निरीक्षकों ने अभियान के दौरान 1 लाख 28 हजार मामलों से 10 करोड़ 36 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया।

सरकारी और निजी अस्पतालों को रोजाना देनी होगी बेड उपलब्धता की जानकारी

बारिश के मौसम में बीमारियों को देखते हुए सीएमएचओ ने दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बारिश के मौसम में वायरल फीवर, मच्छर जनित बीमारियाँ तथा अन्य संक्रमण तो बढ़ते ही हैं साथ ही दुर्घटनाओं में वृद्धि हो जाने के कारण मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो जाती है इससे शहर की स्वास्थ्य व्यवस्था पर दबाव पड़ता है। इस दौरान मरीज के परिजनों को अस्पताल में उपलब्ध सामान्य बेड आईसीयू बेड, आईसीसीयू बेड तथा वेंटीलेटर बेड की सही जानकारी प्राप्त न होने के कारण कई अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, इससे मरीज गंभीर स्थिति में पहुंच जाता है। ऐसी स्थिति को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ नवीन कोठारी ने वर्तमान में बढ़ती मौसमी बीमारियों की चुनौती से निपटने तथा आमजन की सहूलियत के लिए जिले के समस्त शासकीय एवं प्राइवेट अस्पतालों को प्रतिदिन अपने यहाँ के उपलब्ध सामान्य बेड, आईसीयू बेड, आईसीसीयू बेड और वेंटीलेटर बेड की जानकारी नियमित सीएमएचओ ऑफिस की मेल आईडी पर उपलब्ध कराने के दिशा निर्देश दिए हैं। सीएमएचओ कार्यालय को जानकारी प्राप्त होते ही इस जानकारी से प्रतिदिन प्रेस मीडिया अथवा सोशल मीडिया के फेसबुक पेज तथा इंस्टाग्राम आईडी आई ई सी ब्यूरो सीएमएचओ जबलपुर तथा विक्टोरिया हॉस्पिटल के माध्यम से सामान्य जनमानस को तत्काल अवगत कराया जा सकेगा कि शहर के किस अस्पताल में सामान्य बेड व आईसीसीयू बेड उपलब्ध है।

सूने मकान का ताला तोड़कर नगदी-जेवर ले उड़े चोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

अधारताल थाने मे साहिल बिहुनिया उम्र 24 वर्ष निवासी न्यू कंचनपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह प्राईवेट काम करता है। बीती शाम मॉ व पिताजी घर के दरवाजे में ताला लगाकर मामा के यहां पनेहरा चले गये थे।

रात को उसका भाई सुजल घर आया और खाना खाकर ताला बंद कर चला गया था। कुछ देर बाद जब वह घर आकर देखा घर के बाहर की गैलरी गेट का ताला लगा हुआ था। कमरे का ताला टूटा था सामान बिखरा हुआ था उसने अपने माता पिता को बुलाया घर में रखी आलमारी में रखे सोने का 1 हार, 1 चैन, 2 अंगूठी, 2 लोंग, 1 लाकेट, चांदी की बाल मेंहदी, 2 पायल, कंगन, हाथ की मेंहदी, तथा नगदी रूपये नहीं थे कोई अज्ञात चोर घर का ताला तोड़कर घर मे घुसकर आलमारी से गहने व नगदी चोरी कर ले गया है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फायर एनओसी ना होने पर डोमिनोज फूड सेंटर हुआ सील

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

राँझी में पनेहरा पेट्रोल पम्प (अमीर एंड संस) परिसर में खोले गये डोमिनोस आउटलेट को शनिवार की देर शाम तक चली जांच की कार्यवाही में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा सील कर दिया गया है। इस आउटलेट को फायर एनओसी प्राप्त किये बिना ही खोल दिया गया था। ज्ञात हो कि कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार और एएसपी डॉ आयुष जाखड़ के साथ मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शनिवार को केंट विधानसभा में क्षेत्र भ्रमण के दौरान दोपहर बाद पनेहरा स्थित अमीर एंड संस पेट्रोल पम्प का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान पेट्रोल पम्प परिसर में डोमिनोस के आउटलेट की जांच भी की गई थी।

कलेक्टर श्री सिंह ने पेट्रोल पम्प पर किसी बड़े अग्नि हादसे की आशंका को देखते हुए मौके पर मौजूद अधिकारियों को डोमिनोस आउटलेट की सभी तरह की अनुज्ञप्तियों और अनुमतियों की तत्काल जांच के निर्देश दिये थे। कलेक्टर के निर्देश पर डिप्टी कलेक्टर रघुवीर सिंह मरावी के नेतृत्व में अधिकारियों के दल ने शनिवार को देर शाम तक डोमिनोस आउटलेट के दस्तावेजों की पड़ताल की और सबसे जरूरी फायर एनओसी नहीं पाये जाने पर डोमिनोस आउटलेट को सील करने की कार्यवाही की।

युवक पर छिड़का पेट्रोल, झुलसा चेहरा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सिहोरा के खितौला में रविवार शाम पुरानी रंजिश के चलते दो युवकों ने एक अन्य युवक पर पेट्रोल डाल दिया। युवक के हाथ में लगी बीड़ी की चिंगारी से आग भड़क उठी, जिससे उसका चेहरा और हाथ झुलस गए। पुलिस के मुताबिक लखराम मोहल्ला निवासी 20 वर्षीय राजकुमार केवट की गुरु कुचबंदिया और सौरभ कुचबंदिया से पुरानी दुश्मनी थी। आरोप है कि दोनों ने राजकुमार पर पेट्रोल छिड़क दिया। पेट्रोल छिड़कने के बाद राजकुमार के हाथ में जल रही बीड़ी की चिंगारी से अचानक आग लग गई।

गाड़ी खड़ी करने की बात पर पोते ने दिया दादा को धक्का, हुई मौत

पनागर थाना क्षेत्र का मामला, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिले के पनागर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम इमलई में रक्षाबंधन के दिन गाड़ी खड़ी करने को लेकर हुए विवाद में 65 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। अपने पोते अभिषेक चौधरी के साथ हुई धक्का-मुक्की के दौरान प्यारेलाल जमीन पर गिर पड़े, जिससे उनके सिर में गंभीर अंदरूनी चोट आ गई। इलाज के दौरान अस्पताल में उनकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और मर्ग जांच के आधार पर आरोपी पोते के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार यह घटना 28 अगस्त की की है। रक्षाबंधन का त्यौहार मनाने के बाद परिवार के सदस्य और रिश्तेदार घर पर इकट्ठे थे। इसी दौरान आरोपी अभिषेक चौधरी घर के सामने शराब पी रहा था। सामने वाले मकान में रहने वाले रिश्ते के दादा प्यारेलाल चौधरी ने घर के सामने गाड़ी खड़ी करने को लेकर अभिषेक से बात की, जिस पर दोनों के बीच बहस शुरू हो गई।

इलाज के दौरान हुई मौत

बहस बढ़ने पर आरोपी पोते और दादा के बीच धक्का-मुक्की हो गई, जिसमें प्यारेलाल जमीन पर गिर पड़े। सिर में अंदरूनी चोट लगने के बाद परिजन उन्हें तुरंत पनागर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए, जहां से डॉक्टरों ने उन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। इलाज के दौरान रात डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक और आरोपी पोते के बीच पहले से कोई पुरानी रंजिश नहीं थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और मर्ग जांच में सिर की अंदरूनी चोट को ही मृत्यु का मुख्य कारण बताया गया। पनागर थाना पुलिस ने आरोपी पोते अभिषेक चौधरी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, RNI No. 64561/96.